{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 24 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल 12 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 330
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

नेस्ले-पेप्सिको समेत कई कंपनियों को 150 नोटिस

नई दिल्ली। सरकार ने नियमों का पालन न करने पर कई प्रमुख फूड ब्रांड्स और रिटेल चेन के खिलाफ हाल के महीनों में करीब 150 नोटिस जारी किए हैं। भारत की खाद्य सुरक्षा नियामक संस्था एफएसएसएआई ने ये नोटिस भ्रामक विज्ञापनों, झूठे दावों और लेबल से जुड़े नियमों का पालन नहीं करने पर दिए हैं। जिन कंपनियों को नोटिस जारी किए गए हैं। उनमें नेस्ले इंडिया, पेप्सिको, कोका-कोला इंडिया जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा अमेजन और फ्लिपकार्ट समेत ई-कॉमर्स कंपनियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। वहीं केएफसी, मैकडॉनल्ड्स, पिज्जा हट, डोमिनोज और कोस्टा कॉफी जैसे फूड सर्विस ब्रांड्स को भी नोटिस मिले हैं। ई-कॉमर्स कंपनियों अमेजन और फ्लिपकार्ट को 12 नोटिस भेजे हैं।

बॉलीवुड अभिनेता रोहुल्लाह मेहदी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई में कथित ड्रग्स नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए काशीमीरा पुलिस की अपराध शाखा ने बॉलीवुड अभिनेता और मॉडल रोहुल्लाह मेहदी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामले में 28 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5 लाख 60 हजार रुपये बताई गई है। इस कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, सोशल मीडिया के जरिए एमडी ड्रग्स की बिक्री किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने कथित तस्करों तक पहुंचने के लिए फर्जी ग्राहक के जरिए जाल बिछाया। 28 ग्राम एमडी की डिलीवरी के लिए कासिफ नाम के व्यक्ति को दहिसर चेक नाका इलाके में ठाकुर मॉल के पास बुलाया गया। पुलिस ने उसे मौके पर पकड़ लिया। पूछताछ में कथित तौर पर अभिनेता रोहुल्लाह मेहदी का नाम सामने आया।

सतलुज प्रदूषण पर पंजाब में पहली एफआईआर, हिमाचल की फैक्ट्रियों पर कार्रवाई की तैयारी

चंडीगढ़ । पंजाब के रोपड़ में सतलुज नदी के बढ़ते प्रदूषण को लेकर प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। पंजाब पुलिस ने नदी को प्रदूषित करने के मामले में राज्य की पहली एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई रोपड़ के आम आदमी पार्टी विधायक दिनेश चड्ढा की शिकायत और पहल के बाद की गई। एफआईआर हिमाचल प्रदेश के बद्दी और नालागढ़ औद्योगिक क्षेत्रों की अज्ञात फैक्ट्रियों और उनके प्रबंधकों के खिलाफ दर्ज की गई है। बताया गया है कि हाल की भारी बारिश के बाद सतलुज नदी में बड़ी मात्रा में जहरीला औद्योगिक कचरा और रासायनिक अपशिष्ट पहुंचा।

कुछ ना कहना

इधर, सीजेपी ने केंद्र की वादा खिलाफ के खिलाफ खोला मोर्चा उधर राजस्थान सरकार आई हरकत में

सीजेपी के दबाव में आई सरकार, मंजूर किए 18 लाख

नई दिल्ली/ जयपुर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने एक बार फिर बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि वह केंद्र सरकार के खिलाफ जंतर-मंतर जैसा आंदोलन कर सकती है। वहीं दूसरी तरफ सीजेपी के आंदोलन का असर राजस्थान में देखने को मिला, जहां जयपुर के बगरू क्षेत्र स्थित रामपुरा-कंवरपुरा के जर्जर राजकीय प्राथमिक विद्यालय के नए भवन निर्माण के लिए 18 लाख की वित्तीय स्वीकृति जारी की है। इस स्कूल का पुराना भवन जर्जर होने के कारण कक्षाएं एक तबेले के पास चल रही थीं।

गौरतलब है कि सीजेपी के सह संयोजक और प्रवक्ता आशुतोष रांका के नेतृत्व में कार्यकर्ता जब स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे थे तो उनके साथ मार-पीट की गई थी। उसके बाद सीजेपी ने सरकार को चेतावनी दी थी। अब सरकार ने 18 लाख रूपए जारी कर दिए हैं। रांका ने सरकार के फैसले को संगठन की जीत बताया। उधर, महाराष्ट्र के लातूर में सरकारी स्कूल में कथित तौर पर घुसकर हंगामा करने और शैक्षणिक काम में बाधा डालने के आरोप में अभिजीत दिपके, अजिंक्य शिंदे समेत चार-पांच लोगों के खिलाफ औसा पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। इससे सीजेपी ने चेतावनी दी है कि सरकार उन्हें गिरफ्तार करे। इन सबके बीचसीजेपी ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि केंद्र सरकार ने अभी तक उनसे किए वादों को पूरा नहीं किया है। लगता है सरकार ने सिर्फ खोखले वादे कर उन्हें धोखा दिया है। सीजेपी ने सरकार से अपील की है कि अगर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान उनसे किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं तो एक ओर विरोध प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।

देश के युवाओं के साथ विश्वासघात

सीजेपी ने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार देश के युवाओं को धोखा देने की कोशिश कर रही है, जबकि विरोध प्रदर्शन को एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के वादे के आधार पर वापस लिया गया था। सीजेपी ने कहा कि किए गए वादों को कमजोर करने, उनमें देरी करने, गलत अर्थ निकालने या उनका अनादर करने की किसी भी कोशिश को भरोसे का अस्वीकार्य उल्लंघन और देश के युवाओं के साथ विश्वासघात माना जाएगा। सीजेपी ने आगे की कार्रवाई की चेतावनी दी है और आंदोलन को फिर से शुरू करने का संकेत दिया है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह अपनी अगली कार्रवाई तय करने के लिए 24 अगस्त को एक बैठक करेंगे। यह संभावित रूप से फिर से शुरू होने वाले विरोध प्रदर्शन के बारे में चेतावनी भी जारी करेगा।

केंद्र पर धोखा देने का आरोप

सीजेपी ने केंद्र सरकार पर युवाओं को धोखा देने और उनका भरोसा तोडऩे का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार अक्सर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को खत्म करने के लिए वादे तो करती है, लेकिन सडक़ें खाली होने के बाद उनसे मुकरने की कोशिश करती है। भारत के युवाओं से किए गए वादों को पूरा किया जाना चाहिए। सीजेपी ने कहा कि छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान दर्ज एफआईआर को रद्द करने के लिए कोर्ट से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद, सरकार ने अभी तक संबंधित लिस्ट जमा नहीं की है। जबकि समय रहते हुए सरकार को ये काम करना चाहिए।

सीजेपी ने छात्रों से कहा, तैयार रहें

सीजेपी ने कहा कि इसलिए, हम देश भर के छात्रों, युवा नागरिकों, समर्थकों और सीजेपी कार्यकर्ताओं से आग्रह करते हैं कि वे 24 अगस्त को होने वाली अगली गतिविधियों के लिए तैयार रहें। सीजेपीने कहा कि निश्चिंत रहें, हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक युवाओं से किए गए वादे पूरी तरह से पूरे नहीं हो जाते।

इसरो अब नहीं बनाएगा कोई रॉकेट

-इसरो अपनी भूमिका बदलकर रिसर्च और नई स्पेस टेक्नोलॉजी पर कर रहा फोकस

नई दिल्ली। भारत के स्पेस सेक्टर में बड़ा बदलाव होने वाला है। इसरो अब खुद रॉकेट बनाने का काम धीरे-धीरे बंद करेगा। आगे रॉकेट बनाने की जिम्मेदारी निजी कंपनियों और कुछ सरकारी कंपनियों को दी जाएगी। इन-स्पेस के चेयरमैन पवन गोयनका ने बताया कि इसरो अब रिसर्च, नई टेक्नोलॉजी, वैज्ञानिक मिशन और जरूरी स्पेस सिस्टम पर ज्यादा ध्यान देगा। इस बदलाव का मकसद देश में निजी कंपनियों की भागीदारी बढ़ाना और स्पेस सेक्टर को तेजी से आगे बढ़ाना है। पवन गोयनका ने कहा कि आने वाले समय में इसरो कोई रॉकेट खुद नहीं बनाएगा। रॉकेट बनाने का काम प्राइवेट सेक्टर या पीएसयू को दिया जाएगा। इसकी शुरुआत एसएसएलवी से हो चुकी है। एसएसएलवी की तकनीक और इसे बनाने के अधिकार हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड को दिए जा चुके हैं। अब पीएसएलवी और एलवीएन3 जैसे बड़े रॉकेटों को भी निजी कंपनियों को देने की तैयारी है।

पीएसएलवी और एलवीएन3 भी निजी कंपनियों को मिल सकते हैं

पीएसएलवी भारत के सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले रॉकेटों में से एक है। वहीं एलवीएन3 देश का सबसे ताकतवर ऑपरेशनल रॉकेट है। आने वाले समय में इन दोनों को बनाने का काम भी निजी कंपनियों को दिया जा सकता है। इस बार सरकारी कंपनियों को इस प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा। इसका मतलब यह नहीं है कि इसरो का काम खत्म हो जाएगा। इसरो अब नई स्पेस टेक्नोलॉजी बनाने, रिसर्च करने और वैज्ञानिक मिशन तैयार करने पर ज्यादा ध्यान देगा। इसके अलावा इसरो ऐसे खास सैटेलाइट और स्पेस सिस्टम भी तैयार करेगा, जिन्हें निजी कंपनियों के लिए बनाना मुश्किल हो सकता है।

इसरो ने 120 तकनीकें निजी क्षेत्र को दीं

पवन गोयनका के मुताबिक, इसरो अब तक करीब 120 तकनीकें निजी कंपनियों को दे चुका है। इन तकनीकों का इस्तेमाल कंपनियां अपने प्रोडक्ट और सेवाओं में कर सकती हैं। सरकार एक नए लॉन्च सेंटर का काम भी निजी कंपनियों को देने की तैयारी कर रही है। इसका ऑपरेटर अगले चार से पांच महीनों में तय हो सकता है।

केरल के प्रसिद्ध गुरुवायूर मंदिर में एक ही दिन में हुए 437 विवाह, बना रिकॉर्ड

गुरुवायूर। केरल के प्रसिद्ध गुरुवायूर श्रीकृष्ण मंदिर में रविवार को एक ही दिन में 437 विवाह हो रहे हैं जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। देवस्वोम अधिकारियों ने उन्होंने बताया कि मंदिर के इतिहास में एक दिन में होने वाले विवाहों की यह सबसे बड़ी संख्या है। गुरुवायूर देवस्वोम बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि मंदिर में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में विवाह हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुरुवायूर में 437 विवाह हो रहे हैं। इसमें सबसे अहम गुरुवायूर की जनता का सहयोग है। नियमित श्रद्धालुओं के दर्शन पर कुछ प्रतिबंध लगाए गए हैं और लोगों ने विवाहों को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए पूरा सहयोग दिया है।

उन्होंने बताया कि देवस्वोम की ओर से विवाह समारोहों के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस विभाग के 100 से ज्यादा कर्मियों को तैनात किया है। किसी के बीमार होने की स्थिति में एंबुलेंस की व्यवस्था है और डॉक्टर भी तैनात हैं। उन्होंने कहा कि विवाह समारोह सुबह चार बजकर 10 मिनट पर शुरू हुआ और शुरुआती दो घंटों में ही करीब 137 विवाह हुए। अधिकारियों के मुताबिक मलयालम महीने चिंगम के पहले रविवार को गुरुवायूर में विवाह शुभ माना जाता है और इसी कारण रविवार को इतनी बड़ी संख्या में विवाह आयोजित किए जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि विवाह समारोहों के लिए मंदिर परिसर में छह मंडप बनाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक जोड़े के लिए टोकन जारी किए गए हैं।

गुजरात में नकली शराब से मौतों का सिलसिला, 15 की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के भावनगर जिले में जहरीली नकली शराब पीने से मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। शनिवार को इलाज के दौरान तीन और लोगों की मौत हुई। इनमें भावनगर के दो मरीज और सूरत में भर्ती एक सुरक्षा जवान भी शामिल है। इस मामले में जहरीली शराब में मेथनॉल मिलाए जाने की बात सामने आई है। शराब को एक लोकप्रिय विदेशी शराब ब्रांड की नकली बोतलों में भरकर बेचने का आरोप है। पुलिस ने अब तक 21 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुजरात पुलिस ने मध्य प्रदेश से मुख्य आरोपी रईस को गिरफ्तार किया है। ताजा जानकारी के अनुसार 17 लोग अभी अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें तीन की हालत गंभीर है। वह आईसीयू में उपचाररत हैं। वहीं 17 मरीजों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है।

आगरा की ट्रेन में मिले मानव अंगों का चेन्नई कनेक्शन, घर से भी बरामद हुए शव के टुकड़े

आगरा। आगरा में ट्रेन के अंदर सूटकेस से मानव अंग मिलने के सनसनीखेज मामले में जांच आगे बढ़ने के साथ कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस को मामले के तार चेन्नई के गुडुवनचेरी इलाके से जुड़े मिले हैं। पुलिस ने एक घर की तलाशी ली, जहां कथित तौर पर खाना पकाने वाले बर्तन में भी सड़े हुए मानव अंग बरामद हुए। मामले में दो संदिग्धों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, 5 अगस्त को ट्रेन चेन्नई सेंट्रल से नई दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। आगरा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों ने एक सूटकेस से दुर्गंध आने की सूचना दी। रेलवे पुलिस ने सूटकेस खोला तो उसमें सड़े हुए मानव अंग मिले। इसके बाद मामले की जांच शुरू की गई।

आगरा रेलवे पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली। फुटेज में दो संदिग्ध एक जैसे ट्रॉली बैग के साथ ट्रेन में सवार होते दिखाई दिए। उनकी पहचान माणिक उद्दीन लस्कर और भगबती माझी के रूप में हुई।

भारत स्पेस में बनाएगा पेट्रोल पंप और दवाइयां

नई दिल्ली। अंतरिक्ष में पेट्रोल पंप, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की। पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्ट्रियां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है। कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है।

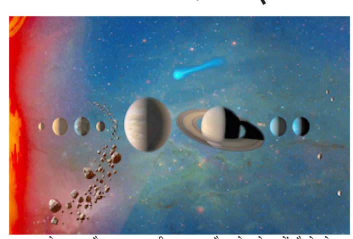

भारतीय स्टार्टअप्स कई नई तकनीकों पर काम कर रहे हैं। एक कंपनी डॉकिंग और रीफ्यूलिंग तकनीक विकसित कर रही है, जो अंतरिक्ष में ही सैटेलाइट्स में ईंधन भरने का काम करेगी।जैसे सडक़ पर गाड़ी का पेट्रोल खत्म होने पर हम पंप पर जाते हैं, वैसे ही अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स का ईंधन खत्म हो जाता है। एक भारतीय कंपनी ऐसी तकनीक बना रही है, जो हवा में ही उड़ती हुई सैटेलाइट्स से जुडक़र उनमें दोबारा पेट्रोल-डीजल की तरह ईंधन भर देगी। वहीं एक स्टार्टअप ऐसे सैटेलाइट्स तैयार कर रहा है जो अंतरिक्ष की जीरो-ग्रेविटी में दवाइयां बनाएंगे और धरती पर लाएंगे। जब धरती पर कोई दवा बनाई जाती है, तो गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव के कारण उसके केमिकल्स और प्रोटीन ठीक से मिक्स नहीं हो पाते या नीचे बैठने लगते हैं। इसके उलट, अंतरिक्ष में दवाइयां और प्रोटीन बिना किसी खिंचाव के शुद्ध रूप में आपस में मिलते हैं। इससे दवाइयों के बनने का तरीका बेहद सटीक और साफ होता है। एक रोबोटिक स्पेसक्राफ्ट पर काम चल रहा है, जो स्पेस में तैरते बेकार और डेड सैटेलाइट्स को पकडक़र ऑर्बिट से बाहर निकालेगा।

अमेरिका-यूरोप छोडक़र भारत आ रहे इंजीनियर्स

स्पेस सेक्टर को प्राइवेट प्लेयर्स के लिए खोले जाने के बाद एक नया ग्लोबल ट्रेंड दिख रहा है। अमेरिका और यूरोप में काम करने वाले भारतीय इंजीनियर्स अब अपनी नौकरियां छोडक़र भारत लौट रहे हैं और देश के स्पेस स्टार्टअप्स से जुड़ रहे हैं। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत को एक ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि पूरी दुनिया का टैलेंट स्पेस सेक्टर में करियर बनाने के लिए भारत का रुख करे।

राहुल गांधी को ट्रेनिंग की जरूरत, ये मेरे लिए बच्चों का खेल- किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की फिटनेस को लेकर हल्के-फुल्के अंदाज में तंज कसा है। रिजिजू ने अरुणाचल प्रदेश की तेज बहती नदी में तैरते हुए अपना वीडियो साझा किया और कहा कि ऐसी गतिविधियां उनके लिए बचपन से ही सामान्य रही हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को इस तरह की गतिविधियों के लिए ट्रेनिंग की जरूरत पड़ सकती है, जबकि उनके लिए यह बच्चों का खेल है।

रिजिजू ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कई लोग उनकी तुलना राहुल से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी की नकल नहीं कर रहे हैं और न ही उन्हें ऐसी गतिविधियों के लिए किसी प्रशिक्षण की जरूरत है। उन्होंने अपने अंदाज में कहा, 卐मैं यहां का खिलाड़ी हूं।卐

हालांकि, रिजिजू ने लोगों को अरुणाचल प्रदेश की नदियों में सावधानी बरतने की चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि इन नदियों का पानी बेहद गहरा और तेज बहाव वाला है तथा तैरना न जानने वाले लोगों को गहरे पानी में नहीं जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि तेज बहती नदी में तैरने की तकनीक सामान्य स्विमिंग पूल से अलग होती है।

राहुल गांधी और किरेन रिजिजू के बीच फिटनेस को लेकर यह हल्की-फुल्की बातचीत पहले भी सामने आ चुकी है। पिछले वर्ष दोनों के बीच संसद में फिटनेस और व्यायाम को लेकर चर्चा हुई थी। राहुल गांधी ने रिजिजू के साथ अभ्यास करने की इच्छा भी जताई थी। बाद में राहुल गांधी ने अपने जिउ-जित्सु अभ्यास का जिक्र किया था। जून में राहुल गांधी के जन्मदिन पर रिजिजू की शुभकामनाओं के जवाब में भी दोनों के बीच फिटनेस को लेकर मजाकिया संवाद हुआ था।

राष्ट्रगान चलता रहा और मंच से चल दिए विस अध्यक्ष

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में आयोजित प्रधानाचार्य परिषद के 46वें प्रांतीय अधिवेशन, शैक्षिक संगोष्ठी और सम्मान समारोह में एक असहज स्थिति उत्पन्न हो गई, जब उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना राष्ट्रगान के बीच में ही मंच से उतर गए। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में सतीश महाना अपने कान के पास कुछ ठीक करते हुए मंच से नीचे उतरते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, इस वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकती है।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना शनिवार को उन्नाव के पूरन नगर स्थित एक स्कूल में आयोजित प्रधानाचार्य परिषद के अधिवेशन और शैक्षिक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। कार्यक्रम में प्रोटोकॉल के अनुसार, पुलिस द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके तुरंत बाद राष्ट्रगान शुरू हुआ। लेकिन, राष्ट्रगान पूरा होने से पहले ही सतीश महाना ने सलामी दी और अचानक मंच से पीछे की ओर उतर गए। इसी दौरान, राष्ट्रगान के बीच कुछ दूरी पर खड़े उनके समर्थक भी उनके पास पहुंच गए और पैर छूने लगे। इसके बाद सतीश महाना अपनी गाड़ी में बैठकर कार्यक्रम स्थल से रवाना हो गए।

कानपुर के महराजपुर से विधायक और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कार्यक्रम के दौरान 'शिक्षा प्रभा' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। इस मौके पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षकों की समस्याओं पर आगामी मानसून सत्र में विस्तार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षण संस्थान मजबूत होंगे तभी देश मजबूत होगा। कार्यक्रम के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सतीश महाना ने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोग इस संघर्ष में साथ खड़े थे और मंदिर के लिए दी गई राशि भगवान के प्रति समर्पण है, ऐसे में उसे वापस मांगना एक आहत करने वाली बात है। उन्होंने यह भी बताया कि सदन में विपक्ष के सामने कई बार हाथ जोड़कर अपनी बात रखने के लिए कहा, लेकिन वे इसके लिए तैयार नहीं हुए और अक्सर सदन में हंगामा करते रहे।

लाल सड़न रोग और अल नीनो से चीनी उत्पादन प्रभावित, सरकार उठा रही कई कदम- प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली । केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि देश में चीनी उत्पादन में कमी के पीछे लाल सड़न रोग और अल नीनो की स्थिति प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों से भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में कृषि उत्पादन प्रभावित हुआ है। सरकार चीनी की उपलब्धता और कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए कई कदम उठा रही है। प्रह्लाद जोशी के मुताबिक, भारत में चीनी की वार्षिक जरूरत करीब 280 लाख टन है, जबकि मौजूदा समय में देश के पास 20 से 25 लाख टन से अधिक अतिरिक्त भंडार मौजूद है। हालांकि उत्पादन में अपेक्षित कमी और आगामी त्योहारी मौसम को देखते हुए सरकार ने अस्थायी तौर पर कच्ची चीनी के आयात का फैसला किया है। इसका उद्देश्य बाजार में पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखना और कीमतों में तेज बढ़ोतरी को रोकना है। चीनी की कीमतों में हाल के दिनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, खुदरा चीनी की कीमत 20 जुलाई को 48.18 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो 20 अगस्त तक बढ़कर 55.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और जरूरत के अनुसार तत्काल कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं, कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सरकार की नीति पर सवाल उठाते हुए किसानों को गन्ने का भुगतान समय पर नहीं मिलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत पहले चीनी का निर्यात करता था, जबकि अब आयात की स्थिति बन गई है।

कांवड़ यात्रा ने बदला शहर का नजारा, जयकारों से गूंजे चौक-चौराहे

वैनगंगा और शंकर घाट से जल लेकर रवाना हुए कांवड़िए, डीजे की धुन पर गूंजे भोलेनाथ के जयकारे, शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात पुलिस ने संभाला मोर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सावन माह अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है और 24 अगस्त को सावन का अंतिम सोमवार होने के साथ ही जिले में शिवभक्ति का रंग और गहरा गया। अंतिम सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए रविवार को जिलेभर के ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कंधों पर कांवड़ लेकर लांजी के प्रसिद्ध कोटेश्वर धाम के लिए रवाना हुए। सुबह से ही जिला मुख्यालय की सड़कों पर भगवा रंग में सजे कांवड़िए, हाथों में कांवड़ और जुबां पर भोलेनाथ के जयकारों के साथ आगे बढ़ते दिखाई दिए। कोई श्रद्धालु अपने गांव की नदी और जलस्रोत से जल लेकर निकला तो कई कांवडि़यों ने बालाघाट पहुंचकर वैनगंगा नदी और शंकर घाट से पवित्र जल भरा और उसे लेकर कोटेश्वर धाम की ओर प्रस्थान किया।

जिला मुख्यालय में रविवार सुबह से ही कांवड़ यात्राओं की चहल-पहल देखने को मिली। अलग-अलग गांवों से निकले श्रद्धालुओं के जत्थे डीजे की धुन पर भक्ति गीतों के साथ शहर से गुजरते रहे। युवाओं में भी कांवड़ यात्रा को लेकर खासा उत्साह नजर आया। कई श्रद्धालु पैदल यात्रा करते हुए कोटेश्वर धाम के लिए रवाना हुए, वहीं कुछ जत्थे अपने गांवों से डीजे और अन्य वाहनों के साथ शंकर घाट पहुंचे। यहां श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का पूजन कर जल भरा और फिर अपनी-अपनी यात्रा के अगले पड़ाव की ओर बढ़ गए। लालबर्रा क्षेत्र के खोंगाटोला निवासी राजा नकपुरे ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ लगातार दूसरे वर्ष पैदल कांवड़ यात्रा कर कोटेश्वर धाम जा रहे हैं। उनके साथ आसपास के गांवों के श्रद्धालु भी यात्रा में शामिल हुए हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं का जत्था पैदल ही लांजी की ओर बढ़ेगा और रास्ते में किरनापुर सहित अन्य स्थानों पर रात्रि विश्राम किया जाएगा। इसके बाद 24 अगस्त को कोटेश्वर धाम पहुंचकर वैनगंगा नदी के पावन जल से भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा।

इसी तरह टेकाड़ी गांव से भी नवयुवक ग्रामीण एकता समिति के तत्वावधान में विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। डॉ. गुलाबचंद पटले ने बताया कि समिति द्वारा लगातार दूसरे वर्ष कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को गांव से डीजे की धुन और धार्मिक जयकारों के बीच यात्रा निकली, जिसमें करीब 60 कांवडि़यों ने कंधों पर कांवड़ उठाई, जबकि 200 से अधिक श्रद्धालु पैदल यात्रा में शामिल हुए। यात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ी, रास्ते में ग्रामीणों और पंचायतों की ओर से कांवड़ियों का स्वागत किया गया। कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए रास्ते में कई स्थानों पर जलपान और अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। अलग-अलग पंचायतों और मार्ग में आने वाले गांवों में ग्रामीणों ने कांवडि़यों का स्वागत करते हुए उनके लिए सत्कार की व्यवस्था की। यात्रा दोपहर करीब 12 से 1 बजे के बीच जिला मुख्यालय के शंकर घाट पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने वैनगंगा नदी से जल भरा। इसके बाद कांवड़िए वापस अपने गांव की ओर रवाना हुए। टेकरी में 24 अगस्त को इसी जल से भगवान शिव का अभिषेक किया जाएगा और दोपहर 2 बजे विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। कई श्रद्धालुओं ने अपने गांवों की नदियों और जलस्रोतों का जल कांवड़ में रखा है। वहीं कुछ श्रद्धालु शंकर घाट और वैनगंगा नदी से जल लेकर अपने गांवों के शिव मंदिरों में रुद्राभिषेक के लिए रवाना हुए। सावन के अंतिम सोमवार को लेकर शिवभक्तों में इस कदर उत्साह है कि रविवार को जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण मार्गों तक कांवड़ यात्राओं का सिलसिला दिखाई देता रहा। बड़ी संख्या में कांवड़ यात्राओं के जिला मुख्यालय पहुंचने के कारण यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को भी विशेष इंतजाम करने पड़े। यातायात पुलिस ने शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर यातायात को डायवर्ट किया। गर्रा चौक से शंकर घाट, अवंतीबाई चौक, जयस्तंभ चौक, काली पुतली चौक, अंबेडकर चौक से हनुमान चौक तक पुलिस बल तैनात रहा। कांवड़ियों के जत्थे गुजरने के दौरान वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के साथ कई स्थानों पर यातायात परिवर्तित किया गया। यातायात थाना प्रभारी सहित पुलिसकर्मी लगातार व्यवस्था संभालते नजर आए। सावन के अंतिम सोमवार को लेकर जिलेभर में धार्मिक उत्साह चरम पर है। कांवडि़ए रविवार को जल लेकर अपने-अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए, ताकि सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक कर सावन की भक्ति यात्रा को पूर्ण कर सकें। शहर की सड़कों पर गूंजते भोलेनाथ के जयकारे, डीजे पर बजते भक्ति गीत और कंधों पर सजी कांवड़ ने पूरे माहौल को शिवमय बना दिया। जिले के विभिन्न गांवों से निकली इन यात्राओं ने एक बार फिर सावन की आस्था और ग्रामीण अंचलों की धार्मिक परंपरा की जीवंत तस्वीर सामने रखी।

बिरसा के बीमारी प्रभावित ग्रामों में तेजी से सुधर रहे हालात

प्रशासन की तत्परता से स्थिति सामान्य

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा विकासखंड के बीमारी से प्रभावित ग्रामों में जिला प्रशासन की तत्परता और सक्रियता से स्थिति में

तेजी से सुधार हो रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पशु चिकित्सा तथा अन्य विभागों द्वारा लगातार किए जा रहे राहत, उपचार, स्वच्छता और निगरानी संबंधी कार्यों से अब हालात सामान्य होने लगे हैं। प्रशासन द्वारा प्रभावित ग्रामों में आवश्यक सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया गया है।

आंगनबाड़ी में बच्चों को मिल रहा पौष्टिक भोजन

प्रभावित ग्रामों में आंगनबाड़ी केंद्रों की सेवाओं को बेहतर बनाया गया है। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को सुबह ताजा पका हुआ नाश्ता देने के बाद मध्यान्ह भोजन भी कराया जा रहा है। इससे बच्चों को नियमित और पर्याप्त पोषण मिल रहा है। अधिकारियों द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और बच्चों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

40 गांवों में घर-घर पहुंच रहा स्वास्थ्य अमला

स्वास्थ्य विभाग का अमला चिन्हित 40 गांवों में घर-घर जाकर सर्वे एवं लोगों तथा बच्चों के स्वास्थ्य की जांच कर रहा है। बीमार पाए जाने वाले लोगों को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। गंभीर अथवा आवश्यकता वाले मरीजों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहकर स्वास्थ्य संबंधी स्थिति की निगरानी कर रही हैं।

कठिन परिस्थितियों में भी जिम्मेदारी निभा रहा मैदानी अमला

प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य विभाग की एएनएम, सीएमओ एवं अन्य कर्मचारी कठिन और दुर्गम परिस्थितियों के बावजूद पूरी जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। मैदानी अमले में ऐसे कर्मचारी भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने पति अथवा अन्य सगे संबंधियों को खोया है, इसके बावजूद वे प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों की सेवा और स्वास्थ्य जांच का कार्य निरंतर कर रहे हैं।

पशुओं का भी किया जा रहा टीकाकरण

बीमारी से प्रभावित तथा एहतियात के तौर पर चिन्हित ग्रामों में पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा पशुओं को संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में 23 अगस्त को अडोरी और पाथरी में पशुओं का टीकाकरण किया गया।

हैंडपंपों की सफाई, सुधार और क्लोरिनेशन

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्र के ग्रामों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हैंडपंपों के सुधार, जल स्रोतों की सफाई और क्लोरिनेशन का कार्य किया जा रहा है। 23 अगस्त को ग्राम लंहगाकन्हार के सोनटोला, बखारीकोना, गंजेसर्रा और डोंगरिया में हैंडपंपों की सफाई, सुधार एवं क्लोरिनेशन का कार्य किया गया।

शालाओं और छात्रावासों में भी कड़ी निगरानी

प्रभावित क्षेत्र की शालाओं, आश्रम शालाओं एवं छात्रावासों में बच्चों के मध्यान्ह भोजन, स्वच्छता और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था पर अधिकारियों द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही है। ग्राम पंचायतों द्वारा भी गांवों की नालियों की सफाई कराई जा रही है, ताकि स्वच्छ वातावरण बना रहे और संक्रमण की संभावनाओं को कम किया जा सके। जिला प्रशासन की सतत निगरानी, विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयास और मैदानी अमले की सक्रियता से बीमारी से प्रभावित ग्रामों में स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। साथ ही बैगा जनजाति के लोगों में भी बीमारी की स्थिति में समय पर चिकित्सक से उपचार कराने को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। प्रशासन द्वारा ग्रामीणों से स्वच्छता बनाए रखने, शुद्ध पेयजल का उपयोग करने और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की गई है।

भय दिखाकर रंगदारी वसूलने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भय दिखाकर जबरन रंगदारी वसूलने के मामले में मलाजखंड पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को

गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 19 हजार रुपये नगद तथा वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार जप्त की है। जप्त कार की अनुमानित कीमत 3 लाख रुपये बताई गई है। मामले में फरार दो अन्य आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है। गिरफ्तार देवेंद्रसिह मरकाम 51 वर्ष ग्राम अजगरा हाल ग्राम सुंदरवाहीं और सतीश राहंगडाले 37 वर्ष ग्राम बिठली निवासी को 24 अगस्त को बैहर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

जंगल में घेरकर दो लाख रुपये की मांगी रंगदारी

मलाजखंड पुलिस के मुताबिक 21 अगस्त की रात करीब 9 बजे मुस्तकीम कुरैशी खुमरीटोला के पास जंगल स्थित झरूआटोला की कच्ची सड़क पर खरीदे गए बकरों को पिकअप वाहन में लोड कर रहा था। इसी दौरान स्विफ्ट डिजायर कार से टोपराम पटले, सतीश राहंगडाले, बुधराम मरावी और देवेंद्रसिंह मरकाम वहां पहुंचे। आरोप है कि चारों ने मुस्तकीम कुरैशी पर अवैध कारोबार करने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौज की और उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने कथित तौर पर दो लाख रुपये की रंगदारी मांगी। रुपये नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने तथा जंगल में जान से मारकर फेंक देने की धमकी दी गई।जिससे भयभीत मुस्तकीम ने अपने पास रखे 50 हजार रुपये आरोपियों को दे दिए। इसके बाद आरोपियों ने कथित तौर पर हर महीने 20 हजार रुपये देने की मांग करते हुए उसे धमकाया।

शिकायत मिलते ही दर्ज हुआ मामला

घटना के बाद 22 अगस्त को मुस्तकीम कुरैशी ने मलाजखंड थाना अंतर्गत पाथरी चौकी में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने टोपराम पटले, सतीश राहंगडाले, बुधराम मरावी और देवेंद्रसिंह मरकाम के खिलाफ मारपीट, धमकी और जबरन वसूली सहित भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 115(2), 308(5) एवं 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया।मामला दर्ज होने की भनक लगते ही सभी आरोपी फरार हो गए थे। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की और इसी दौरान देवेंद्रसिंह मरकाम एवं सतीश राहंगडाले को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने घटना में शामिल होना स्वीकार किया।

कार सहित 19 हजार रुपये बरामद

पुलिस ने आरोपी देवेंद्रसिंह मरकाम के कब्जे से स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक सीजी 22 एबी 2004 और 10 हजार रुपये नगद, जबकि आरोपी सतीश राहंगडाले के कब्जे से 9 हजार रुपये नगद बरामद किए हैं। इस प्रकार पुलिस ने कुल 19 हजार रुपये नगद एवं घटना में प्रयुक्त कार जप्त की है। मामले में फरार आरोपी टोपराम पटले और बुधराम मरावी की तलाश जारी है। पुलिस द्वारा दोनों की संभावित ठिकानों पर तलाश की जा रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को 24 अगस्त को बैहर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

हर हर महादेव के जयघोष से गूंजा कायदी बालाघाट मार्ग

बैनगंगा के पावन जल से होगा गुप्तेश्वर महादेव का अभिषेक

सावन के अंतिम सोमवार से पहले निकली भव्य कावड़ यात्रा्करीब 150 शिवभक्त हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सावन का पावन महीना भगवान भोलेनाथ की आराधना और भक्ति का पर्व माना जाता है। सावन के अंतिम सोमवार की बेला में पूरा बालाघाट जिला शिवमय नजर आ रहा है। शिवालयों में जहां रुद्राभिषेक और जलाभिषेक का सिलसिला जारी है वहीं श्रद्धालु कावड़ में पवित्र जल लेकर भगवान शिव के दरबार तक पहुंचने के लिए भक्ति की राह पर निकल पड़े हैं। इसी पावन भाव के साथ वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम कायदी से 23 अगस्त को विशाल कावड़ यात्रा निकाली गई। ग्राम कायदी के माता मंदिर से पूजा-अर्चना एवं भगवान भोलेनाथ के जयघोष के साथ कावड़ यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा में महिला-पुरुष सहित करीब 150 शिवभक्त शामिल हुए। हाथों में कावड़, मुख पर भोलेनाथ का नाम और हृदय में अटूट आस्था लिए श्रद्धालु जब यात्रा पर निकले तो पूरा वातावरण हर हर महादेव और बम बम भोले के जयघोष से गूंज उठा।कायदी से बालाघाट मार्ग होते हुए शिवभक्तों का यह जत्था बैनगंगा नदी के पावन शंकर घाट पहुंचा। यहां श्रद्धालुओं ने विधि विधान एवं पूर्ण श्रद्धाभाव के साथ मां बैनगंगा के पवित्र जल को कावड़ में धारण किया। पवित्र जल ग्रहण करने के बाद सभी शिवभक्त भगवान गुप्तेश्वर महादेव के जलाभिषेक का संकल्प लेकर गुप्तेश्वर धाम डोंगरगांव के लिए रवाना हुए।

भक्ति में डूबे शिवभक्त कदम कदम पर गूंजा भोलेनाथ का नाम

कावड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में गजब का उत्साह देखने को मिला। कोई भोलेनाथ का नाम जप रहा था तो कोई हर-हर महादेव के जयकारे लगा रहा था। भक्ति और आस्था से ओतप्रोत इस यात्रा ने क्षेत्र के वातावरण को पूरी तरह शिवमय कर दिया। श्रद्धालुओं के चेहरों पर थकान नहीं बल्कि भगवान शिव के प्रति समर्पण और जलाभिषेक की प्रतीक्षा की खुशी दिखाई दी।यह भव्य कावड़ यात्रा बब्बर सेना के तत्वावधान में आयोजित की गई है। यात्रा का नेतृत्व शिवभक्त रूद्र सिंह लिल्हारे, जय सैनिक एवं अभिजीत सिंह बाटे द्वारा किया जा रहा है।

हट्टा में होगा रात्रि विश्रामअंतिम सोमवार को चढ़ेगा पावन जल

कावड़ यात्रा का रात्रि विश्राम ग्राम हट्टा में किया जाएगा। इसके बाद 24 अगस्त सावन मास के अंतिम सोमवार को प्रात: शिवभक्त ग्राम हट्टा से कावड़ लेकर गुप्तेश्वर धाम डोंगरगांव के लिए पुन: प्रस्थान करेंगे। सावन के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर गुप्तेश्वर धाम पहुंचकर बैनगंगा नदी से लाए गए पवित्र जल से भगवान गुप्तेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जाएगा। इस पावन क्षण के साक्षी बनने और भोलेनाथ की आराधना में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया।

आस्था की कावड़ विश्वास का जल और भोलेनाथ के चरणों में समर्पण

कायदी से गुप्तेश्वर धाम तक निकल रही यह कावड़ यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं बल्कि श्रद्धा, संकल्प, सेवा और भगवान शिव के प्रति अटूट समर्पण की यात्रा है। पवित्र बैनगंगा का जल कावड़ में लेकर शिवभक्त जब गुप्तेश्वर महादेव के दरबार में पहुंचेंगे।तो वह क्षण उनके लिए आस्था और भक्ति से भरा अनुपम अनुभव होगा।सावन के अंतिम सोमवार पर होने वाला यह जलाभिषेक क्षेत्र में सुख शांति, समृद्धि और मंगल की कामना के साथ किया जाएगा। शिवभक्तों की इस आस्था यात्रा से क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय हो उठा है और चारों ओर एक ही स्वर सुनाई दे रहा ह।

CMCLDP के शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ, विद्यार्थियों को वितरित की गई अध्ययन सामग्री

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड बालाघाट द्वारा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ पीएम एक्सीलेंस कॉलेज, बालाघाट में किया गया। कार्यक्रम में पाठ्यक्रम से जुड़े छात्र-छात्राओं के साथ पूर्व छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री एवं पुस्तकों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्राध्यापक महावीर सिंह मरकाम सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। कार्यक्रम में श्री भिवेंद्र धुर्वे, ब्लॉक समन्वयक श्रीमती बैजयंती कटरे, नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि श्री ईसूलाल धावड़े, श्री हंसराज मेश्राम, परामर्शदाता तथा CMCLDP के छात्र-छात्राएं एवं पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

ब्लॉक समन्वयक श्रीमती बैजयंती कटरे ने कहा कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम युवाओं को समाज के प्रति जिम्मेदार, जागरूक एवं संवेदनशील बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। पाठ्यक्रम के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक सहभागिता, व्यक्तित्व विकास, सामुदायिक समस्याओं की पहचान तथा उनके समाधान के लिए सकारात्मक पहल करने की क्षमता विकसित की जाती है।

सावन के झूले पर सजी तीज की महफिल, महिलाओं ने बिखेरा उत्सव का रंग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सम्राट राजा भोज पवार संगठन भटेरा चौकी की महिला पदाधिकारियों और सदस्यों की ओर से हरियाली तीज एवं सावन झूला महोत्सव का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में समाज की बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं और सावन के पारंपरिक उत्सव को सामूहिक रूप से मनाया। आयोजन

स्थल पर महिलाओं की मौजूदगी से माहौल पूरी तरह उत्सवी नजर आया। संगठन की पदाधिकारी सोमलता रहांगडाले ने बताया कि हरियाली तीज के अवसर पर महिलाओं को एक मंच पर लाने और पारंपरिक संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से सावन झूला महोत्सव आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन सामाजिक एकता और आपसी मेल-जोल को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं को अपनी प्रतिभा और उत्साह प्रदर्शित करने का अवसर भी देते हैं। महोत्सव में शामिल होने पहुंचीं महिलाएं विशेष श्रृंगार और आकर्षक परिधानों में नजर आईं। हरियाली तीज के अनुरूप हरे रंग की साड़ियों में सजी महिलाओं ने आयोजन में विशेष आकर्षण बढ़ाया। महिलाओं ने एक-दूसरे को तीज की शुभकामनाएं दीं और सावन के पारंपरिक उत्सव का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान झूला महोत्सव के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। महिलाओं ने सामूहिक नृत्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। झूला झूलने को लेकर भी महिलाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया और सभी ने मिलकर सावन के इस पारंपरिक पर्व को यादगार बनाया। आयोजन में समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं ने अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखने के साथ आपसी भाईचारे और सामाजिक एकजुटता का संदेश भी दिया। आयोजन के दौरान पूरे समय उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा तथा महिलाओं ने सावन के गीतों और पारंपरिक रंग में कार्यक्रम का आनंद लिया।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

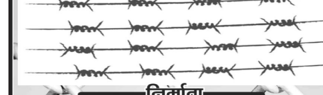

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

डबल बनी मामले में 1732 निवेशकों के नाम उजागर, फिर भी कई चेहरे पर्दे के पीछे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लांजी के बहुचर्चित डबल बनी मामले में पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, निवेशकों के नाम भी सामने आते जा रहे हैं। पुलिस अब तक निवेशकों की 11 सूचियां जारी कर चुकी है, जिनमें कुल 1732 निवेशकों के नाम सार्वजनिक किए गए हैं। हालांकि पुलिस के अनुसार सूची जारी होने के बावजूद कई निवेशक अब तक स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में बनाए गए हेल्प डेस्क तक नहीं पहुंचे हैं। ऐसे में पुलिस ने छूटे हुए निवेशकों को अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए 24 और 25 अगस्त का अतिरिक्त अवसर दिया है।

पुलिस ने बताया कि अब तक जारी की गई 11 सूचियों में यदि किसी निवेशक का नाम किसी कारणवश शामिल नहीं हो पाया है या निवेशक हेल्प डेस्क तक नहीं पहुंच सका है तो वह 24 एवं 25 अगस्त को स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचकर अपने संबंधित दस्तावेज और चेक जमा कर सकता है। पुलिस का कहना है कि इन दस्तावेजों के आधार पर आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी और इसके बाद निवेशकों की एक और सूची जारी की जाएगी। सूत्रों के अनुसार अब तक सार्वजनिक किए गए 1732 निवेशकों के नाम एक ही रजिस्टर से संबंधित बताए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि पहले रजिस्टर में दर्ज निवेशकों के नाम सामने आने के बाद अब पुलिस दूसरे रजिस्टर को खंगालने की तैयारी में है। यदि दूसरे रजिस्टर में भी निवेशकों के नाम और लेनदेन का रिकॉर्ड मिलता है तो आने वाले दिनों में निवेशकों की नई सूचियां जारी होने की संभावना है। इससे मामले में निवेशकों की वास्तविक संख्या और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। मामले में सबसे ज्यादा चर्चा उन निवेशकों को लेकर है जो अब तक पुलिस के हेल्प डेस्क तक नहीं पहुंचे हैं। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ऐसे निवेशकों में कुछ शासकीय कर्मचारी भी शामिल बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य शासकीय विभागों में पदस्थ कुछ कर्मचारियों ने भी इस मामले में निवेश किया था, लेकिन वे अभी तक सामने आकर अपने दस्तावेज जमा करने से बच रहे हैं। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि पुलिस की ओर से नहीं की गई है। यही वजह मानी जा रही है कि पुलिस ने 24 और 25 अगस्त को अतिरिक्त अवसर दिया है, ताकि अब तक सामने नहीं आए निवेशक खुद पुलिस के हेल्प डेस्क पर पहुंचकर अपना रिकॉर्ड दर्ज करा सकें। पुलिस का प्रयास है कि मामले से जुड़े प्रत्येक निवेशक की जानकारी, निवेश की रकम, चेक और अन्य दस्तावेजों को जांच के दायरे में लाया जाए, ताकि पूरे आर्थिक लेनदेन की तस्वीर स्पष्ट हो सके। डबल बनी मामले में पुलिस द्वारा लगातार निवेशकों की सूची सार्वजनिक किए जाने के बाद अब उन लोगों में भी हलचल बढ़ गई है, जिनके नाम सामने आने बाकी हैं। 1732 निवेशकों के नाम सामने आने के बावजूद यदि अभी बड़ी संख्या में लोग हेल्प डेस्क तक नहीं पहुंचे हैं तो इससे साफ है कि मामले की जांच का दायरा अभी और बढ़ सकता है। खासकर यदि दूसरे रजिस्टर से नए नाम सामने आते हैं तो पुलिस की कार्रवाई और जांच दोनों महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच सकती हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिन निवेशकों के नाम जारी 11 सूचियों में नहीं हैं और जिन्होंने अब तक हेल्प डेस्क पर अपने दस्तावेज जमा नहीं किए हैं, वे 24 एवं 25 अगस्त को कंट्रोल रूम पहुंचकर अपना पक्ष दर्ज करा सकते हैं। इसके बाद पुलिस उपलब्ध दस्तावेजों और रिकॉर्ड के आधार पर आगे की सूची तैयार करेगी। मामले में निवेशकों की संख्या, लेनदेन और सामने आने वाले नए नामों को लेकर आने वाले दिनों में तस्वीर और साफ होने की उम्मीद है।

मासूमों की मौत पर आदिवासी समाज का गुस्सा उफान पर, अनिश्चितकालीन हड़ताल ने पकड़ा जोर

निकाला कैंडल मार्च, पीड़ित परिवारों के साथ बैगा समाज और ग्रामीण भी आंदोलन में उतरे, तीन दिन बाद भी प्रशासन का कोई अधिकारी नहीं पहुंचा मिलने

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के आदिवासी अंचल में मलेरिया, हैजा और कुपोषण के बीच हुई बच्चों की मौतों को लेकर सर्व आदिवासी समाज का अनिश्चितकालीन हड़ताल अब धीरे-धीरे बड़ा आंदोलन बनता जा रहा है। शुरुआत में शहर के कुछ युवाओं ने बच्चों की मौत के मामले में आवाज उठाते हुए हड़ताल शुरू की थी, लेकिन अब पीड़ित परिवारों के साथ बैगा आदिवासी परिवार, ग्रामीण और जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से सामाजिक कार्यकर्ता भी आंदोलन से जुड़ रहे हैं। प्रदेश स्तर से भी युवाओं और सामाजिक संगठनों का समर्थन मिलने का दावा किया जा रहा है। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी प्रमुख मांगों पर सरकार और प्रशासन ठोस निर्णय नहीं लेते, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारी सत्येंद्र इनवाती ने कहा कि शासकीय रिपोर्ट के अनुसार आदिवासी अंचल में करीब 25 बच्चों की मौत मलेरिया और हैजा जैसी बीमारियों से हुई है। उनका आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी की जानकारी जिला प्रशासन तक पहुंच चुकी थी, इसके बावजूद संबंधित विभागों ने समय रहते गंभीरता से कदम नहीं उठाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते स्वास्थ्य सुविधाएं, दवाएं, टीकाकरण और आवश्यक उपचार की व्यवस्था की जाती तो स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। इनवाती ने कहा कि उनका अनिश्चितकालीन हड़ताल तीन से चार दिन से जारी है, लेकिन अब तक जिला प्रशासन का कोई जिम्मेदार अधिकारी आंदोलन स्थल पर पहुंचकर उनकी बात सुनने तक नहीं आया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब इतने बच्चों की मौत का मामला सामने आया है और पीड़ित परिवार न्याय की मांग को लेकर सड़क पर बैठे हैं, तो प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी उनसे संवाद करने के लिए अब तक क्यों नहीं पहुंचे। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों की उपेक्षा से समाज में नाराजगी और बढ़ रही है। उन्होंने 22 अगस्त को प्रदेश से पहुंचे उपमुख्यमंत्री द्वारा स्वास्थ्य विभाग के दो अधिकारियों को हटाए जाने की कार्रवाई पर भी असंतोष जताया। उनका कहना है कि केवल कुछ अधिकारियों को हटाने से जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलव को भी हटाने की मांग की। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग की भूमिका की भी जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की गई। समाज का आरोप है कि बच्चों की मौत के पीछे केवल बीमारी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी व्यवस्थागत खामियां भी जिम्मेदार हैं।आंदोलनकारियों ने मृत बच्चों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग भी प्रमुखता से उठाई है। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि जिन परिवारों ने अपने मासूम बच्चों को खोया है, उनके दर्द की भरपाई किसी राशि से नहीं हो सकती, लेकिन सरकार को कम से कम आर्थिक सहायता देकर प्रभावित परिवारों को राहत देनी चाहिए। इसके साथ ही प्रत्येक मौत की परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच कर लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारी भुलेश मरकाम ने कहा कि संबंधित क्षेत्र में कुपोषण, मलेरिया और हैजा की समस्या कोई अचानक पैदा हुई स्थिति नहीं है, बल्कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्चों का समय पर टीकाकरण नहीं हुआ और ग्रामीणों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं कराई गईं। उनका कहना है कि स्वास्थ्य व्यवस्था की कमजोर स्थिति और प्रशासनिक स्तर पर बरती गई कथित लापरवाही के कारण हालात बिगड़े और बड़ी संख्या में बच्चों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि पूरे मामले में जिम्मेदार विभागों की भूमिका की जांच कर दोषियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आंदोलन अब केवल कुछ लोगों तक सीमित नहीं रहा है। पीड़ित परिवारों और आदिवासी समाज के साथ अन्य वर्गों के लोग भी हड़ताल को समर्थन दे रहे हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि बच्चों की मौत का मामला किसी एक गांव या परिवार का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे आदिवासी अंचल में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति पर गंभीर सवाल है। इसलिए सरकार को इसे संवेदनशीलता के साथ लेना होगा और धरने पर बैठे लोगों से सीधे संवाद करना होगा।

देर शाम निकाला गया कैंडल मार्च

इसी क्रम में 23 अगस्त की देर शाम हड़ताल स्थल से सर्व आदिवासी समाज के लोगों ने कैंडल मार्च निकाला। हाथों में जलती मोमबत्तियां लेकर आंदोलनकारियों ने मृत बच्चों को श्रद्धांजलि दी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई तथा पीडि़त परिवारों को मुआवजा देने की मांग उठाई। कैंडल मार्च के दौरान आंदोलनकारियों ने कहा कि मासूमों की मौत को महज आंकड़ों में समेटकर मामले को खत्म नहीं होने दिया जाएगा। समाज ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी और आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

वायरल हुई फोटो को लेकर भी आंदोलनकारियों में नाराजगी

इसी बीच 23 अगस्त की सुबह सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक तस्वीर को लेकर भी आंदोलनकारियों में नाराजगी दिखाई दी। सत्येंद्र इनवाती ने आरोप लगाया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलव और हाल ही में जिला टीकाकरण अधिकारी बनाए गए परितोष शुक्ला की मिठाई खिलाते हुए मुस्कुराती तस्वीर सामने आई है। उन्होंने इस तस्वीर की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि जब आदिवासी परिवार अपने बच्चों की मौत का दर्द लेकर आंदोलन कर रहे हैं, उस समय जिम्मेदार स्वास्थ्य अधिकारियों की ऐसी तस्वीर सामने आना संवेदनहीनता को दर्शाता है। उन्होंने मीडिया के माध्यम से इस तस्वीर की निंदा करते हुए कहा कि इससे समाज में गलत संदेश जा रहा है।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं मिला एरियर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में आक्रोश

6 प्रतिशत ब्याज समेत भुगतान की मांग, अधिकारियों पर वसूली के आरोप, मानदेय बढ़ाने और नियमितीकरण सहित कई मांगों को लेकर प्रदेशव्यापी आंदोलन की तैयारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका एकता यूनियन बालाघाट की बैठक रविवार 23 अगस्त को शहर के बस स्टैंड स्थित धर्मशाला में आयोजित हुई। प्रदेश महासचिव किशोरी वर्मा की प्रमुख मौजूदगी में हुई बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की लंबित मांगों, विभागीय समस्याओं तथा शासन स्तर पर अटके मामलों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में संगठन ने साफ किया कि लंबे समय से अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही आंगनबाड़ी कर्मियों की मांगों की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रदेश महासचिव ईश्वरी वर्मा ने कहा कि प्रदेश के अलग-अलग जिलों में संगठन की बैठकें लेकर कार्यकर्ताओं की समस्याओं को एकजुट किया जा रहा है। इसी कड़ी में बालाघाट में भी बैठक आयोजित की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से कई कार्यों के नाम पर अनावश्यक राशि की मांग की जा रही है। अधिकारियों द्वारा काम के लिए पैसे मांगे जाने की शिकायतें भी संगठन तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कथित वसूली के खिलाफ यूनियन अब खुलकर आवाज उठाएगी और जरूरत पड़ने पर आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय से 1500 रुपये की कटौती की गई थी। इस कटौती के खिलाफ यूनियन ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। अप्रैल माह में हाईकोर्ट की डबल बेंच ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के पक्ष में आदेश देते हुए 6 प्रतिशत ब्याज सहित एरियर की राशि तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अब तक कार्यकर्ताओं को एरियर की राशि नहीं मिल पाई है। संगठन का आरोप है कि आदेश के बावजूद भुगतान रोककर कार्यकर्ताओं को उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है। ईश्वरी वर्मा ने कहा कि जानकारी मिली है कि सरकार हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एरियर की राशि कार्यकर्ताओं का हक है और इसे लेने के लिए संगठन किसी भी स्तर तक संघर्ष करेगा। उन्होंने बताया कि दो दिन पूर्व ही संचालनालय और सचिवालय को पत्र भेजकर हाईकोर्ट के आदेश के अनुरूप एरियर की राशि का तत्काल भुगतान करने के निर्देश जारी करने की मांग की गई है। साथ ही ग्रेज्युटी भुगतान का आदेश होने के बावजूद पात्र सेवानिवृत्त कर्मियों को इसका लाभ नहीं मिलने का मुद्दा भी उठाया गया।

यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने एरियर और ग्रेज्युटी सहित अन्य मांगों पर जल्द फैसला नहीं लिया तो प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। संगठन का कहना है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं शासन की योजनाओं को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन उनकी समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। अब मांगों को लेकर आंदोलन की रणनीति तैयार की जा रही है। यूनियन जिलाध्यक्ष अंजली बिसेन ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं पूरी ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं। शासन की विभिन्न योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के साथ विभागीय कार्यों के अलावा भी उनसे अतिरिक्त जिम्मेदारियां कराई जाती हैं, लेकिन इसके अनुपात में पर्याप्त मानदेय नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को कर्मचारी का दर्जा देते हुए नियमित किया जाना चाहिए और उनके मानदेय में सम्मानजनक बढ़ोतरी की जानी चाहिए। यूनियन ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रतिमाह 38 हजार रुपये तथा सहायिकाओं को 25 हजार रुपये मानदेय देने की मांग रखी। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं से ऑनलाइन या ऑफलाइन काम लेने की व्यवस्था स्पष्ट करने और किसी भी ऐप आधारित व्यवस्था को मानदेय से नहीं जोड़ने की मांग की गई। संगठन ने कहा कि तकनीकी माध्यमों के नाम पर कार्यकर्ताओं पर अतिरिक्त दबाव बनाया जा रहा है, जिसे बंद किया जाना चाहिए। बैठक में सेवानिवृत्त सभी आंगनबाड़ी कर्मियों को ग्रेज्युटी का लाभ देने, सेवाकाल के दौरान किसी आंगनबाड़ी कर्मी की मृत्यु होने पर उसके परिवार को 5 लाख रुपये की सहायता राशि देने और सेवानिवृत्ति की आयु 62 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष करने की मांग भी उठाई गई। संगठन ने कहा कि वर्षों तक शासन की योजनाओं का भार उठाने वाले कर्मियों को बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी है। यूनियन ने कहा कि आंगनबाड़ी कर्मियों की समस्याएं अब केवल बैठकों और ज्ञापनों तक सीमित नहीं रहेंगी। एरियर भुगतान, ग्रेज्युटी, मानदेय वृद्धि, नियमितीकरण, सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने और कथित अनावश्यक वसूली जैसे मुद्दों पर सरकार ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाया तो प्रदेशभर में आंदोलन को तेज किया जाएगा। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मांगों को लेकर एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का निर्णय लिया।

तेली साहू समाज को मजबूत बनाने की कवायद तेज, प्रतिभाओं के सम्मान से लेकर सामाजिक भवन तक पर बनी रणनीति

जिला बैठक में सामाजिक एकजुटता बढ़ाने का संकल्प, कुरीतियों के खिलाफ अभियान और युवाओं-महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला तेली साहू समाज की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को स्थानीय शीतल पैलेस होटल में आयोजित हुई, जिसमें समाज के उत्थान, संगठन को मजबूत करने और सामाजिक गतिविधियों को नई गति देने को लेकर गंभीर मंथन किया गया। बैठक में पदाधिकारियों और समाजजनों ने माना कि समाज को मजबूत बनाने के लिए केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित रहने के बजाय जमीनी स्तर पर सामाजिक गतिविधियों को सक्रिय करना जरूरी है। इसी उद्देश्य से सामाजिक आयोजनों को नियमित करने, संगठन की कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाने और समाज की समस्याओं पर सामूहिक रूप से काम करने की रणनीति पर चर्चा हुई।

बैठक में समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। समाज के मेधावी विद्यार्थियों, विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं और समाज का नाम रोशन करने वाले लोगों को सम्मानित करने की पहल पर सहमति बनी। पदाधिकारियों ने कहा कि प्रतिभाओं को मंच और प्रोत्साहन मिलने से समाज के युवाओं में आगे बढ़ने की प्रेरणा पैदा होगी और नई पीढ़ी को अपनी क्षमता साबित करने का अवसर मिलेगा। समाज की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने और भविष्य की सामाजिक गतिविधियों के लिए स्थायी संसाधन खड़े करने पर भी बैठक में विशेष चर्चा हुई। समाज के आय के स्रोत बढ़ाने के साथ सामाजिक भवन निर्माण की दिशा में ठोस पहल करने की बात कही गई। पदाधिकारियों का मानना रहा कि समाज का अपना भवन होने से सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ जरूरतमंद परिवारों और समाजजनों के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित करने में सुविधा मिलेगी। बैठक में सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया गया। समाजजनों ने कहा कि बदलते समय के साथ सामाजिक सोच में सकारात्मक बदलाव जरूरी है। कुरीतियों और अनावश्यक सामाजिक खर्चों को कम करने के साथ शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जागरूकता को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। इस दिशा में समाज के स्तर पर जागरूकता गतिविधियां संचालित करने पर भी विचार किया गया। जिला और ब्लॉक स्तर की कार्यकारिणी को सक्रिय करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में कहा गया कि संगठन तभी मजबूत होगा जब पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करेंगे और ब्लॉक स्तर तक समाज के लोगों से लगातार संपर्क बनाए रखेंगे। इसके लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपने और संगठन की गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने पर चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित स्वजातीय बंधुओं ने समाज के विकास को लेकर अपने सुझाव और विचार रखे। समाज में आपसी भाईचारा और एकजुटता बढ़ाने के साथ युवाओं और महिलाओं को संगठन की गतिविधियों में अधिक से अधिक जोड़ने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। समाजजनों ने कहा कि नई पीढ़ी और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना सामाजिक संगठन को व्यापक मजबूती देना संभव नहीं है। बैठक में आगामी समय में जिला तेली साहू समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह और समाज मिलन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इन आयोजनों के माध्यम से समाज के लोगों को एक मंच पर लाने, आपसी संवाद बढ़ाने और संगठनात्मक एकता को मजबूत करने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। बैठक के अंत में उपस्थित समाजजनों ने सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती और समाज के समग्र विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में जिला तेली साहू समाज के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र मानवटकर, सचिव संतोष समरिते, कोषाध्यक्ष जीएल लांजेवार, कन्हैया हटवार, खेमराज भोंगाड़े, कृष्ण कुमार बावनकर, तरुण साहू, हीरालाल बावनकर, भानेश साकुरे, सुनील पाटिल, शिव अगासे, पीतम आंबिलकर, जयराम कावड़े, सुजय साहू, केशव बैस, कमलेश साहू, संतोष आंबिलकर, योगेश तुलसीकर, खेमलाल पटले, हीरालाल पटले, ईशुलाल धावड़े सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

वैनगंगा तट से खैरगांव तक गूंजेगा हर-हर महादेव : 24 अगस्त को निकलेगी विशाल कावड़ यात्रा

पद्मेश न्यूज। चांगोटोला। सावन के पावन महीने में पूरा क्षेत्र भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर है। शिवालयों में श्रद्धालुओं द्वारा जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना का सिलसिला जारी है। इसी भक्तिमय वातावरण के बीच चांगोटोला क्षेत्र के धर्मप्रेमी शिवभक्तों द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी विशाल कावड़ यात्रा एवं जलाभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।कावड़ यात्रा 24 अगस्त को सुबह 8 बजे ग्राम नगरवाड़ा के समीप स्थित वैनगंगा नदी के पावन तट से प्रारंभ होगी। शिवभक्त वैनगंगा नदी से पवित्र जल लेकर कावड़ यात्रा के रूप में शिवधाम खैरगांव के लिए रवाना होंगे। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के जयकारों के साथ भक्तिमय वातावरण में आगे बढ़ेंगे। खैरगांव पहुंचने के बाद भगवान शिव का पवित्र जल से विधि-विधानपूर्वक जलाभिषेक किया जाएगा। जलाभिषेक कार्यक्रम के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए दोपहर 3 बजे महाप्रसादी वितरण का आयोजन किया गया है। आयोजन को लेकर शिवभक्तों एवं क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजकों द्वारा कावड़ यात्रा को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।आयोजक समिति एवं ग्राम पचपेढ़ी के समस्त शिवभक्तों और निवासियों ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कावड़ यात्रा में शामिल होकर भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सहभागी बनें और जलाभिषेक एवं महाप्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाएं। सावन के इस पावन अवसर पर आयोजित होने वाली कावड़ यात्रा से क्षेत्र में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण और अधिक भक्तिमय होने की उम्मीद है। श्रद्धालुओं में भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था और उत्साह देखते ही बन रहा है।

आस-पास की खबरें

पांढरवानी से निकली भव्य कांवड़ यात्रा

वैनगंगा नदी से जल भरकर श्रध्दालुओं ने किया बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटे ग्राम पांढरवानी स्थित हनुमान मंदिर से रविवार को मारूती नंदन सेवा समिति के तत्वाधान में कांवड़ यात्रा धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सुबह 10 बजे से धीरे धीरे सभी कावड़ियें हनुमान मंदिर में एकत्रित हुए और 11 बजे बाबा भोलेनाथ के जयकारों के साथ भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। इस दौरान ढोल-नगाड़ों और धार्मिक भजनों की धुन पर नाचते-गाते पैदल श्रध्दालुओं का यह जत्था पोटियापाट घाट पवित्र माँ वैनगंगा नदी के तट पर पहुंचा। तट पर पहुंचकर कांवड़ियों ने माँ वैनगंगा की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती की, तत्पश्चात कांवड़ियों ने अपनी कांवड़ों में पवित्र जल भरकर पुन: पांढरवानी के लिए रवाना हुए। इस कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों का जत्था मुख्य मार्गों व विभिन्न ग्रामों भ्रमण करते हुए हर-हर महादेव, बम बम भोले, हर भोला हर-हर महादेव के जयघोष करते नजर आये और जगह-जगह पर कांवड़ियों को फलों व पानी का वितरण किया गया। इस कांवड़ यात्रा के अंत में पांढरवानी स्थित शिव मंदिर पहुंचकर सभी कांवड़ियों ने पूर्ण भक्तिभाव के साथ बाबा भोलेनाथ के शिवलिंग पर जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख, समृध्दि और शांति की कामना की। इस धार्मिक अनुष्ठान के समापन के पश्चात समिति द्वारा विशाल महाप्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रध्दालुओं ने धर्म लाभ उठाया। इस अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

11 किग्रा. से अधिक गांजे के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

लालबर्रा पुलिस को मिली बड़ी सफलता, न्यायालय में पेश कर लिया रिमांड में

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नशीले पदार्थों के अवैध परिवहन और बिक्री के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत लालबर्रा पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 11 किलो 380 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर रविवार को वारासिवनी न्यायालय में पेश किया, जहां से दोनों को पुलिस रिमांड में लिया है। न्यायालय से रिमांड पर लिये आरोपियों से कड़ाई से पुछताछ करने पर मादक पदार्थ का विक्रय करने वाले अन्य गिरोह भी पुलिस के गिरफ्त में आ सकते है। वहीं जब्त किये गये गांजे की अनुमानित कीमत 5.69 लाख रूपये बताई जा रही है।

चेकिंग के दौरान धरे गये तस्कर

पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय एवं अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी के निर्देशन में शनिवार को पुलिस के द्वारा चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। बालाघाट-लालबर्रा हाईवे रोड पर ग्राम कनकी एवं बेहरई के बीच चेकिंग के दौरान बालाघाट की ओर से आ रही एक यामाहा आर-15 क्रमांक टीएस मोटरसाइकिल - ईजी-5176 को रोका गया जिसमें दो व्यक्ति सवार थे। जिसमें से पीछे बैठे व्यक्ति द्वारा अपने दोनों पैरों के मध्य नीले रंग का पिट्टू बैग रखा हुआ था। जब पुलिस द्वारा व्यक्तियों से बैग के संबंध में पूछताछ की गई तो दोनों व्यक्तियों के द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। जिसके बाद पुलिस को शक होने पर जब बैग की तलाशी ली गई तो उसमें से खाकी-भूरे रंग के प्लास्टिक टेप से पैक किये गये 7 बंडल बरामद हुए। बंडलों को खोलकर देखने पर उनमें हरे-भरे रंग की पत्तेदार एवं बीजयुक्त वनस्पति जिसमें गांजा जैसी तीव्र गंध पाई गई। इस तरह से दो व्यक्तियों के पास से 11 किलो 380 ग्राम मादक पदार्थ (गांजा) बरामद किया गया। जिसकी अनुमानित कीमत 5.69 लाख रूपये आंकी गई है। पुलिस ने औल्याकन्हार निवासी 35 वर्षीय हितेश नागेश्वर, मानपुर निवासी 19 वर्षीय चेतन बांगरे के पास से 11.382 ग्राम गांजा, मोटरसाइकिल एवं एक मोबाइल जप्त किया है। पुलिस ने दोनों व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर रविवार को उन्हे वारासिवनी न्यायालय में पेश कर वहां से रिमांड पर लिया है।

इनका रहा सराहनीय योगदान

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी राजमल दायमा, सहायक उपनिरीक्षक प्रभूदयाल कानतोड़े, अनिल मड़ामे, प्रधान आरक्षक विसराम धुर्वे, आरक्षक सौरभ शर्मा, हर्ष कनौजिया, लवकुश शर्मा, दिलीप राहंगडाले, चालक आरक्षक विजय हरदिया की भूमिका सराहनीय रही।

दो व्यक्ति को गांजा के साथ किया गया है गिरफ्तार - राजमल

दूरभाष पर चर्चा में थाना प्रभारी राजमल दायमा ने बताया कि शनिवार को लालबर्रा से बालाघाट रोड़ पर वाहन चेकिंग की जा रही थी। तभी कनकी से बेहरई के बीच में दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से आ रहे थे। जिन्हे रोककर तलाश की गई तो उनके पास से 11 किलो 380 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। जिसकी अनुमानित कीमत 5.69 लाख रूपये आंकी गई है। साथ ही मोटरसाइकिल एवं एक मोबाइल भी जप्त किया गया है। श्री दायमा ने बताया कि गांजा के साथ औल्याकन्हार निवासी हितेश नागेश्वर एवं मानपुर निवासी चेतन बांगरे गिरफ्तार हुए है जिनके खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर रविवार को वारासिवनी न्यायालय में पेश किया गया है। जहां से रिमांड में लेकर पूछताछ की जायेगी, जिससे इस तरह से अवैध रूप से गांजा का तस्करी करने वाले अन्य लोगों तक पहुंचकर उन पर भी सख्त कार्यवाही की जायेगी।

बजरंग मंदिर से निकलेगी विशाल कांवड़ यात्रा आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित बजरंग मंदिर में सावन मास के शुभारंभ गत 28 जुलाई से संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ जारी है जिसका समापन 29 अगस्त को किया जायेगा। इस अखण्ड रामायण पाठ के अवसर पर बजरंग मंदिर में रोजाना

सुबह भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाता है एवं दिन में महिलाओं एवं रात्रि में पुरूष व युवा वर्ग के द्वारा शामिल होकर अखण्ड रामायण पाठ का वाचन किया जा रहा है जिससे नगर मुख्यालय भक्तिमय हो गया है। साथ ही सावन मास के अंतिम सोमवार 24 अगस्त को प्रात: 8 बजे बजरंग मंदिर से वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम तक विशाल कावड़ यात्रा डीजे की धुन पर निकाली जायेगी और कावड़िये वैनगंगा नदी से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन कर धर्मलाभ अर्जित करेगें जिसकी तैयारी समिति के द्वारा पूरी कर ली गई है। आपकों बता दे कि सावन मास के प्रारंभ होते ही नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में स्थित शिव मंदिर व शिवालयों में श्रध्दालुओं के द्वारा रोजाना अखण्ड रामायण पाठ व विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। साथ ही समितियों के माध्यम से कांवड़ यात्रा निकलकर वैनगंगा नदी पोटियापाट व अन्य स्थानों से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक व पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे है। इसी तरह बजरंग मंदिर समिति लालबर्रा के द्वारा भी सावन मास के अंतिम सोमवार 24 अगस्त को मंदिर से विशाल कांवड़ यात्रा निकाली जायेगी और वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। चर्चा में बजरंग मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सावन मास के अवसर पर नगर मुख्यालय में स्थित बजरंग मंदिर में गत दिवस से अखण्ड रामायण पाठ जारी है जिसका वाचन संपूर्ण सावन मास की समाप्ति तक जारी रहेगा और प्रतिदिन दिन में महिलाओं व रात्रि के समय पुरूष व युवा वर्ग के द्वारा संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ पढ़ा जा रहा है। साथ ही यह भी बताया कि सावन मास के अंतिम सोमवार 24 अगस्त को प्रात: 8 बजे मंदिर प्रांगण से विशाल कांवड़ यात्रा निकलेगी जो वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट पहुंचेगी जहां से कांवड़ में जल लाकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक व पूजा अर्चना की जायेगी और एक माह से जारी अखण्ड रामायण पाठ का रक्षाबंधन पर्व के दुसरे दिन 29 अगस्त को हवन-पूजन व महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया जायेगा। इस अवसर पर श्रध्दालुजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने की है।

श्रावण मास में अखंड रामायण पाठ के भक्तिमय स्वरों से गूंजा बहियाटिकुर

महाआरती एवं विशाल भंडारे के साथ दो दिवसीय संगीतमय अखंड रामायण पाठ का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर स्थित ग्राम बहियाटिकुर के श्री बजरंग मंदिर में श्रावण मास के पावन अवसर पर गत दिवस से जारी दो दिवसीय संगीतमय अखंड रामायण पाठ अत्यंत श्रध्दा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दो दिवसीय संगीतमय अखंड रामायण पाठ में मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम और संकटमोचन श्री हनुमान जी के भक्तिमय भजनों एवं चौपाइयों से पूरा ग्रामीण अंचल धर्ममय हो उठा। साथ ही रविवार को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ दो दिवसीय संगीतमय अखंड रामायण पाठ का समापन किया गया। चर्चा में हिंदू धर्म प्रेमी निलेश चौधरी ने बताया कि बजरंग मंदिर समिति के तत्वाधान में यह धार्मिक परंपरा प्रतिवर्ष श्रावण मास में निभाई जाती है। इसी कड़ी में 22 अगस्त को मंदिर प्रांगण में आचार्यों द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं मंत्रोचार के साथ संगीतमय अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया। 24 घंटे तक चले अविराम रामायण वाचन के पश्चात 23 अगस्त को पाठ का ससम्मान विश्राम हुआ। इसके उपरांत सुख-समृध्दि एवं विश्व शांति की कामना को लेकर वैदिक रीति से हवन-पूजन संपन्न करवाया गया। अंत में भव्य महाआरती

उतारी गई और उपस्थित जनसमुदाय के बीच महाप्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रध्दालुओं ने उपस्थित होकर धर्म लाभ उठाया। इस गरिमामयी धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति के सदस्यों सहित ग्रामवासियों एवं युवाओं का अतुलनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से योगेश चौधरी, धीरज पालीवाल, नन्हेंलाल चौधरी, निलेश चौधरी, ललित चौधरी, भानुप्रताप सेवकराम ठाकरे, डेलनसिंह ठाकरे, प्रेमलाल चौधरी, पूनाराम चौधरी, रामस्वरूप चौधरी, गणेश चौधरी, फूलचंद चौधरी, अजय चौधरी, धवनराम चौधरी, सोहनसिंह वल्के, योगराज राणा, चैतराम ठाकरे, राजाराम हरिनखेड़े, पवन ठाकरे, कमल किशोर ठाकरे, ताराचंद चौधरी, विजय चौधरी, देवेन्द्र राणा, ओरीलाल चौहान, बालकृष्ण उइके, छन्नूलाल मर्सकोले, लखन/रामचन्द्र काटेकार, रामचन्द्र राणा, महेश चौधरी, भूपेंद्र चौधरी, चंद्रविजय चौधरी, भूपेश चौधरी, आदित्य चौधरी, डॉ. मजुमदार, आलोक चौधरी, रितिक चौधरी, कार्तिक चौधरी तथा मोहनसिंह वल्के सक्रिय रहे। इसके साथ ही मातृशक्ति एवं बाल मंडली से सुलोचना ठाकरे, प्रमिला उइके, धुरपता सहारे, भूमेश्वरी पटले, बेला मर्सकोले, अल्का वल्के, सरस, प्रतीक, भव्य, त्रिवेद, सौम्य चौधरी और सुमित राणा सहित समस्त धर्मप्रेमी ग्रामवासियों का विशेष योगदान रहा।

कांवड़ियों के जयकारों से गुंजायमान हुआ माँ वैनगंगा का तट

पोटियापाट घाट पर उमड़ा आस्था का सैलाब, गंगा मईया की आरती कर श्रध्दालुओं ने प्राप्त किये आशीर्वाद

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सावन मास के पावन अवसर पर शिव भक्ति का एक अनोखा और विहंगम दृश्य 23 अगस्त को पोटियापाट धाम माँ वैनगंगा नदी के पावन तट पर देखने को मिला। जहां पर क्षेत्र के विभिन्न ग्राम बम्हनी, खारी, साल्हे ला. सहित अन्य ग्रामीण अंचलों से पहुंचे सैकड़ों कांवड़ियों ने मां वैनगंगा के पवित्र जल से देवाधिदेव महादेव का जलाभिषेक कर सुख-समृध्दि की कामना की। इस अवसर पर डीजे की धुनों पर थिरकते श्रध्दालुओं और आकर्षक झांकियों ने पूरे माहौल को शिवमय बना दिया। सावन के महीने में पवित्र नदियों से जल भरकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करने की परंपरा सदियों पुरानी है। इसी भक्ति भाव को साकार करते हुए श्रध्दालु अपने-अपने गांवों से कांवड़ यात्रा लेकर निकले। पोटियापाट घाट (मां वैनगंगा तट) पर सुबह से ही कांवड़ियों का जमावड़ा दिखाई दिखा। तट पर माँ वैनगंगा के पावन एवं शुध्द जल को अपनी कांवड़ में भरने के बाद भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। जल भरने के पश्चात कांवड़ियें बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों के साथ अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। यात्रा के दौरान डीजे की धुन पर बजते शिव भजनों पर युवा, बुजुर्ग और ब'चें सभी पूरी लय में थिरकते नजर आये। वहीं निकाली गई विभिन्न धार्मिक झांकियां आसपास के ग्रामीणों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। पोटियापाट घाट से जल लेकर कांवड़िये अपने-अपने गांवों के शिवालयों में पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्ण विधि-विधान के साथ बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। श्रध्दालुओं ने भोले भंडारी के समक्ष अपनी मनोकामनाएं रखते हुए पूजा का संकल्प पूरा किया। मान्यता है कि सावन में स'ची श्रध्दा के साथ किया गया, कांवड़ जलाभिषेक भगवान शिव को अति प्रिय है और इससे सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। दिन भर पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

पनबिहरी से औल्याकन्हार मार्ग पर पीएचई कार्यालय के पास सड़क में बना जानलेवा गड्ढा, दुर्घटनाओं का बढ़ा खतरा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी से औल्याकन्हार पहुंच मार्ग पर स्थित पीएचई विभाग कार्यालय के सामने सड़क के बीचों-बीच एक बेहद खतरनाक और जानलेवा गड्ढा बन गया है। इसके अलावा सड़क भी जगह-जगह से जर्जर हो चुकी है, जिससे इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बारिश के दिनों में सड़क के गड्ढों में पानी भर जाने से चालकों को गहराई का अंदाजा नहीं मिल पाता। इसके कारण अक्सर दुपहिया वाहन चालक अनियंत्रित होकर गिरकर चोटिल हो रहे है और हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा सड़क की इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे राहगीर एवं ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत पनबिहरी सर्राटी माइनर नहर पीएचई कार्यालय के पास से औल्याकन्हार की ओर जाने वाले इस मार्ग का विगत वर्ष पूर्व सीमेंटीकरण एवं डामरीकरण का निर्माण करवाया गया था। लेकिन घटिया व गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य के चलते सड़क समय से पहले ही खराब हो चुकी है एवं जगह-जगह गड्ढे बन गये है। जबकि यह मार्ग केवल स्थानीय ग्रामीणों के लिए ही नहीं, बल्कि पनबिहरी और औल्याकन्हार से होकर मुख्य हाईवे रोड को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है। रोजाना सैकड़ों की संख्या में राहगीर, छात्र और ग्रामीण इस रास्ते से आवागमन करते हैं, लेकिन सड़क के खस्ताहाल के कारण सभी को परेशानी हो रही है। सड़क की समस्या से कई बार जिम्मेदारों को अवगत करवा दिया गया है लेकिन उनके द्वारा कोई ध्यान

नही दिया जा रहा है जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि पनबिहरी-औल्याकन्हार मार्ग के जानलेवा गड्ढों एवं सड़क का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

डोंगरमाली मार्ग बना हादसों का केंद्र साइड शोल्डर में दलदल से परेशान राहगीर

महाराष्ट्र को जोड़ने वाले संकरे मार्ग पर ग्रामीणों ने की चौड़ीकरण की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम सिकंद्रा से डोंगरमाली को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों राहगीरों और वाहन चालकों के लिए हादसों का सबब बना हुआ है। मार्ग के दोनों ओर साइड शोल्डर में बेतहाशा कीचड़ और दलदल की स्थिति निर्मित हो गई है। हाल ही में साइड शोल्डर में डाली गई मूरम धंसने के कारण सड़क अत्यंत खतरनाक स्थिति में पहुंच गई है जिससे आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं।

मार्ग पर दिन रात जारी रहता है भारी आवागमन

यह मार्ग सीधे पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र को जोड़ता है। दूरी कम होने के कारण इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में मालवाहक वाहन भारी गाड़ियां और यात्री बसें गुजरती हैं। सुबह से लेकर देर रात तक मार्ग पर भारी यातायात बना रहता है। सड़क अत्यंत संकरी होने के कारण जब दो बड़े वाहन आमने सामने आते हैं तो छोटे वाहन चालकों को रास्ता देने के लिए अपनी गाड़ियां सड़क से नीचे उतारनी पड़ती हैं। साइड शोल्डर में भरे कीचड़ और मूरूम धंसने के कारण दोपहिया व साइकिल सवार सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। सड़क से नीचे उतरते ही गाडियां कीचड़ में फंस जाती हैं या साइड शोल्डर से वापस डामर की सड़क पर चढ़ते समय स्लिप होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाती हैं। इस मार्ग पर पूर्व में भी दर्जनों दुर्घटनाएं हो चुकी हैं जिनमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह समस्या ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए बड़ी मुसीबत बन चुकी है। वारासिवनी मुख्यालय स्थित शिक्षण संस्थानों में अध्ययन करने वाले सैकड़ों छात्र छात्राएं प्रतिदिन इसी मार्ग से आवाजाही करते हैं। साथ ही दैनिक जरूरतों और कामकाज के लिए मुख्यालय जाने वाले ग्रामीणों को भी जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि सड़क के दोनों ओर फैले कीचड़ को तत्काल हटाया जाये, साथ ही मार्ग के बढ़ते यातायात को देखते हुए सड़क का चौड़ीकरण किया जाये और गुणवत्तापूर्ण साइड शोल्डर का निर्माण कराया जाए, ताकि भविष्य में होने वाली जनहानि और दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

हर समय दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है कई बार दुर्घटनाएं भी हुई है-दवनलाल पटले

ग्रामीण दवन लाल पटले ने बताया कि इस सड़क में समस्या है जब ट्रक मेटाडोल आते जाते हैं तो पटरी पर उतरना पड़ता है। जहां पर कीचड़ में गाड़ी साइकिल फंस जाती है या कभी पटरी से सड़क पर जाते समय गिर जाती है। दोनों तरफ बहुत ज्यादा कीचड़ भरा हुआ है रोड भी सकरी है इसमें सभी को समस्या हो रही है। बारिश चालू होने से यह समस्या उत्पन्न हो गई है, इसकी पटरी भराई नहीं की गई है। वारासिवनी से डोंगरमाली तक मार्ग की यही स्थिति है। हमारे गांव से ३ किलोमीटर वारासिवनी है वहां जाते तक हमें १० बार रुकना पड़ता है क्योंकि ट्रक डंपर आते जाते हैं। हर समय दुर्घटना की संभावना बनी रहती है कई बार दुर्घटनाएं भी हुई है अभी हमारे गांव के एक लड़के का पैर टूट गया छोटी नहर के पास एक्सीडेंट हुआ था।

सड़क के चौडीकरण होने से सभी को मिलेगी सुविधा-दिनेश ठाकरे

ग्रामीण दिनेश ठाकरे ने बताया कि यहां जो साइड शोल्डर हैं इसकी बहुत ज्यादा स्थिति खराब है नीचे कोई भी वाहन उतरना नहीं चाहता है क्योंकि वह कीचड़ में भर जाता है। यह जो साइड शोल्डर वारासिवनी से मेंढ़की तक ऐसे ही है ,४ महीने से यह समस्या बढ़ गई है स्कूल जाने वाले बच्चे गिर जाने से हाथ पैर टूट रहे हैं कपड़े खराब हो रहे हैं उन्हें वापस जाना पड़ रहा है। मोटरसाइकिल सड़क से नीचे नहीं उतार सकते हैं वरना चढ़ाते समय गाड़ी स्लिप हो जाती है। यह सड़क सीधे महाराष्ट्र को जोड़ती है, इस कारण इस पर बहुत ज्यादा यातायात है आगे और ज्यादा स्थितियां खराब है। यहां सभी प्रकार के वाहन दिन रात चलते रहते हैं जिम्मेदार लोगों ने इस पर ध्यान देकर सुधार करवाना चाहिए। सड़क को चौड़ी करना और सबसे पहले यह कीचड़ यहां से हटाया जाना चाहिए।

सड़क दुर्घटना में मेडिकल संचालक गंभीर रूप से घायल

जिला अस्पताल रिफर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी से महाराजपुर मार्ग पर ग्राम कोस्ते के पंचायत चौक के पास रविवार की रात करीब ७.३० बजे दो मोटरसाइकिलों के बीच भिड़ंत हो गई। इस सड़क हादसे में मेडिकल दुकान संचालक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिरसोला निवासी उमाशंकर ठाकरे ४० वर्ष महाराजपुर में मेडिकल दुकान संचालित करते हैं। २३ अगस्त की रात करीब ७.३० बजे वह प्रतिदिन की तरह अपनी दुकान बंद कर मोटरसाइकिल से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान वारासिवनी से सामान खरीदकर कोस्ते की तरफ जा रहे एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार से पंचायत चौक के पास उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि उमाशंकर ठाकरे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर घायल को सिविल अस्पताल वारासिवनी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

शासकीय चरनोई भूमि पर अवैध प्लॉटिंग व कब्जे का मामला

नितिन संचेती सहित अन्य २ आरोपियों पर अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एवं चरनोई घास भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने, समतलीकरण, सड़क, बाउंड्रीवॉल निर्माण तथा बिना सक्षम स्वीकृति के अवैध कॉलोनी काटने के मामले में वारासिवनी पुलिस ने तीन लोग जिसमें नितिन कुमार संचेती, धनराज राहंगडाले ,दीपचंद टेंभरे के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में आपराधिक मामला दर्ज किया है। यह कार्यवाही अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वारासिवनी के आदेश एवं हल्का पटवारी की लिखित शिकायत के आधार पर की गई है।

यह है पूरा मामला

पटवारी हल्का नं.७३ डोंगरिया वारासिवनी में पदस्थ पटवारी भूपेन्द्र पारधी द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार मौजा डोंगरियां स्थित भूमि खसरा नंबर २५८/१, रकबा २.६०/१.०५२ हेक्टेयर पर अवैध रूप से प्लॉटिंग कर बिक्री करने तथा उससे लगी शासकीय घास भूमि खसरा नंबर २१६/१, २१६/२,२१६/३ पर अवैध कब्जा कर सीसी रोड, समतलीकरण व बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया गया। जांच में पाया गया कि आरोपियों के द्वारा बिना टाउन एंड कंट्री प्लानिंग भू.खंडों के ले.आउट अनुमोदन और बिना किसी सक्षम प्राधिकारी की विकास अनुमति/अनापत्ति के अवैध रूप से कॉलोनी का विकास किया जा रहा था। साथ ही शासकीय नियमों को ताक पर रखकर सरकारी घास भूमि का अंश भाग भी हथियाने का गंभीर प्रयास किया गया है।

इन लोगों पर दर्ज हुआ मामला

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वारासिवनी कार्तिकेय जायसवाल के द्वारा जारी आदेश व जांच प्रतिवेदन के आधार पर थाना वारासिवनी में दिनांक २२ अगस्त को अपराध क्रमांक ०४१६/२०२६ दर्ज किया गया है। जिसमें नितिन कुमार पिता ईश्वरचंद संचेती निवासी वारासिवनी, धनराज पिता लालचंद राहंगडाले निवासी चांगोटोला ,दीपचंद पिता चुन्नीलाल टेंभरे निवासी डोंगरियां या भटेरा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता २०२३ की धारा ३१८(४) मध्य प्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम १९९३ की धारा ६१ घ (३) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

राजस्व विभाग के कार्यवाही से कॉलोनाइजरों में मचा हड़कंप

वारासिवनी अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर छोटे.बड़े या संयुक्त स्तर पर कॉलोनाइजरों के द्वारा कॉलोनी विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। जहां उनके द्वारा शासन के नियमों को तक पर रखा गया है ,हालांकि इसके अलावा भी कई लोगों को राजस्व विभाग के द्वारा नोटिस जारी कर दस्तावेज सत्यापन के लिए निर्देशित किया गया है। जो बिना अनुमति के ही कॉलोनी विकसित कर रहे हैं, ऐसे में राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन की इस संयुक्त कार्यवाही से अवैध कॉलोनाइजरों में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमियों पर अतिक्रमण और बिना वैधानिक स्वीकृतियों के अवैध प्लॉटिंग करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कठोर दंडात्मक कार्यवाही जारी रहेगी।

डोंगरिया में अवैध कॉलोनी और बिना अनुमति प्लॉटिंग का मामला

अनेक खसरों में अवैध कॉलोनी विकास, शिवशंकर डोंगरे के खिलाफएफआईआर दर्ज

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम डोंगरिया में नियम विरुद्ध अवैध तरीके से भू.खंडों का विभाजन प्लॉटिंग कर कॉलोनी विकसित करने के एक गंभीर मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। यह कार्यवाही अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वारासिवनी एवं तहसीलदार लालबर्रा के आदेशों और प्रतिवेदन के परिपालन में शिवशंकर पिता फागूदास डोंगरे निवासी बालाघाट के विरूद्ध की गई है।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व विभाग प्रभारी राजस्व निरीक्षक मण्डल कनकी तहसील लालबर्रा के अधिकारियों द्वारा मौजा डोंगरिया स्थित भूमि का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि अनावेदक शिवशंकर पिता फागूदास डोंगरे निवासी बालाघाट ने अपनी व अन्य स्वामित्व की भूमियों पर बिना किसी सक्षम अधिकारी से ले.आउट अनुमोदन, कॉलोनी विकास अनुमति या डायवर्शन कराए अवैध रूप से प्लॉटिंग कर दी। अनावेदक के द्वारा खसरा नंबर २३९/२, २४४/२, २१४/१/२ १६३/१/१,२१५/६/२ क्रमश रकबा ०.२६३, ०.०५८१, ०.०१०१ ,०.२८३, ०.०२६४ हेक्टेयर की भूमि पर बिना अनुमति कॉलोनी काटने की मंशा से प्लाटिंग की जा रही थी। इसके अलावा खसरा नंबर १६३/१/१/१/२ रकबा ०.००८ हेक्टेयर एवं १६३/१/१/१/२ रकबा ०.०१० हेक्टेयर की भूमियों को बेचकर अवैध कॉलोनी निर्माण और बिना अनुमति भूमि व्यपवर्तन का अपराध किया गया।

इन धारा में दर्ज हुआ अपराध

राजस्व विभाग के प्रतिवेदन और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वारासिवनी के आदेश दिनांक २०/०८/२०२६ के अनुपालन में वारासिवनी पुलिस ने एफआईआर क्रमांक ०४१७/२०२६ दर्ज की है। पुलिस ने अनावेदक शिवशंकर डोंगरे के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता २०२३ की धारा ३१८ (४)मध्य प्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम १९९३ की धारा ६१ घ (३)के तहत शिकायतकर्ता राजकुमार पिछोड़े प्रभारी राजस्व निरीक्षक मण्डल कनकी तहसील लालबर्रा ने अनुविभागीय अधिकारी के पत्र क्रमांक २३०२/ स्टेनो/२०२६ के आधार पर २२ अगस्त को थाना वारासिवनी में एफआईआर दर्ज करवायी हैं।

श्री राम मंदिर में श्रावण महोत्सव जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के प्रसिद्ध और प्राचीन ऐतिहासिक श्री राम मंदिर में इस वर्ष भी श्रावण महोत्सव के पावन अवसर पर अखंड मासिक सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन पिछले ५ वर्षों की अपार सफलता और अपार जनसमर्थन के बाद इस वर्ष यह आयोजन अपने छठे वर्ष है। श्री राम मंदिर समिति के समस्त सदस्यों के मार्गदर्शन और नगरवासियों के सहयोग से यह भक्तिमय अनुष्ठान ३० जुलाई से प्रारंभ किया गया जिसका समापन २७ अगस्त को किया जायेगा। इस मासिक अनुष्ठान के दौरान प्रतिदिन रात्रि ८ बजे से सुंदरकांड पाठ का वाचन प्रारंभ हो रहा जहाँ देर रात महाआरती और प्रसादी वितरण के साथ संपन्न किया जा रहा हैं। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि प्रतिदिन अलग.अलग यजमानों की गरिमामयी उपस्थिति में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का वाचन और श्रवण कराया जाएगा। पूरा मंदिर परिसर रामधुन और ढोलक मंजीरों की थाप पर भक्ति रस में सराबोर हैं। मंदिर समिति के सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि यह बहुत पुराना मंदिर नगर की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां विराजमान भगवान श्री राम और संकटमोचन श्री हनुमान जी महाराज की अलौकिक प्रतिमाओं के समक्ष बैठकर पाठ करने और सुनने का अवसर अत्यंत दुर्लभ और पुण्यदायी माना जाता है। समिति ने समस्त श्रद्धालू भक्तों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस धार्मिक आयोजन में अपनी सहभागिता दर्ज कराएं तथा भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें।

दर्जनों की संख्या में ग्रामीणों ने कांग्रेस पार्टी का थामा दामन

मंहगाई की मार के कारण आम जनता परेशान- विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी को एक सफलता हाथ लगी। ग्राम पंचायत सेलवटपार के लगभग दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा है। सभी ग्रामीणों ने वारासिवनी विधायक जनसंपर्क कार्यालय पहुंचकर विधायक विवेक पटेल के हस्ते कांग्रेस पार्टी का गमछा पहनकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। विधायक पटेल ने सभी ग्रामीणों को मिठाई खिलाकर बधाई प्रेषित की। वर्तमान सरकार और स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों के इलाकों की बुनियादी दिक्कतों को दूर करने सरकार बिल्कुल भी गंभीर नहीं है विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर सरकार के द्वारा लगातार अनदेखी की जा रही है। वहीं विधायक विवेक पटेल के द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे लगातार विकास कार्यों एवं उनका जनता के साथ मिलकर समस्याओं का समाधान करना उनके लिए एक अच्छा प्रयास हो रहा है। जिसमें दिनेश पंचेश्वर,राजकुमार उइके, महेंद्र धूवारे,रामलाल शेंद्रे,दिनेश मात्रे, कैलाश पंचेश्वर, भोजराम कोकडे, दिनेश तेलासे,अनिल उईके, महेंद्र दांदरे,भरत मर्सकोले, गिरीशराम भवरे, मानसिंह मडावी, रामदास चौधरी, आशाराम नागेश्वर, शैलेश दांदरे,मंशाराम दांदरे, नंदकिशोर हरिनखेड़े, घनश्याम कटरे, खेमलाल सोनेकर, सत्यवान दांदरे,गजराम ठाकरे ,विनोद कुमार गौतम,मोतीराम ठाकरे शामिल रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि नगर और ग्रामीण अंचलों में कांग्रेस पार्टी के प्रति आम जनता का भरोसा लगातार गहरा होता जा रहा है। इतनी बड़ी संख्या में ग्रामीणों का कांग्रेस पार्टी से जुड़ना इसी अटूट विश्वास का नतीजा है। जिससे आने वाले दिनों में कांग्रेस पार्टी और मजबूत होगी। गांव की जनता के काम नहीं हो रहे है,तहसील कार्यालय में काम से पहुंच रहे ग्रामीण अंचलों की जनता अधिकारियों के चक्कर काट रहे है। मंहगाई की मार के कारण आम जनता परेशान हो चुकी है।

यौन शोषण और ब्लेकमेलिंग का अड्डा बन रहे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

सोशल मीडिया का अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग कई किशोरियों और युवतियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान और वास्तविक जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है, हालांकि इसे पूरी पीढ़ी की बर्बादी कहना अतिशयोक्ति हो सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली कृत्रिम चमक और तुलना की संस्कृति गंभीर मानसिक दबाव पैदा कर रही है।सोशल मीडिया पर अजनबी लोगों से दोस्ती करने के बाद कई बार लड़कियां ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग और साइबर अपराध का शिकार हो जाती हैं। लोग झूठी पहचान बनाकर भरोसा जीतते हैं और बाद में निजी जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हैं। इससे मानसिक तनाव और सामाजिक नुकसान होता है।धोखेबाज असली नाम या तस्वीर छिपाकर गलत पहचान बनाते हैं। निजी तस्वीरें या वीडियो हासिल करके पैसों की मांग करना। महंगे उपहार या विदेश भेजने के नाम पर पैसे ऐंठना। प्यार और शादी का झूठा वादा करके भरोसा तोड़ना। पिछले कुछ वर्षों के दौरान फेसबुक, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर चंद युवक-युवतियों द्वारा आपस में दोस्ती करने का रुझान बढ़ गया है जिसे ऑनलाइन फ्रैंडशिप कहा जाता है। इनके जरिए युवक दोस्ती के नाम पर अपनी ऑनलाइन फ्रैंड्स को धोखा देने, उनका यौन शोषण करने और ब्लैकमेल करके पैसे वसूलने में भी संकोच नहीं करते जिससे उनकी चाल में फंसने वाली युवतियों की जिंदगियां तबाह हो रही हैं। हाल ही में सुर्खियों में रही कुछ वारदातों का जायजा करिए। 6 जनवरी को पालघर (महाराष्ट्र) में एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को इंस्टाग्राम पर प्रेम जाल में फंसा कर अगवा करने, महीनों तक उसका यौन शोषण करने तथा घटना का वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध केस दर्ज किया।12 जनवरी को पाली (राजस्थान) की एक नाबालिगा से सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती करने के बाद एक युवक उसे दिल्ली ले आया और किराए के मकान में रखकर उसका कई बार शोषण किया। जब लड़की ने उससे शादी करने के लिए कहा तो उसे पीटा गया। पुलिस ने नाबालिगा की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया। 5 मई को सीकर (राजस्थान) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड पर शादी का झूठा वादा कर उससे बलात्कार करने और उसे जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।20 जून को बेंगलुरु (कर्नाटक) में पुलिस ने एक व्यक्ति को एक महिला से ऑनलाइन दोस्ती करके उसे किराए पर कमरा दिलाने के बहाने एक लॉज में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया।23 जून को बुराड़ी (दिल्ली) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड के विरुद्ध रील बनाने के बहाने उसे एक होटल में बुला कर उससे बलात्कार करने और घटना का वीडियो बना कर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई । 16 जुलाई को कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड पर उसे डरा-धमका कर उससे बलात्कार करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। 5 अगस्त को बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) में एक युवती ने राजस्थान के एक युवक के विरुद्ध उसके साथ इंस्टाग्राम के जरिए दोस्ती करने के बाद उसे नशीली पेस्ट्री खिलाकर बेहोश करके उसके साथ बलात्कार करने और घटना का अश्लील वीडियो बना कर ब्लैकमेल करके लाखों रुपए वसूलने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

चीनी की मिठास पर महंगाई का वार-ईंधन के लिए गन्ना या थाली के लिए चीनी?

वैश्विक स्तरपर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में दुनियाँ एक ऐसे दौर से गुजर रही है,जहां ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन तीनों एक-दूसरे से गहराई से जुड़ चुके हैं।पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करना,कार्बन उत्सर्जन घटाना और घरेलू ऊर्जा संसाधनों का विस्तार करना आज भारत सहित हर बड़ी अर्थव्यवस्था की प्राथमिकता है।इसी व्यापक रणनीति के तहत भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित किया। सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार एथनोल सप्लाई ईयर 2024-25 में पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण 19.24 प्रतिशत तक पहुंच चुका था और 2025-26 के लिए 20 प्रतिशत का लक्ष्य रखा गया है। एथेनॉल उत्पादन क्षमता भी अक्टूबर 2025 तक बढ़कर लगभग 1,953 करोड़ लीटर हो चुकी थी। लेकिन अगस्त 2026 में चीनी की कीमतों में आई असाधारण तेजी ने इस नीति के दूसरे पहलू पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं, क्या ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दौड़ में कहीं भारत कीखाद्य सुरक्षा और आम उपभोक्ता की रसोई तो महंगी नहीं हो रही? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत जैसा विशाल और घनी आबादी वाला देश खाद्य पदार्थों की उपलब्धता के मामले में किसी भी प्रकार का जोखिम लंबे समय तक वहन नहीं कर सकता।ऊर्जा और भोजन दोनों आवश्यकताएं हैं, लेकिन प्राथमिकता के स्तर पर भोजन जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है।यदि किसी नीति के कारण ईंधन सस्ता, आयात बिल कम और पर्यावरणीय लाभ बेहतर होते हैं,लेकिन उसी प्रक्रिया में रोजमर्रा की खाद्य सामग्री महंगी होने लगती है, तो नीति की सफलता को केवल ऊर्जा के आंकड़ों से नहीं मापा जा सकता। उसे किसान,उद्योग, उपभोक्ता,महंगाई और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा,सभी कसौटियों पर परखना होगा। आज चीनी का बाजार इसी बहुआयामी परीक्षा के सामने खड़ा दिखाई दे रहा है। साथियों,अगस्त 2026 इस चिंता को और गंभीर बनाता हैं। चीनी की कीमतें पिछले महीनों में तेजी से बढ़ी हैं और सरकार को घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए असाधारण कदम उठाने पड़े हैं। 20 अगस्त को केंद्र ने एक दशक में पहली बार 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी,जिसका उद्देश्य घरेलू उपलब्धता बढ़ाकर कीमतों पर दबाव कम करना है। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो महीनों में घरेलू चीनी कीमतों में लगभग 40 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।सरकार ने इससे पहले निर्यात पर रोक और स्टॉक-सीमा जैसे कदम भी उठाए थे।इसका अर्थ स्पष्ट है कि समस्या केवल किसी एक व्यापारी,किसी एक राज्य या किसी एक दिन की कीमत वृद्धि नहीं है; देश के चीनी आपूर्ति तंत्र में वास्तविक दबाव पैदा हुआ है।मेरी अपनी राइस सिटी गोंदिया में पिछले लगभग 20 दिनों से चीनी के खुदरा भाव पर नजर रखने के दौरान शुक्रवार 21 अगस्त 2026 को लगभग 70 रुपये प्रति किलोग्राम का भाव बताया गया। यदि यह स्थानीय खुदरा बाजार का वास्तविक लेन-देन मूल्य है, तो लगभग 20 दिनों में 45 रुपये के आसपास के स्तर से 70 रुपये तक पहुंचना करीब 25 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि है। इसे राष्ट्रीय औसत मानना उचित नहीं होगा,क्योंकि अलग-अलग शहरों में थोक, खुदरा, ब्रांड, गुणवत्ता, परिवहन और स्थानीय आपूर्ति के कारण कीमतें अलग हो सकती हैं।फिर भी गोंदिया का यह अनुभव उस राष्ट्रीय मूल्य-दबाव की स्थानीय तस्वीर अवश्य प्रस्तुत करता है जिसकी पुष्टि राष्ट्रीय बाजार में तेजी से भी होती है। मुंबई में भी हाल में चीनी के भाव में एक सप्ताह में लगभग 8 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि दर्ज की गई। यह अकेले ई-20 की कीमत नहीं है; इसमें उत्पादन की कमी, मौसम, कम शुरुआती स्टॉक, त्योहारी मांग, व्यापारिक अपेक्षाएं, परिवहन, स्थानीय मार्जिन और संभव जमाखोरी जैसे कई तत्व शामिल हो सकते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भी उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि संकट बहु-कारकीय है। सरकार का 10 लाख टन शुल्क- मुक्त आयात का निर्णय इस बात का प्रमाण है कि घरेलू आपूर्ति बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता महसूस हुई है। इसलिए गोंदिया में 70 रुपये का भाव यदि लगातार कई दुकानों और अलग-अलग लेन-देन में मिल रहा है, तो इसे स्थानीय आपूर्ति-श्रृंखला में असामान्य तनाव का सटीकता से संकेत माना जाना चाहिए। साथियों,सबसे पहले भारत का चीनी नियामक ढांचा भी इस संकट को समझने में महत्वपूर्ण है। चीनी और गन्ना एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट,1955 के दायरे में आते हैं। डिपार्टमेंट ऑफ फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन के अनुसार शुगरकेन (कंट्रोल) आर्डर ,1966 के तहत सरकार गन्ने के एफआरपी सहित कई पहलुओं को नियंत्रित करती है, जबकि शुगर (कंट्रोल) आर्डर 2025 उत्पादन, बिक्री, स्टॉक, आयात -निर्यात और न्यूनतम बिक्री मूल्य जैसे विषयों पर सरकार को नियामक शक्तियां देता है।इसलिए चीनी को पूरी तरह मुक्त बाजार की वस्तु समझना सही नहीं होगा। यह ऐसा क्षेत्र है जहां सरकार किसान, मिल, व्यापारी और उपभोक्ता के बीच संतुलन बनाने के लिए लगातार हस्तक्षेप करती है।यही कारण है कि चीनी की कीमत बढ़ने का असर केवल उपभोक्ता की चाय तक सीमित नहीं रहता।मिठाई उद्योग, बिस्कुट, बेकरी,शीतल पेय,आइसक्रीम होटल- रेस्तरां और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की लागत बढ़ती है। अंततः इसका कुछ हिस्सा उपभोक्ता तक पहुंचता है और व्यापक खाद्य महंगाई को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर, यदि चीनी की कीमत बहुत कम रखी जाती है तो मिलों की नकदी स्थिति कमजोर हो सकती है और किसानों के गन्ना भुगतान में देरी हो सकती है। इसलिए सरकार के सामने चुनौती चीनी सस्ती करो जितनी सरल नहीं है;उसे किसान को उचित मूल्य, मिल को आर्थिक स्थिरता और उपभोक्ता को वहनीय कीमत,तीनों उपलब्ध कराने हैं। साथियों, इस परिस्थिति को केवल एथेनॉल बनाम चीन के सरल समीकरण से समझना अधूरा होगा।वास्तव में भारतीय चीनी अर्थव्यवस्था गन्ना, चीनी, शीरा, एथेनॉल, किसान भुगतान, मिलों की नकदी स्थिति, सरकारी कोटा, निर्यात-आयात, मौसम और त्योहारों की मांग—इन सभी के बीच बनी एक जटिल आर्थिक श्रृंखला है। एथेनॉल इस श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा अवश्य है, लेकिन वही अकेला कारण नहीं है। यही इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष है।गन्ने से चीनी और एथेनॉल बनने की प्रक्रिया को समझना यहां जरूरी है। गन्ने से चीनी बनाने के बाद अलग-अलग प्रकार के शीरे प्राप्त होते हैं।सी-हैवी मोलासेज मुख्यतः चीनी निर्माण की अंतिम अवस्था का उप-उत्पाद है, जबकि बी - हैवी मोलासेज में अधिक सुक्रोज रहता है। सरकार ने एथेनॉल उत्पादन बढ़ाने के लिए बी - हैवी मोलासेज , गन्ने के रस, सिरप और यहां तक कि चीनी-आधारित फीडस्टॉक से एथेनॉल उत्पादन की अनुमति दी है। आधिकारिक नीति के अनुसार 2024-25 में गन्ने के रस/चीनी/शुगर सिरप से बने एथेनॉल का एक्स-मिल मूल्य 65.61 रुपये प्रति लीटर और बी - हैवी मोलासेज आधारित एथेनॉल का 60.73 रुपये प्रति लीटर निर्धारित था। इससे मिलों के लिए एथेनॉल एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक राजस्व स्रोत बन गया।यहीं फूड बनाम फ्यूल का प्रश्न सटीकता से वास्तविक रूप लेता है। साथियों, 21 अगस्त 2026 को यहीं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा उठाया गया राजनीतिक आरोप बहस को और तीखा बनाता है। उन्होंने केंद्र की ई-20 नीति को चीनी की कीमतों में तेजी से जोड़ते हुए दावा किया कि एथेनॉल के लिए गन्ने और चीनी की दिशा बदलने से बाजार में कमी पैदा हुई। उनके आरोप को राजनीतिक बयान के रूप में अलग रखा जा सकता है,लेकिन जिस मूल आर्थिक प्रश्न की ओर वे संकेत करते हैं,यानी वैकल्पिक उपयोग के कारण किसी वस्तु की घरेलू उपलब्धता पर दबाव उसे आंकड़ों के आधार पर जांचना आवश्यक है।दूसरी ओर, सरकार की नीति का मूल उद्देश्य भी केवल पेट्रोल में एथेनॉल मिलाना नहीं था; इसका एक उद्देश्य चीनी उद्योग में अतिरिक्त स्टॉक, मिलों की नकदी समस्या और किसानों के बकाये का समाधान करना भी रहा है। सरकार ने 2021 में स्पष्ट किया था कि एथेनॉल के लिए डायवर्ट की गई मात्रा को चीनी मिलों के मासिक रिलीज कोटा में प्रोत्साहन दिया जाएगा।इसलिए आज की महंगाई के लिए केवल ई -20 को विलेन घोषित करना आर्थिक रूप से उतना ही सरलीकरण होगाजितना उसे पूरी तरह निर्दोष मान लेना।वास्तविकता कई कारणों का संगम है।पहला बड़ा कारण उत्पादन में कमजोरी है।मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र,कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख गन्ना क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम ने उत्पादन और उपलब्धता पर दबाव डाला है।इसके परिणाम स्वरूप अक्टूबर 2026 की शुरुआत में चीनी का शुरुआती स्टॉक लगभग 35 लाख टन तक गिरने का अनुमान लगाया गया है, जिसे करीब तीन दशकों का निम्न स्तर बताया गया है।जब शुरुआती स्टॉक कमजोर हो, तब मामूली मांग वृद्धि भी कीमतों पर असाधारण प्रभाव डाल सकती है। साथियों दूसरा कारण है त्योहारी मांग।भारत में रक्षाबंधन से लेकर गणेश चतुर्थी, दशहरा और दीपावली तक मिठाई, बेकरी, पेय पदार्थ, धार्मिक प्रसाद और घरेलू उपभोग में चीनी की मांग बढ़ती है। अगस्त से नवंबर का समय इसलिए चीनी बाजार के लिए संवेदनशील है। सरकार ने भी इसी कारण थोकउपभोक्ताओं की स्टॉक सीमा को 30 दिनों से घटाकर 15 दिनों तक करने का निर्णय लिया है, ताकि बड़े खरीदार अत्यधिक स्टॉक जमा करके बाजार में कृत्रिम कमी न पैदा करें। यह कदम इस बात का संकेत है कि सरकार स्वयं मांग, आपूर्ति और जमाखोरी के संयुक्त दबाव को गंभीर मान रही है।तीसरा कारण है व्यापारिक मनोविज्ञान। जब बाजार में यह धारणा बन जाती है कि आने वाले दिनों में चीनी और महंगी होगी, तो व्यापारी सामान्य आवश्यकता से अधिक खरीद सकते हैं। उपभोक्ता भी भविष्य की कीमतों से डरकर अग्रिम खरीदारी कर सकते हैं। इस तरह वास्तविक कमी से अधिक 'कमी की आशंका' कीमत बढ़ा सकती है। सरकार ने 28 जुलाई 2026 को चीनी डीलरों पर स्टॉक- होल्डिंग सीमा लागू करते हुए स्पष्ट किया था कि हाल की एक्स-मिल कीमत वृद्धि मौजूदा मांग-आपूर्ति फंडामेंटल्स से पूरी तरह समर्थित नहीं थी और इसका उद्देश्य जमाखोरी तथा सट्टेबाजी पर रोक लगाना था। इसलिए बिचौलियों और जमाखोरों की भूमिका की सटीकता से जांच भी उतनी ही जरूरी है जितनी एथेनॉल नीति की। साथियों,चौथा कारण है पूर्ववर्ती व्यापार नीति।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

पंजाब में बदलता सियासी समीकरण-अकेले चुनावी मैदान में भाजपा, आप सरकार के कामकाज पर उठ रहे सवाल

पंजाब की राजनीति विधानसभा चुनाव से कई महीने पहले ही नए मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है। भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के बीच गठबंधन की अटकलों ने राज्य के राजनीतिक समीकरणों को गर्म कर दिया है, लेकिन फिलहाल भाजपा की पंजाब इकाई अपने दम पर चुनाव लड़ने के पक्ष में स्पष्ट रूप से खड़ी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के स्तर से सभी 117 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की बात कही जा चुकी है। ऐसे में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या भाजपा वास्तव में अकेले मैदान में उतरेगी या सीटों के बंटवारे पर सहमति बनने की स्थिति में पुराने सहयोगी अकाली दल के साथ फिर खड़ी होगी। भाजपा और अकाली दल के बीच नजदीकी की चर्चा अचानक नहीं शुरू हुई। अगस्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की मुलाकात के बाद इन अटकलों को और बल मिला। इसके बाद अकाली दल का केंद्र के कुछ महत्वपूर्ण प्रस्तावों के समर्थन में आना भी राजनीतिक संकेत के रूप में देखा गया। दोनों दल लंबे समय तक पंजाब में साथ रहे हैं। वर्ष 2020 में कृषि कानूनों के मुद्दे पर यह गठबंधन टूट गया था, लेकिन अब 2027 के चुनाव को देखते हुए दोनों पक्षों के बीच संभावित पुनर्मिलन की चर्चा फिर तेज है। लेकिन गठबंधन की राह में सबसे बड़ी बाधा सीटों का बंटवारा है। अकाली दल पुराने फार्मूले को आधार बनाना चाहता है, जबकि भाजपा अब पहले की तुलना में कहीं अधिक सीटों पर अपना दावा देख रही है। भाजपा का संगठन पंजाब में पिछले कुछ वर्षों में बढ़ा है और पार्टी का मानना है कि अब उसे सहयोगी की छोटी भूमिका में सीमित करना उसके राजनीतिक विस्तार के खिलाफ होगा। यही कारण है कि प्रदेश इकाई लगातार 117 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी का संदेश दे रही है। भाजपा के लिए यह केवल चुनाव लड़ने का सवाल नहीं, बल्कि पंजाब में अपने स्वतंत्र राजनीतिक आधार को स्थापित करने की कोशिश भी है। पंजाब में भाजपा और अकाली दल के सामाजिक आधार भी अलग-अलग क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। भाजपा का प्रभाव मुख्य रूप से शहरी और व्यापारिक वर्गों में माना जाता है, जबकि अकाली दल की पारंपरिक पकड़ ग्रामीण पंजाब और सिख मतदाताओं के एक हिस्से में रही है। दोनों का गठजोड़ होने पर यह सामाजिक और भौगोलिक समीकरण एक-दूसरे का पूरक बन सकता है। दूसरी ओर, भाजपा का मानना है कि अकेले चुनाव लड़ने से उसे अपने संगठन और विस्तार की वास्तविक ताकत का आकलन करने का अवसर मिलेगा। इस राजनीतिक खींचतान के बीच सबसे बड़ा सवाल भगवंत मान सरकार के प्रदर्शन का है। वर्ष 2022 में आम आदमी पार्टी ने पंजाब में कांग्रेस और अकाली दल के लंबे शासन से नाराज मतदाताओं को बदलाव का सपना दिखाकर भारी बहुमत हासिल किया था। अब सरकार अपने कार्यकाल के अंतिम चरण में है और चुनावी मुकाबला धीरे-धीरे सरकार के कामकाज के मूल्यांकन की तरफ बढ़ रहा है। कानून-व्यवस्था पंजाब में सरकार के सामने सबसे गंभीर राजनीतिक चुनौतियों में से एक बनी हुई है। गैंग हिंसा, लक्षित हत्याओं और अपराध की घटनाओं को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है। जनवरी 2026 में कानून-व्यवस्था को लेकर बढ़ती आलोचना के बीच पुलिस के शीर्ष स्तर पर बदलाव की चर्चा भी सामने आई थी। फरवरी में एक के बाद एक स्थानीय नेताओं की हत्या ने इस मुद्दे को और राजनीतिक बना दिया। जुलाई में भी पुलिस की कमी और कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्षी नेताओं ने सवाल उठाए। नशे का मुद्दा भी पंजाब की राजनीति के केंद्र में बना हुआ है। सरकार ने युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान चलाया है और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अगस्त में दावा किया कि अभियान के 500 दिनों में 70 हजार से अधिक नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। सरकार का कहना है कि सीमा पार से होने वाली तस्करी रोकने, पुलिस व्यवस्था मजबूत करने और नशे के खिलाफ कार्रवाई तेज करने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके बावजूद विपक्ष का तर्क है कि केवल गिरफ्तारियों के आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं; चुनावी राजनीति में असली सवाल यह होगा कि आम परिवारों को नशे की समस्या से वास्तविक राहत कितनी मिली। पंजाब में अलगाववाद और खालिस्तान से जुड़ी गतिविधियों की चिंता भी सुरक्षा और राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनी हुई है। सीमा से लगे राज्य के रूप में पंजाब के सामने नशा तस्करी, हथियारों की तस्करी, संगठित अपराध और सीमा पार नेटवर्क जैसी चुनौतियां हैं। ऐसे मामलों में सरकार के लिए सबसे बड़ी कसौटी यही है कि कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द को मजबूत रखा जाए और अलगाववादी विचारों को राजनीतिक या सामाजिक अस्थिरता का आधार न बनने दिया जाए। इसे किसी पूरे समुदाय से जोड़कर देखने के बजाय सुरक्षा और कानून के दायरे में देखना अधिक उचित होगा। विकास के मोर्चे पर तस्वीर पूरी तरह नकारात्मक भी नहीं है। भगवंत मान सरकार ने सड़कों, स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण बुनियादी ढांचे से जुड़े कई कामों और परियोजनाओं का दावा किया है। मार्च में सरकार ने करीब 497 किलोमीटर लंबी 237 ग्रामीण संपर्क सड़कों के नवीनीकरण की परियोजनाओं की शुरुआत की थी। होशियारपुर में स्वास्थ्य और सड़क ढांचे से जुड़े 516 करोड़ रुपए के विकास पैकेज की घोषणा हुई। फगवाड़ा में भी 18.57 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा की गई। निवेश के स्तर पर भी सरकार अपनी उपलब्धियां गिनाती रही है। 2026 के प्रोग्रेसिव पंजाब इन्वेस्टर्स समिट के लिए सरकार ने करीब 27,294 करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश वाली 30 परियोजनाओं को सामने रखा था, जिनसे 47 हजार से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना बताई गई। सरकार के बजट में भी कृषि, मुफ्त बिजली, पुलिस आधुनिकीकरण और स्थानीय बुनियादी ढांचे पर खर्च का प्रावधान है। हालांकि, चुनाव के समय जनता घोषणाओं से अधिक उनके जमीन पर दिखाई देने वाले परिणामों को महत्व देगी। सरकार की आलोचना का एक और मुद्दा प्रचार-प्रसार पर खर्च है। आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार 2017 से मार्च 2025 तक पंजाब सरकार ने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विज्ञापनों पर कुल 1,534 करोड़ रुपए खर्च किए। इनमें 2022 से मार्च 2025 के बीच आप सरकार के कार्यकाल में प्रिंट मीडिया पर 317.17 करोड़ रुपए खर्च होने की जानकारी सामने आई। विपक्ष इसे सरकारी उपलब्धियों के प्रचार पर जरूरत से ज्यादा खर्च बताता है, जबकि सरकार के लिए विज्ञापन योजनाओं और नीतियों को जनता तक पहुंचाने का माध्यम हैं। पंजाब की अर्थव्यवस्था और कर्ज का दबाव भी चुनावी बहस का महत्वपूर्ण विषय रहेगा। 2026-27 के बजट में राज्य का राजस्व घाटा 21,955 करोड़ रुपए यानी सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 2.2 प्रतिशत अनुमानित किया गया है। ऐसे में सरकार के सामने एक तरफ कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने और दूसरी तरफ राजस्व तथा विकास खर्च के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। कांग्रेस के लिए स्थिति इससे अलग चुनौतीपूर्ण है। विधानसभा में वह मुख्य विपक्षी दल है, लेकिन संगठनात्मक खींचतान और नेतृत्व को लेकर मतभेद लगातार सामने आते रहे हैं। हाल में पंजाब कांग्रेस में एक परिवार, एक टिकट जैसे मुद्दे पर भी नेताओं के बीच मतभेद सामने आया। यदि कांग्रेस इन अंदरूनी विवादों को समय रहते नियंत्रित नहीं कर पाती तो वह आप विरोधी मतों को अपने पक्ष में समेटने की स्थिति में कमजोर पड़ सकती है। ऐसे माहौल में 2027 का पंजाब चुनाव त्रिकोणीय से अधिक बहुकोणीय मुकाबले का रूप ले सकता है। आम आदमी पार्टी सत्ता बचाने की कोशिश करेगी, कांग्रेस वापसी का रास्ता तलाशेगी, अकाली दल अपना पुराना आधार फिर मजबूत करने में जुटा है और भाजपा पहली बार राज्य की सभी सीटों पर अपने दम पर व्यापक विस्तार की कोशिश कर रही है। भाजपा अकेले मैदान में उतरकर यदि अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन करती है तो पंजाब की राजनीति में उसका वजन तेजी से बढ़ सकता है और आप के लिए मुकाबला निश्चित रूप से कठिन हो जाएगा।

फिलहाल सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि भाजपा और अकाली दल फिर साथ आएंगे या नहीं, बल्कि यह है कि यदि आएंगे तो किस कीमत पर। सीटों का फार्मूला ही इस रिश्ते की असली परीक्षा है। भाजपा पुरानी 23 सीटों वाली भूमिका में लौटने के लिए तैयार दिखाई नहीं देती और अकाली दल भी अपने पारंपरिक प्रभाव वाले क्षेत्र आसानी से छोड़ना नहीं चाहेगा। इसलिए दोनों दलों के बीच बातचीत हुई भी तो उसका केंद्र सीटों का गणित ही रहेगा। पंजाब में इस समय जनता के सामने भी कई सवाल हैं।कानून-व्यवस्था कितनी मजबूत हुई, नशे की समस्या पर कितना नियंत्रण हुआ, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर कितने बढ़े, खेती और उद्योग को कितनी मजबूती मिली और विकास परियोजनाओं का लाभ गांवों तक कितना पहुंचा। सरकार अपनी उपलब्धियां गिना रही है, विपक्ष उसकी कमियां गिना रहा है और भाजपा अपने स्वतंत्र विस्तार की जमीन तैयार कर रही है। ऐसे में 2027 का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं होगा, बल्कि यह पंजाब के राजनीतिक आधार को नए सिरे से तय करने वाला चुनाव भी बन सकता है। अगर भाजपा अकेले लड़कर मजबूत प्रदर्शन करती है तो आम आदमी पार्टी के सामने सत्ता बचाने की चुनौती काफी कठिन हो सकती है। कांग्रेस की वापसी फिलहाल आसान नहीं दिखती, लेकिन पंजाब की राजनीति में चुनावी माहौल तेजी से बदलता है। इसलिए अंतिम तस्वीर सीटों के बंटवारे, उम्मीदवारों, स्थानीय समीकरणों और जनता के सरकार के कामकाज पर अंतिम फैसले से ही तय होगी।

-कांतिलाल मांडोत

दिमागी नक्सली की बहस और लाल किले से निकले शब्दों की चुभन

-सौरभ वार्ष्णेय

लोकतंत्र में शब्दों की अपनी शक्ति होती है। शब्द कभी भरोसा पैदा करते हैं, कभी चेतावनी देते हैं, कभी उम्मीद जगाते हैं और कभी राजनीतिक बहस को इतना तीखा बना देते हैं कि उनके अर्थ से अधिक उनके इस्तेमाल पर चर्चा होने लगती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2026 को लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में देश की आंतरिक चुनौतियों, राष्ट्रविरोधी सोच, विकास और राष्ट्रीय एकता से जुड़े कई मुद्दे उठाए। इसी क्रम में यदि उन्होंने दिमागी नक्सली जैसे शब्द का इस्तेमाल किया, तो यह स्वाभाविक है कि उस पर राजनीतिक और सामाजिक बहस हो। प्रश्न यह है कि आखिर दिमागी नक्सली से तात्पर्य क्या है और लाल किले जैसे सर्वोच्च राष्ट्रीय मंच से निकला यह शब्द विरोधियों को क्यों चुभ रहा है? सबसे पहले यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि दिमागी नक्सली कोई सामान्य कानूनी या संवैधानिक श्रेणी नहीं है। इसे मुख्यतः राजनीतिक और वैचारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द माना जा सकता है। सामान्य अर्थ में इसका प्रयोग उन लोगों के लिए किया जाता है जिन पर आरोप लगाया जाता है कि वे हिंसक नक्सली विचारधारा, राज्य-विरोधी सोच या लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास को वैचारिक स्तर पर बढ़ावा देते हैं, भले ही वे स्वयं हथियार उठाकर हिंसा में शामिल न हों।लेकिन यहीं से असली बहस शुरू होती है। किसी व्यक्ति की सरकार से असहमति, किसी नीति का विरोध, किसी आंदोलन का समर्थन अथवा सत्ता की आलोचना को सीधे दिमागी नक्सलवाद कह देना लोकतांत्रिक विमर्श के लिए उचित नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना देशद्रोह नहीं है और विपक्षी विचार रखना राष्ट्रविरोध नहीं है। दूसरी ओर, यदि कोई व्यक्ति या संगठन वास्तव में हिंसा, अलगाववाद, संवैधानिक व्यवस्था को हिंसक तरीके से गिराने या प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के समर्थन में सक्रिय है, तो उसकी विचारधारा पर गंभीर प्रश्न उठना भी स्वाभाविक है। यानी फर्क करना जरूरी है—असहमति और हिंसक विचारधारा में, आलोचना और राष्ट्रविरोध में, विपक्ष और उग्रवाद में। लाल किले की प्राचीर केवल भाषण देने का मंच नहीं है। यह भारत की स्वतंत्रता, संविधान, लोकतंत्र और करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। इसलिए वहां से प्रधानमंत्री के मुख से निकला प्रत्येक शब्द राजनीतिक बयान से कहीं अधिक महत्व रखता है। जनता उसके शब्दों में सरकार की दिशा और भविष्य की प्राथमिकताओं का संकेत खोजती है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री द्वारा इस्तेमाल किए गए किसी भी तीखे या असामान्य शब्द पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो जाती हैं। विरोधियों को दिमागी नक्सली शब्द चुभने का एक बड़ा कारण यह हो सकता है कि राजनीतिक दलों और विचारधाराओं के बीच पहले से ही अविश्वास की खाई गहरी है। जब सत्ता पक्ष किसी विचारधारा या समूह पर गंभीर आरोप लगाने वाली भाषा का इस्तेमाल करता है, तो विपक्ष को आशंका होती है कि कहीं असहमति की व्यापक श्रेणी को ही राष्ट्रविरोध के दायरे में तो नहीं लाया जा रहा। यही आशंका राजनीतिक विवाद को जन्म देती है। लेकिन इस बहस का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। भारत ने दशकों तक नक्सल हिंसा की चुनौती झेली है। जंगलों और आदिवासी क्षेत्रों में हिंसा, सुरक्षा बलों पर हमले, विकास कार्यों में बाधा और निर्दोष नागरिकों की मौत ने अनेक परिवारों को प्रभावित किया। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई केवल बंदूक से नहीं लड़ी जा सकती। इसके लिए विकास, शिक्षा, रोजगार, प्रशासनिक पहुंच, न्याय और स्थानीय लोगों का विश्वास भी आवश्यक है। यहीं दिमागी नक्सलवादजैसी अवधारणा पर गंभीर विमर्श की जरूरत पड़ती है। यदि किसी हिंसक विचारधारा का प्रभाव समाज में वैचारिक स्तर पर फैलता है, तो उसका मुकाबला लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों के माध्यम से किया जाना चाहिए। लेकिन इस काम में सबसे बड़ा हथियार तर्क और संवाद होना चाहिए, लेबल नहीं। भारत की ताकत ही उसकी विविधता है। यहां वामपंथी विचार भी हैं, दक्षिणपंथी विचार भी हैं, समाजवादी विचार भी हैं, उदारवादी विचार भी हैं और अनेक क्षेत्रीय राजनीतिक धाराएं भी हैं। इनमें से हर विचार से सहमत होना संभव नहीं, लेकिन हर असहमति को देशविरोधी बताना लोकतांत्रिक परंपरा को कमजोर कर सकता है। वास्तविक चुनौती यह है कि देश विरोधी हिंसक गतिविधियों और लोकतांत्रिक असहमति के बीच स्पष्ट रेखा कैसे खींची जाए। यदि यह रेखा धुंधली होती है तो राजनीतिक शब्दावली समाज को बांट सकती है। यदि यह रेखा स्पष्ट रहती है तो सुरक्षा और लोकतंत्र दोनों मजबूत होते हैं। प्रधानमंत्री के भाषणों की एक विशेषता यह रही है कि वे अक्सर राजनीतिक संदेश के साथ सामाजिक और राष्ट्रीय अभियान का आह्वान भी करते हैं। लाल किले से दिए गए भाषण का महत्व इसी कारण बढ़ जाता है। यह अवसर केवल सरकार की उपलब्धियां गिनाने का नहीं, बल्कि देश के सामने मौजूद चुनौतियों को व्यापक राष्ट्रीय दृष्टिकोण से रखने का भी होता है।इसलिए प्रधानमंत्री के किसी कथन को केवल राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय उसके व्यापक संदर्भ को समझना चाहिए। यदि दिमागी नक्सली शब्द का उद्देश्य हिंसक विचारधारा के वैचारिक समर्थकों की ओर संकेत करना है, तो सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि उसकी परिभाषा क्या है। कौन व्यक्ति या कौन-सी गतिविधि इस श्रेणी में आती है? क्या केवल सरकार की आलोचना करने वाला व्यक्ति भी इसके अंतर्गत आएगा? क्या किसी नीति का विरोध करने वाला नागरिक भी इसमें शामिल होगा? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर लोकतांत्रिक समाज में बेहद जरूरी हैं। क्योंकि शब्द जितना बड़ा मंच पाता है, उसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होती है। विपक्ष की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। यदि सरकार किसी गंभीर आंतरिक सुरक्षा चुनौती की ओर ध्यान आकर्षित करती है, तो हर बात को केवल राजनीतिक हमला बताकर खारिज कर देना भी उचित नहीं। भारत में नक्सली हिंसा की वास्तविकता रही है और देश ने इसकी कीमत चुकाई है। इसलिए यदि सरकार वैचारिक स्तर पर हिंसक उग्रवाद के विस्तार की बात करती है तो विपक्ष को तथ्यों के आधार पर जवाब देना चाहिए।लेकिन विपक्ष को यह सुनिश्चित करने का अधिकार भी है कि लोकतांत्रिक असहमति को अपराध या राष्ट्रविरोध का पर्याय न बनाया जाए। संसद, न्यायपालिका, मीडिया, विश्वविद्यालय और नागरिक समाज लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। इन संस्थाओं में सरकार की आलोचना लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है।आज सोशल मीडिया ने इस बहस को और जटिल बना दिया है। कोई भी शब्द कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। संदर्भ हटाकर केवल एक वाक्य या एक शब्द वायरल हो सकता है। इससे राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ता है और गंभीर विषय नारेबाजी में बदल जाते हैं। दिमागी नक्सली भी ऐसा ही शब्द है जिसे संदर्भ से काटकर इस्तेमाल करने पर भ्रम पैदा हो सकता है।जरूरत इस बात की है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर कठोरता हो, लेकिन लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रश्न पर संवेदनशीलता भी बनी रहे। सरकार को हिंसा और उग्रवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन कार्रवाई कानून के दायरे में होनी चाहिए। विपक्ष को सरकार की नीतियों पर तीखी आलोचना करनी चाहिए, लेकिन आलोचना तथ्य और तर्क पर आधारित होनी चाहिए।लाल किले की प्राचीर से निकले शब्दों की असली परीक्षा यही है कि वे देश को जोड़ते हैं या राजनीतिक खेमों के बीच दूरी बढ़ाते हैं। प्रधानमंत्री का पद दलगत राजनीति से ऊपर राष्ट्रीय नेतृत्व की अपेक्षा रखता है। उसी प्रकार विपक्ष की भूमिका भी केवल विरोध करने की नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करने की है।आज भारत को ऐसे राजनीतिक विमर्श की आवश्यकता है जिसमें राष्ट्रहित और लोकतांत्रिक असहमति एक-दूसरे के विरोधी न माने जाएं। देश की सुरक्षा भी जरूरी है और नागरिक स्वतंत्रता भी।

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। एजेंसी। उत्पादन में कमी के मद्देनजर आलौच्य सप्ताह के दौरान किराना जिंसों में शक्कर बाजार उछाल पर रहे। खोपरे गोले में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में छुटपुट लेवाली के बीच भावों में तेजी बनी। तिलहनों में सोयाबीन सुस्त रहा। दलहनों में चना मजबूत बना रहा।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा अच्छी रही। रक्षाबंधन पूर्व की माँग बाजार में जारी रही। शक्कर में उत्पादन कमी व त्यौहारी माँग के चलते बाजार रिकार्ड स्तर पर पहुंच गये। सप्ताह के दौरान शक्कर बाजार 7500-7600 रू. क्विंटल तक पहुंचने के बाद सरकारी कदमों से बाजार की तेजी अटकी और शक्कर घटकर 6450-6600 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। खोपरा गोला 360-420 रू. प्रति किलो की रेंज में बना रहा। कालीमिर्च एटम क्वालिटी मालों में 775-785 रू. प्रति किलो पर आ गयी। सूखे मेवों में व्यापार अच्छा रहा। बादाम मगज में बाजार 975-1015 रू. प्रति किलो को छू गये। काजू में बाजार 940-960 रू. प्रति किलो के रहे। नारियलों में राखी की पूछपरख से बाजार में तेजी बनी हुई है। नारियल (120) भारती मालों में बाजार 3400 रू. प्रति थैले पर आ गयी। अन्य किराना जिंसों में भाव बने रहे।

तेल तिलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में बाजार आंशिक मजबूती के रहे। बाजार सूत्रों का मानना है कि खाद्य तेलों में अब खपत का सीजन है। सोयाबीन की बुवाई के आंकड़े अच्छे है, किंतु कुछ सोयाबीन उत्पादक क्षेत्रों में पानी की खेंच से खाद्य तेलों में लम्बी मंदी के समीकरण नहीं है। आलौच्य सप्ताह के दौरान सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1730-1750 रू. प्रति 10 किलो पर आ गया। वहीं, सोया व कपास्या तेलों में 10-20 रू. प्रति 10 किलो की तेजी आयी और सोया तेल रिफाइंड मालों में बाजार 1470-1475 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। तिलहनों में सोयाबीन 6000 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर रहे। सरसो व रायडा में मजबूती बनी रही।

दाल दलहन- आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल दलहनों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। चने में पूछपरख से बाजार 50-100 रू. प्रति क्विटल से बड़कर 6600-6650 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। तुअर में छुटपुट माँग के चलते बाजार 6500-7500 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। उड़द में लेवाली से बाजार 9100-9200 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूती पर देखे गये। मूंग व मसूर में बाजार पूर्व स्तर पर बने रहे।

त्योहारों से पहले खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव-सस्ते आयातित मजबूत, महंगे देसी नरम

नई दिल्ली। एजेंसी। आगामी त्योहारों के मद्देनजर बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। देशी तेलों के मुकाबले 20-24 रुपए प्रति किलो सस्ता होने के कारण सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन जैसे आयातित खाद्य तेलों के दाम मजबूत हुए। वहीं ऊंचे दाम के चलते घरेलू सरसों तेल-तिलहन और सोयाबीन तिलहन में गिरावट दर्ज की गई। बाजार सूत्रों के अनुसार देशी तेलों की तुलना में सस्ता होने से आगामी त्योहारों में मांग बढ़ने के कारण आयातित सोयाबीन तेल, सीपीओ और पामोलीन के दाम मजबूत रहे। विदेश में मजबूती के बावजूद आयातक इन्हें लागत से नीचे बेच रहे हैं, जिससे इनकी औद्योगिक मांग बढ़ी है। दूसरी ओर ऊंचे दाम के चलते लिवाली प्रभावित रहने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मामूली रूप से गिरे। सोयाबीन संयंत्रों द्वारा खरीद मूल्य घटाए जाने से सोयाबीन तिलहन में भी गिरावट आई। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम ऊंचे भाव पर कमजोर मांग के बीच स्थिर बने रहे। बिनौला तेल की उपलब्धता कम होने और ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग बढ़ने से इसके दाम में सुधार देखा गया। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये की गिरावट के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सरसों तेल दादरी 50 रुपये की गिरावट के साथ 16,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमश- 5-5 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 2,720-2,820 रुपये और 2,720-2,870 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 125-125 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 6,775-6,825 रुपये और 6,625-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ दूसरी ओर, दिल्ली में सोयाबीन तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये के सुधार के साथ 12,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम भी 250 रुपये के सुधार के साथ 13,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 275 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 275 रुपये के सुधार के साथ 14,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग बढ़ने और उपलब्धता कम रहने के बीच बिनौला तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 17,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

कच्चे तेल में उछाल, भारत में ईंधन की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, ब्रेंट क्रूड रविवार को 0.65 फीसदी की तेजी के साथ 94.39 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। हालांकि, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में फिलहाल कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। राजधानी दिल्ली में रविवार को पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है। नोएडा में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.56 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। गुरुग्राम में पेट्रोल 102.97 रुपये और डीजल 95.64 रुपये प्रति लीटर पर है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पेट्रोल 114.57 रुपये और डीजल 99.64 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। बिहार के पटना में पेट्रोल 113.37 रुपये और डीजल 99.36 रुपये प्रति लीटर है। झारखंड की राजधानी रांची में डीजल 100 रुपये का आंकड़ा पार करते हुए 100.49 रुपये पर बना हुआ है, जबकि पेट्रोल 105.26 रुपये प्रति लीटर है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 101.89 रुपये और डीजल 95.36 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। राजस्थान के जयपुर में पेट्रोल 112.69 रुपये और डीजल 97.78 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है।

वैश्विक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई। एजेंसी। पिछले सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में गिरावट झेलने के बाद भारतीय शेयर बाजार आगामी सप्ताह में वैश्विक कारकों से प्रभावित रहेगा। निवेशकों की नजर खास तौर पर पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी। ईरान और अमेरिका के बीच 60 दिन की अस्थायी युद्ध विराम अवधि समाप्त होने और कोई नया समझौता न होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम एक बार फिर 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गए हैं। आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिल सकता है। बाजार की चाल मुख्यत: वैश्विक संकेतों, पश्चिम एशिया के तनाव,

कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड पर निर्भर करेगी। ईरान-अमेरिका संघर्ष और पश्चिम एशिया में अनिश्चितता वैश्विक बाजारों को प्रभावित करेगी। ब्रेंट क्रूड की ऊंची कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजार पर दबाव बना रही हैं। अमेरिकी बाजारों का मिला-जुला रुख और बॉन्ड यील्ड में उतार-चढ़ाव निवेशकों को सतर्क रखेंगे। चुनिंदा मिडकैप, स्मॉलकैप, डिफेंस या बैंकिंग शेयरों में खरीदारी का रुझान दिख सकता है। निफ्टी और सेंसेक्स के एक निश्चित दायरे में रहने की उम्मीद है, इसलिए आक्रामक लॉन्ग पोजीशन लेते समय स्टॉप-लॉस का कड़ाई से पालन करें। ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली की संभावना है, अत: केवल गुणवत्ता वाले शेयरों में ही निवेश करें।

एफएसएसएआई का शिकंजा, फूड दिग्गजों से ई-कॉमर्स, रेस्टोरेंट तक निशाने पर

नई दिल्ली। एजेंसी। देश के खाद्य सुरक्षा नियामक एफएसएसएआई ने नेस्ले, पेप्सीको, कोका-कोला जैसी बड़ी कंपनियों से लेकर एमेजान और केएफसी जैसे ई-कॉमर्स व रेस्टोरेंट ब्रांड्स तक पर सख्त कार्रवाई की है। पिछले कुछ महीनों में कथित तौर पर भ्रामक विज्ञापनों, गलत दावों और लेबलिंग नियमों के उल्लंघन को लेकर 150 से अधिक नोटिस जारी किए गए हैं। एफएसएसएआई ने नेस्ले, पेप्सिको, कोकाकोला सहित कई प्रमुख फूड बिजनेस ऑपरेटर्स को गलत दावों, भ्रामक विज्ञापनों और लेबलिंग नियमों के उल्लंघन पर नोटिस भेजे। इस कार्रवाई के तहत कई कंपनियों के उत्पाद जब्त भी किए गए हैं। नियामक का शिकंजा सिर्फ निर्माताओं तक सीमित नहीं रहा। एमेजान और फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ-साथ केएफसी, मैकडोनेल्ड, पिज्जा हट और डोमोनिज जैसे रेस्टोरेंट चेन को भी नोटिस जारी हुए हैं। कार्रवाई के परिणामस्वरूप एमेजान के एक वेयरहाउस का लाइसेंस रद्द हुआ, वहीं डोमोनिज के पांच लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। एफएसएसएआई का मुख्य लक्ष्य ग्राहकों तक सही जानकारी पहुंचाना और खाद्य सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना है। नियामक ने बताया कि नोटिस मिलने के बाद कई कंपनियों ने सुधारात्मक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। एफएसएसएआई का यह सख्त रुख भविष्य में भी जारी रहेगा, और ऐसी कार्रवाई और तेज होने की संभावना है।

यूपीआई ग्राहकों की जेब सुरक्षित! एमडीआर का बोझ रोकने की तैयारी

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल करने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। सरकार और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपलसीआई) एक ऐसी योजना पर काम कर रहे हैं, जिससे यूपीआई पर लागू होने वाले मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) का बोझ ग्राहकों की जेब पर न पड़े। इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उस पुराने नियम को आधार बनाया जा सकता है, जो डेबिट कार्ड से भुगतान पर दुकानदारों को ग्राहकों से अतिरिक्त शुल्क लेने से रोकता है। चूंकि यूपीआई पिछले छह सालों से मुफ्त है, इसलिए इस तरह के नियम की आवश्यकता नहीं पड़ी थी। लेकिन अब जब बड़े व्यापारियों पर शुल्क लगाने की चर्चाएं हो रही हैं, तो इस बात का डर है कि व्यापारी इसे ग्राहकों से वसूलना शुरू न कर दें। इसी आशंका को दूर करने के लिए एनपीसीआई अपने यूपीआई सर्कुलर में भी डेबिट कार्ड वाले नियम की तरह एक क्लॉज जोड़ने पर विचार कर रहा है। दिसंबर 2017 में आरबीआई ने डेबिट कार्ड के लेनदेन पर बैंकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि दुकानदार यह शुल्क ग्राहकों से न वसूलें। यूपीआई पर इस नियम को लागू कराने की अंतिम जिम्मेदारी आरबीआई की ही होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) पहले ही यह स्पष्ट कर चुके हैं कि यदि यूपीआई पर एमडीआर लागू होता भी है, तो वह सिर्फ व्यापारियों के लिए होगा, आम ग्राहकों के लिए नहीं। इसके अलावा, छोटे दुकानदारों को इस दायरे से बाहर रखा जाएगा और उनके लिए यूपीआई सेवाएं मुफ्त ही रहेंगी। गैजेट नोटिफिकेशन आने के बाद एनपीसीआई और यूपीआई स्टीयरिंग कमेटी मिलकर एमडीआर का ढांचा तय करेंगी। हालांकि, कागजों पर नियम बनाना आसान है, लेकिन इसे जमीन पर उतारना चुनौती भरा होगा। फिनटेक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि बैंकों के लिए इसे लागू कराना मुश्किल होगा। यदि कोई दुकानदार ग्राहक से जबरन शुल्क वसूलता है, तो बैंक तभी कार्रवाई करेंगे जब ग्राहक शिकायत दर्ज कराएगा।

मेष- आज दिल और किस्मत दोनों आपका साथ देते नजर आएंगे। प्रेम जीवन में मिठास बढ़ेगी और पार्टनर के साथ आपकी बॉन्डिंग पहले से मजबूत होगी। आर्थिक स्थिति में भी सुधार के संकेत हैं। हालांकि, राजनीति या सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को थोड़ा सतर्क रहना होगा, क्योंकि विरोधी पर्दे के पीछे आपके खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर सकते हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को किसी दोस्त की मदद से अच्छा रास्ता मिल सकता है। मन हो तो छोटी यात्रा पर निकलें, इससे मानसिक सुकून मिलेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा, लेकिन जल्दबाजी से बचना जरूरी है। थोड़ी लापरवाही चोट या परेशानी का कारण बन सकती है, इसलिए वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और बच्चों के लिए कोई सरप्राइज प्लान कर सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में पूरा फोकस रखना होगा, क्योंकि मेहनत का सही परिणाम तभी मिलेगा।

मिथुन- आज सेहत के मामले में लापरवाही बिल्कुल न करें। पुरानी परेशानी दोबारा उभर सकती है, इसलिए समय रहते ध्यान देना बेहतर होगा। बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण रखना भी जरूरी है। सामाजिक क्षेत्र में आपका प्रभाव मजबूत रहेगा और कुछ नया करने की कोशिश सफल हो सकती है। लंबे समय बाद किसी पुराने दोस्त से मुलाकात मन खुश कर देगी।

कर्क- आज आपको महसूस होगा कि हर लड़ाई ताकत से नहीं, बल्कि समझदारी से जीती जाती है। विरोधियों पर आप भारी पड़ सकते हैं, लेकिन कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें। संतान की ओर से अच्छी खबर मिलने की संभावना है। प्रेम जीवन में पार्टनर का समर्पण और सहयोग देखने को मिलेगा।

सिंह- आज मन थोड़ा भारी रह सकता है और तनाव भी महसूस हो सकता है। बच्चों की सेहत को लेकर लापरवाही न करें और जरूरत पड़ने पर तुरंत ध्यान दें। किसी जोखिम भरे काम में पैसा या समय लगाने से आज बचना बेहतर होगा। पिताजी आपको कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। उसे गंभीरता से पूरा करें, वरना उनकी नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

कन्या- आज कुछ चुनौतियां आपके सामने आ सकती हैं, लेकिन धैर्य और सकारात्मक सोच से आप उन्हें आसानी से पार कर लेंगे। नकारात्मक विचारों को खुद पर हावी न होने दें। घर की साफ-सफाई, सजावट या किसी बदलाव पर ध्यान देने का मौका मिलेगा। परिवार में शादी से जुड़ी कोई पुरानी रुकावट दूर हो सकती है। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ या बॉस की सलाह को नजरअंदाज करना नुकसानदेह हो सकता है।

तुला- आज का दिन आपको आगे बढ़ने के नए मौके देगा। आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा और किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर भी मिल सकता है। किसी सहयोगी की कही बात आपको थोड़ी चुभ सकती है, लेकिन उसे दिल पर लेने के बजाय अपने काम पर ध्यान दें। पुराने दोस्त से अचानक मुलाकात मन खुश कर देगी। जीवनसाथी के लिए नई नौकरी या करियर से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है।

वृश्चिक- आज सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं, हालांकि परिवार में किसी छोटी बात को लेकर तनाव हो सकता है। संतान के करियर को लेकर आप कोई महत्वपूर्ण फैसला ले सकते हैं या उसके लिए यात्रा करनी पड़ सकती है। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा, लेकिन जरूरत से ज्यादा खाने से बचें, क्योंकि पेट से जुड़ी परेशानी हो सकती है।

धनु- आज मन में थोड़ी बेचैनी रह सकती है और सेहत भी कमजोर महसूस हो सकती है। कारोबार की किसी डील को लेकर चिंता बनी रहेगी, इसलिए बिना पूरी जानकारी के फैसला न लें। मां से किया हुआ वादा पूरा करना जरूरी होगा, वरना मन में बेचैनी बनी रह सकती है। आर्थिक मामलों में किसी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करें।

मकर- आज बढ़ते खर्च आपकी आर्थिक स्थिति पर दबाव डाल सकते हैं। अगर बजट का ध्यान नहीं रखा तो बचत भी प्रभावित हो सकती है। भाई-बहनों के साथ प्रॉपर्टी को लेकर विवाद बढ़ने की आशंका है और मामला कानूनी रूप भी ले सकता है, इसलिए बातचीत से समाधान निकालने की कोशिश करें। आलस्य और काम टालने की आदत आज नुकसान पहुंचा सकती है। किसी अनजान व्यक्ति पर आंख बंद करके भरोसा न करें और जरूरी दस्तावेज या सामान संभालकर रखें।

कुंभ- आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन आपके भीतर ऊर्जा और उत्साह भरपूर रहेगा। लंबी यात्रा की योजना बन सकती है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना आज बेहद जरूरी होगा, क्योंकि बिना सोचे कही गई कोई बात रिश्ते में तनाव पैदा कर सकती है। काम तेजी से पूरे होंगे, लेकिन दूसरों के निजी मामलों में दखल देने से बचें।

मीन- आज कानूनी मामलों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। कारोबार में थोड़ा उतार-चढ़ाव रहेगा, लेकिन पुराने निवेश, खासकर शेयर बाजार से जुड़े निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। किसी भी डील को फाइनल करने से पहले हर दस्तावेज और शर्त को ध्यान से पढ़ें। साझेदारी के मामलों में जल्दबाजी नुकसान दे सकती है।

शब्दजाल - 8359

शब्द जाल में उन 10 देशों के नाम ढूंढिए जिन्होंने यूरो कप-2004 में भाग लिया था. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

श	रा	पु	र्त	गा	ल	ह	ट	झ	क	स्वि
यू	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	ट
ना	र	ह	इं	ग्लैं	ड	ज	बे	ला	ल	ज
न	म	दा	लैं	ल	क	र्म	हा	दा	र	र
ट	रा	र	ड	हा	मि	नी	चि	स	र	लैं
ह	बु	प	व	दा	ला	ट	वि	या	न	ड
ट	ल्गा	डे	अं	र	वी	ट	ह	ला	ह	क
बा	रि	वा	न	क	छ	सौ	न	हा	लैं	ड
स	या	तें	व	मा	ज	दा	ने	दा	र	द
र	ल	प	ति	रं	र्क	ऐ	स्वी	ड	न	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

पुर्तगाल, हालैंड, यूनान, स्वीडन, डेनमार्क, इंग्लैंड, जर्मनी, बुल्गारिया, लाटविया, स्विटजरलैंड

शब्दजाल - 8358 का हल

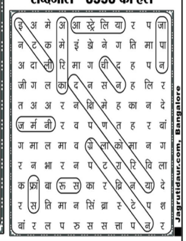

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

24 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.25 बजे से
चंद्र	धनु में	तुला	09.36 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	11.51 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	14.07 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	16.12 बजे से
शुक्र	कन्या में	कुंभ	17.58 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.31 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	21.02 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.42 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मिथुन	00.40 बजे से
		कर्क	02.53 बजे से
		सिंह	05.10 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 236 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी अहोरात्र।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 20.28 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 07.05 बजे को समाप्त।
करण बव 17.23 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 11° 10'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872811
जूलियन दिन 2461276.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उलावल
तारीख 10
विशेष चतुर्थ श्रावण सोमवार।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7303

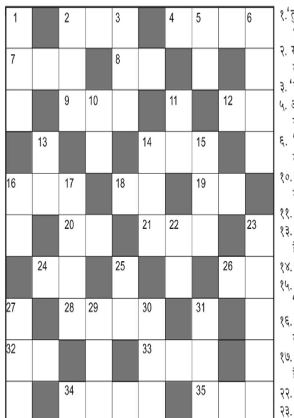

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7302

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: मनुष्य और ईश्वर

एक महात्मा गंगा तट पर प्रवचन कर रहे थे। भारी भीड़ जमा थी। चर्चा का विषय था-जीव और ब्रह्म की एकता। दोनों के संबंध का विश्लेषण करते हुए महात्मा ने कहा कि जीव ईश्वर का ही अंश है। जो गुण ईश्वर में हैं, वे जीव में भी मौजूद हैं। सुनने वालों में से एक ने पूछा, 'भगवन् ! ईश्वर तो सर्वज्ञ और सर्वशक्तिमान है, पर जीव तो अल्पज्ञ और अल्प सामर्थ्य वाला, फिर इस भिन्नता के रहते एकता कैसी?' यह सुनकर महात्मा जी मुस्कराए। फिर उन्होंने उस व्यक्ति से कहा, 'एक लोटा गंगाजल ले आओ।' वह व्यक्ति लोटे में गंगाजल जल भर लाया। फिर महात्मा जी ने उस व्यक्ति से पूछा, 'अच्छा यह बताओ कि गंगा के जल और इस लोटे के जल में कोई अंतर तो नहीं है?' वह व्यक्ति बोला, 'बिल्कुल नहीं।' महात्मा जी ने कहा, 'देखो, सामने गंगाजल में नावें चल रही हैं। एक नाव इस लोटे के जल में चलाओ।' यह सुनकर वह व्यक्ति भौंचक रह गया और महात्मा जी का मुंह ताकने लगा। फिर उसने साहस करके कहा, 'भगवन् लोटा तो छोटा है और इसमें थोड़ा ही जल है। इतने में भला नाव कैसे चलेगी।' महात्मा जी ने गंभीर होकर कहा, 'जीव एक छोटे दायरे में सीमाबद्ध होने के कारण लोटे के जल के समान अल्पज्ञ और अशक्त बना हुआ है। यदि यह जल फिर गंगा में लौटा दिया जाए तो उस पर नाव चलने लगेगी, इसी प्रकार यदि जीव अपनी संकीर्णता के बंधन काटकर महान बन जाए तो उसे ईश्वर जैसी सर्वज्ञता और शक्ति सहज ही प्राप्त हो सकती है।'

सूडोकु नवताल- 7612

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7611 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 8827

बाएँ से दाएँ

1. पाबंदी, संयम, पाश-3
3. मनुष्य, इंसान-3
5. शारीरिक ऊंचाई-2
6. नलका, टूंटी
8. प्रलय, महासंकट-4
11. दही से बना खाद्य पदार्थ-3
13. निर्माण, निर्मिती-3
14. हुनर, आर्ट-2
15. उम्मीद, आशा-2
16. खाना बनाना-3
18. असफल, अनुतीर्ण-3
20. आभास, भास-3
22. वध-2
24. जी, इच्छा, चित-2
25. सब्जी का सड़ना, बर्फ का पिघलना-3
26. याद करना-3

ऊपर से नीचे

1. हड़ताल, स्थिर, रुका हुआ-2
2. लवण -3
3. विश्राम, राहत-3
4. मछली, मत्स्य, राशि चक्र की एक राशि-2
5. बूंद-3
7. शरमाना-3
9. दोस्त, मित्र-2
10. बहुत प्यासा होना-4
12. एकटक निहारना-3
16. शरण, आश्रय-3
17. सम्मान-2
19. चिंतन-3
20. मकान, इमारत-3
21. कमी, थोड़ा-3
23. तज देना-2
24. इंकार, मनाही-2

शब्द पहेली -8826 का हल

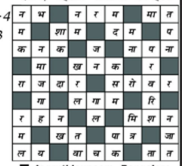

Jagrutidaur.com, Bangalore

श्रावण के अंतिम सोमवार पर कोटेश्वर धाम में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

बोल बम सेवा समिति का विशाल भंडारा महाप्रसाद आज, समिति ने श्रद्धालुओं से परिवार सहित कोटेश्वर धाम पहुंचकर महाप्रसाद ग्रहण करने की अपील

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्रावण मास के अंतिम सोमवार 24 अगस्त 2026 के पावन अवसर पर आज कोटेश्वर धाम लांजी में श्रद्धा, भक्ति और सेवा का भव्य संगम देखने को मिलेगा। हर वर्ष की परंपरा के अनुरूप इस वर्ष भी बोल बम सेवा समिति लांजी द्वारा कोटेश्वर धाम परिसर के समीप विशाल भंडारा महाप्रसाद का आयोजन प्रात: 10 बजे से किया जा रहा है। आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं द्वारा तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व माना जाता है। पूरे सावन माह के दौरान कोटेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की लगातार आवाजाही रही तथा विभिन्न सोमवारों पर बड़ी संख्या में कांवड़िए एवं शिवभक्त यहां पहुंचकर भगवान कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर अपनी आस्था प्रकट करते रहे। अब श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर आयोजित होने वाले विशाल भंडारे को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

सेवा और श्रद्धा का बनेगा संगम

बोल बम सेवा समिति लांजी द्वारा आयोजित यह भंडारा केवल प्रसाद वितरण का आयोजन नहीं, बल्कि सेवा, सहयोग और सामाजिक एकता की भावना का प्रतीक है। समिति से जुड़े सदस्य आयोजन स्थल पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। दूर-दराज के गांवों और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। समिति के सदस्यों का कहना है कि भगवान शिव की भक्ति के साथ श्रद्धालुओं की सेवा करना भी एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सामाजिक दायित्व है। इसी भावना के साथ हर वर्ष श्रावण के अंतिम सोमवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है।

श्रद्धालुओं से समिति की विशेष अपील

बोल बम सेवा समिति लांजी ने क्षेत्र के समस्त शिवभक्तों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे आज प्रात: 10 बजे परिवार सहित कोटेश्वर धाम पहुंचें, भगवान कोटेश्वर महादेव के दर्शन एवं पूजन करें तथा विशाल भंडारा महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित करें। समिति ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि आयोजन को सफल बनाने में सभी अपना सहयोग प्रदान करें। श्रद्धालु धाम परिसर में स्वच्छता बनाए रखें, व्यवस्था में सहयोग करें तथा धार्मिक वातावरण की गरिमा को बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण करें।

सुबह से ही पहुंचेंगे शिवभक्त

श्रावण के अंतिम सोमवार को लेकर कोटेश्वर धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू होने की संभावना है। मंदिर परिसर में भगवान शिव के जयकारों और भक्तिमय वातावरण के बीच श्रद्धालु पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद आयोजित विशाल भंडारा महाप्रसाद में भक्त प्रसाद ग्रहण करेंगे। बोल बम सेवा समिति लांजी से अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, प्रमोद अग्रवाल, रमेश भटेरे, गिरीश अग्रवाल, रूपेश अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, चंद्रकांत किरनापूरे, दीपक बंसल, मयूर सुले, दीपक अग्रवाल, संजय टेम्भरे, संदीप अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, अंकित श्रीवास्तव, राकेश रणदिवे, आलोक चौरसिया, मनीष लालू अग्रवाल, ललित अग्रवाल, शरद आसटकर, बाबु उपाध्याय, जय श्रीवास्तव, अमित आसटकर, प्रकाश अग्रवाल, प्रकाश बेदरे, यश अग्रवाल, बोल बम सेवा समिति लांजी, टेडवा, अग्रवाल महिला मंडल, ने अपील करते हुए कहा कि कोटेश्वर धाम सभी शिवभक्तों की आस्था का केंद्र है और भंडारा महाप्रसाद में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं की सहभागिता ही आयोजन की सफलता है। श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर होने वाले इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने परिवार सहित कोटेश्वर धाम पहुंचकर भगवान कोटेश्वर महादेव का आशीर्वाद लें और महाप्रसाद ग्रहण करें।

लांजी में 28-29 अगस्त को दो दिवसीय संविधान मेला

प्रदर्शनी, व्याख्यान, निबंध-भाषण प्रतियोगिता और संविधान ज्ञान परीक्षा होगी आयोजित

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय संविधान के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने, संविधान में निहित अधिकारों, कर्तव्यों एवं संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय संविधान प्रचारिणी सभा, भारत, भारतीय बौद्ध महासभा लांजी एवं करुणागिरी समिति कलपाथरी के संयुक्त तत्वावधान में देश का 23वां दो दिवसीय संविधान मेला आयोजित किया जा रहा है। मेला 28 एवं 29 अगस्त 2026 को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक पाली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन, बिसोनी, तहसील लांजी में आयोजित होगा। आयोजकों के अनुसार संविधान मेला पूरी तरह संवैधानिक जागरूकता एवं नागरिक शिक्षा पर केंद्रित रहेगा। इसका किसी राजनीतिक दल, धर्म या संप्रदाय से कोई सरोकार नहीं होगा। कार्यक्रम का उद्घाटन 28 अगस्त को सुबह 10 बजे किया जाएगा।

संविधान प्रदर्शनी में मिलेगी महत्वपूर्ण जानकारी

मेले में संविधान प्रदर्शनी के माध्यम से नागरिकों के मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों, संविधान के विभिन्न प्रावधानों, उद्देश्यों, निर्देशों एवं संवैधानिक व्यवस्थाओं को सचित्र प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा संविधान के किसी विशिष्ट भाग, सिद्धांत या प्रावधान पर आधारित चित्र, फ्लैक्स एवं मॉडल प्रदर्शित करने की प्रतियोगिता भी आयोजित होगी। चलित संविधान पाठशाला के माध्यम से संविधान की जानकारी दी जाएगी तथा सामूहिक रूप से संविधान का पाठ भी कराया जाएगा।

राष्ट्रीय स्तर के व्याख्यान होंगे आकर्षण

दोनों दिन संविधान से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर राष्ट्रीय स्तर के व्याख्याताओं द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। पहले दिन 76 वर्षों से संवैधानिक अज्ञानता का दुष्परिणाम तथा दूसरे दिन 76 वर्षों में संविधान प्रदत्त अधिकारों की पहचान एवं प्राप्तियों का आकलन तथा देश में संविधान पालन कराए जाने के प्रति कौन कितना जिम्मेदार? विषय पर विशेष व्याख्यान होगा। इसके साथ ही नागरिकों के संविधान प्रदत्त संपूर्ण अधिकार, राज्य के नीति-निर्देशक तत्व, जनप्रतिनिधियों एवं शासकीय सेवकों द्वारा संविधान की शपथ लेने का आशय, संविधान के प्रति समुचित दृष्टिकोण तथा संविधान में समस्याओं के समाधान से जुड़े विषयों पर भी वक्ताओं द्वारा विचार रखे जाएंगे। महिलाओं, धार्मिक अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जनजातियों एवं अनुसूचित जातियों के संवैधानिक अधिकारों एवं विशेष प्रावधानों पर भी वक्तव्य होंगे।

निबंध और भाषण प्रतियोगिताएं

मेले के दौरान निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। संविधान में सभी समस्याओं का समाधान निहित है विषय पर लगभग 200 शब्दों का निबंध 20 अगस्त तक संचालन समिति के समक्ष जमा करने की व्यवस्था रखी गई है। मौके पर निबंध लेखन प्रतियोगिता में 卐संविधान के सम्मान में, मूल निवासी मैदान में, मूल निवासियों का हित संविधान के साथ सुरक्षित एवं संविधान हमारी सबसे बड़ी ताकत है जैसे विषयों पर प्रतिभागी लेखन करेंगे। इसके लिए लगभग 100 शब्दों में 20 मिनट में निबंध लिखना होगा तथा लेखन सामग्री नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। छात्र-छात्राओं के लिए भाषण प्रतियोगिता में अनुच्छेद 13, अनुच्छेद 21-क में शिक्षा का अधिकार, अनुच्छेद 38, अनुच्छेद 340 तथा अनुच्छेद 16(4) जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रावधानों पर बोलने का अवसर मिलेगा। तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में विषय लॉटरी के माध्यम से निर्धारित किए जाएंगे।

प्रश्नोत्तरी और संविधान ज्ञान परीक्षा

प्रतिदिन प्रतिभागियों के लिए 30 मिनट की प्रश्नोत्तरी आयोजित की जाएगी। इसके अलावा संविधान ज्ञान परीक्षा में ऑनलाइन 100 प्रश्न तथा मौके पर 20 मिनट में 20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। संवैधानिक विषयों पर नाट्य प्रतियोगिता तथा संविधान गीत की प्रस्तुतियां भी मेले का हिस्सा रहेंगी। आयोजकों ने अधिक से अधिक नागरिकों, विद्यार्थियों एवं संविधान समर्थकों से मेले में भाग लेने और संवैधानिक जागरूकता के इस अभियान को सफल बनाने की अपील संविधान प्रचारिणी सभा भारत, भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा लांजी, करुणागिरी समिति कलपाथरी, शशि बौद्ध तहसील अध्यक्ष प्रज्ञा महिला मंडल लांजी, धर्मशिला मेश्राम नगर अध्यक्ष प्रज्ञा महिला मंडल लांजी, चन्द्रदीप रामटेके अध्यक्ष समता सैनिक दल लांजी, मनोज कुमार बारमाटे सर्कल अध्यक्ष साडरा, धीरज कुमार वाहने सर्कल अध्यक्ष नेवारवाही, संजीव वासनिक सर्कल अध्यक्ष बहेला, राहुल रामटेके सर्कल अध्यक्ष कारंजा, मोतीचरण खांडेकर, संदीप बोरकर, सुनील मेश्राम, गिरीश गोस्वामी, प्रेमलाल रामटेके, प्रेमदास बागड़े, एडवोकेट धनीराम बंजारे, सुनील भारद्वाज, पी.डी. भालाधरे, सी.एल. बोरकर, मनोहर चौरे, ईश्वर बंसोड, रितेश बंसोड एवं समस्त सदस्य, पदाधिकारी भारतीय बौद्ध महासभा तहसील लांजी ने की है।

एमपीटीईटी 2005-08 उत्तीर्ण शिक्षकों के भविष्य पर छाया असमंजस

हजारों शिक्षकों का सवाल—पुरानी पात्रता मान्य है या देनी होगी दोबारा परीक्षा? सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को लेकर भी स्थिति स्पष्ट करने की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश में वर्ष 2005 एवं 2008 में शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले हजारों शिक्षक इन दिनों अपने भविष्य को लेकर असमंजस और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि लंबे समय से उनकी पात्रता को लेकर शासन की ओर से स्पष्ट आदेश जारी नहीं किया गया है। ऐसे में यह सवाल लगातार बना हुआ है कि 2005 और 2008 में उत्तीर्ण की गई पात्रता आज भी मान्य है या उन्हें पुन: पात्रता परीक्षा देनी होगी। एमपीटीईटी 2005 एवं 2008 उत्तीर्ण शिक्षकों ने इस मामले में शासन-प्रशासन से स्पष्ट और आधिकारिक स्थिति सामने रखने की मांग की है। शिक्षकों का कहना है कि हाल ही में जारी शिक्षक पात्रता परीक्षा की नियम पुस्तिका और विभिन्न माध्यमों से सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का उल्लेख सामने आ रहा है, लेकिन इस संबंध में शासन की ओर से ऐसा स्पष्ट आदेश अथवा अधिकृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, जिससे उनकी स्थिति पूरी तरह साफ हो सके।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को लेकर उठे सवाल

शिक्षकों ने सर्वोच्च न्यायालय में चल रहे प्रकरणों को लेकर भी कई सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि सिविल अपील क्रमांक 1385/2025, 1386/2025 एवं अन्य समान प्रकरणों में 1 सितंबर 2025 को आदेश पारित होने की जानकारी विभिन्न माध्यमों से सामने आई है। ऐसे में शिक्षकों की मांग है कि शासन स्पष्ट करे कि क्या वर्ष 2005 एवं 2008 की पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण शिक्षकों से संबंधित कोई याचिका अथवा प्रकरण शासन द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। यदि ऐसा प्रकरण था तो उसका आधिकारिक क्रमांक, अब तक हुई सुनवाई तथा सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम निर्णय की प्रमाणिक जानकारी सार्वजनिक की जाए, ताकि शिक्षकों के बीच फैल रहे भ्रम और अलग-अलग दावों पर विराम लग सके।

समान पाठ्यक्रम और परीक्षा पद्धति, फिर पात्रता में अंतर क्यों?

शिक्षकों का तर्क है कि वर्ष 2005 और 2008 में आयोजित पात्रता परीक्षा का पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पद्धति बाद की परीक्षाओं से संबंधित रही है। वर्ष 2011 एवं उसके बाद पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता को शासन द्वारा मान्यता दी गई है। ऐसे में 2005 एवं 2008 में परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले शिक्षकों की पात्रता को लेकर स्पष्टता नहीं होने से उनमें असंतोष बढ़ रहा है। शिक्षकों का कहना है कि उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के तहत परीक्षा उत्तीर्ण की थी और वर्षों से शिक्षा व्यवस्था में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसलिए उनकी पुरानी पात्रता के संबंध में शासन को स्पष्ट निर्णय लेना चाहिए।

नए सूचना पत्र ने बढ़ाई चिंता

हाल ही में जारी शिक्षक पात्रता परीक्षा के नए सूचना पत्र में पूर्व में पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण नहीं करने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा देने की बात कही गई है। लेकिन 2005 और 2008 में पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके शिक्षकों के संबंध में उनकी पुरानी पात्रता मान्य रहेगी या उन्हें भी दोबारा परीक्षा देनी होगी, इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होने से शिक्षकों की चिंता बढ़ गई है। शिक्षकों का कहना है कि नियमों की अस्पष्टता के कारण हजारों परिवारों का भविष्य प्रभावित हो सकता है। लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों के लिए यह केवल परीक्षा का विषय नहीं, बल्कि उनकी नौकरी, सेवा-सुरक्षा और वर्षों की मेहनत से जुड़ा गंभीर प्रश्न है।

शासन से लिखित स्पष्टीकरण की मांग

एमपीटीईटी 2005 एवं 2008 उत्तीर्ण शिक्षकों ने शासन से मांग की है कि इस पूरे मामले में तत्काल आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि पुरानी पात्रता वैध है अथवा नहीं और यदि किसी न्यायालयीन आदेश के आधार पर पात्रता में कोई बदलाव किया गया है तो उसका प्रमाणिक विवरण सार्वजनिक किया जाए।

समाज उत्थान के लिए स्वैच्छिकता और सामाजिकता का भाव जरूरी - विधायक राजकुमार कर्राहे

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय महाविद्यालय लांजी में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के शुभारंभ सत्र का आयोजन विधायक लांजी-किरनापुर राजकुमार कर्राहे के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पाठ्यक्रम के परामर्शदाताओं, महाविद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे, जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे एवं जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने पाठ्यक्रम के उद्देश्य एवं सामाजिक नेतृत्व की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

ग्रामीण युवाओं को समाज कार्य से जोड़ने का बेहतर अवसर

मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ उन्हें समाज कार्य से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। समाज कार्य में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को अपने गांव की दशा और दिशा बदलने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत की जड़ों से जुड़ी राजनीति, अर्थनीति और समाजनीति ही देश के भाग्य को बदलने का सामर्थ्य रखती है। समाज में सकारात्मक बदलाव केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज की सक्रिय भागीदारी और युवाओं में स्वैच्छिकता एवं सामाजिकता की भावना जरूरी है। विधायक ने कहा कि जन अभियान परिषद के माध्यम से बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थी समाज के अंतिम छोर तक शासन की योजनाओं की जानकारी पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। परिषद सरकार और समाज के बीच सेतु का कार्य कर रही है। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता, सामाजिक सहभागिता और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति मिल रही है।

पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्ति के लिए जनभागीदारी जरूरी

जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे ने कहा कि जन अभियान परिषद स्वैच्छिकता की भावना के साथ पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति एवं सामाजिक जागरूकता जैसे अभियानों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक सरोकारों से जुड़कर समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं अतिथियों ने स्वैच्छिकता की सामूहिक शपथ लेकर समाजहित में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के परामर्शदाता एवं नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप कुमार रामटेककर, अशोक घरते, विजय हटीले, ज्योति शंकरपुडे, नीलेश्वर ठाकरे सहित महाविद्यालय परिवार के सदस्य, पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

साड़रा के शिव मंदिर में प्रारंभ हुई अखण्ड रामायण पाठ

आज कांवड़िए देवलगांव के त्रिवेणी संगम से जल लाकर करेंगे अभिषेक

पद्मेश न्यूज। लांजी। सावन माह के पावन अवसर पर ग्राम साड़रा स्थित शिव मंदिर चांदनी चौक में शिवभक्ति एवं धार्मिक आस्था से जुड़े दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के तहत रविवार 23 अगस्त को अखंड रामायण पाठ तथा सोमवार 24 अगस्त को भव्य कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं शिवभक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। शिव मंदिर चांदनी चौक, साड़रा में रविवार 23 अगस्त को सुबह 10 बजे से अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ हुआ । इस अवसर पर श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे भगवान श्रीराम की आराधना एवं रामायण पाठ में सहभागी बनें। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा वहीं धार्मिक आयोजन के दूसरे दिन आज सोमवार 24 अगस्त को सुबह 8 बजे शिव मंदिर चांदनी चौक, साड़रा से कांवड़ यात्रा प्रारंभ होगी। कांवड़ यात्रा में क्षेत्र के श्रद्धालु एवं शिवभक्त शामिल होकर देवलगांव स्थित बाघ नदी के त्रिवेणी संगम पहुंचेंगे। यहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पवित्र जल कांवड़ में भरा जाएगा। इसके बाद कांवड़िए पैदल यात्रा करते हुए पुन: शिव मंदिर चांदनी चौक साड़रा पहुंचेंगे।मंदिर पहुंचने के बाद कांवड़ियों द्वारा भगवान शिव के शिवलिंग पर पवित्र जल अर्पित कर जलाभिषेक किया जाएगा। इस दौरान हर-हर महादेव एवं बोल बम के जयघोष से वातावरण शिवमय होने की उम्मीद है। सावन माह में भगवान शिव को पवित्र जल अर्पित करने की विशेष धार्मिक मान्यता है। इसी आस्था के चलते क्षेत्र के शिवभक्त कांवड़ यात्रा में शामिल होकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे तथा क्षेत्र की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना करेंगे।

देवलगांव त्रिवेणी संगम से निकलेगी कांवड़ यात्रा, कोटेश्वर महादेव का करेंगे जलाभिषेक

पद्मेश न्यूज। लांजी। सावन माह के पावन अवसर पर क्षेत्र में शिवभक्ति का उत्साह चरम पर है। इसी क्रम में देवलगांव स्थित बाघ नदी के त्रिवेणी संगम से कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। कांवड़ियें दोमुहांन घाट त्रिवेणी संगम से पवित्र जल लेकर 24 अगस्त को प्रात: बेला मे पैदल यात्रा करते हुए कोटेश्वर धाम पहुंचेंगे, जहां विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ भगवान कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जाएगा। कांवड़ यात्रा में ग्राम के बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं शिवभक्त शामिल होंगे। त्रिवेणी संगम पर पूजा-अर्चना के बाद कांवड़ में पवित्र जल भरकर शिवभक्त बोल बम एवं हर-हर महादेव के जयघोष के साथ कोटेश्वर धाम के लिए रवाना होंगे।कोटेश्वर धाम पहुंचने के पश्चात कोटेश्वर महादेव का पवित्र जल से मंत्रोच्चार के साथ जलाभिषेक किया जाएगा. आयोजन समिति ने बड़ी संख्या मे ग्रामीणों को उक्त कांवड़ यात्रा मे शामिल होने की अपील की है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम का फर्जी लेटरहेड से डॉक्टर का ट्रांसफर आदेश, रू. 40,000 में सौदा, 15 हजार की पहली किस्त; आरोपी अरेस्ट

आलीराजपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम से फर्जी लेटरहेड तैयार कर आयुष डॉक्टर के तबादले का आदेश जारी करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। कोतवाली पुलिस ने प्रकरण की जांच के बाद सीहोर के श्यामपुरा निवासी मुकेश भोसले को गिरफ्तार किया है। उसके पास से मोबाइल और टैबलेट जब्त किए गए हैं।

21 जुलाई को सीएमएचओ को भेजा फर्जी आदेश

एसपी रघुवंश सिंह भदौरिया ने बताया कि 21 जुलाई को मुख्यमंत्री के नाम से तैयार फर्जी आदेश आलीराजपुर के सीएमएचओ डॉ. राजेश अतुलकर के व्हाट्सएप पर भेजा गया था। इसमें आयुष विभाग की डॉक्टर निर्मला निगवाल का

उदयगढ़ से सोंडवा तबादला करने के निर्देश दिए गए थे। पत्र की भाषा और प्रारूप पर संदेह होने के बाद सीएमएचओ ने इसकी जांच कराई, जिसमें आदेश फर्जी पाया गया।

40 हजार रुपये में हुआ था सौदा

सीएमएचओ की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि आरोपित ने फर्जी आदेश तैयार करने के लिए, मोबाइल और टैबलेट का इस्तेमाल किया था। आदेश में मुख्यमंत्री की तस्वीर के साथ मध्य प्रदेश शासन का आधिकारिक लोगो भी लगाया गया था। पुलिस के अनुसार, आरोपित का सोंडवा के एक व्यक्ति से 40 हजार रुपये में सौदा हुआ था।

आलीराजपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

स्क रघुवंश सिंह के निर्देश में माननीय मुख्यमंत्री के नाम से फर्जी डिजिटल स्थानांतरण पत्र बनाकर WhatsApp से गुमराह करने वाले आरोपी मुकेश भोसले को थाना कोतवाली पुलिस ने महज 24 घंटे में गिरफ्तार किया।

अन्य विभागों में भी भेजे आदेश

पुलिस को आरोपित के मोबाइल की जांच में सोंडवा साकड़ी के नवलसिंह से फोन-पे के जरिए 15 हजार रुपये के ट्रांजेक्शन की जानकारी मिली है। यह रकम सौदे की पहली किस्त बताई जा रही है। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित ने विद्युत विभाग और स्कूल प्रशासन विभाग को भी मुख्यमंत्री के नाम से आदेश भेजे थे। इससे पुलिस की जांच का दायरा बढ़ गया है।

निजी कंपनी का फर्जी डायरेक्टर बनकर ठग ने बैंक से निकाले 15 लाख

- असली सीईओ ने संपर्क किया जब हुआ खुलासा

भोपाल। पिपलानी थाना इलाके में साइबर ठगी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां बेहद शातिर ठग ने खुद को राजीव चौधरी बताकर बैंक प्रबंधन से संपर्क करते हुए सौम्या बेहिकल सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के खाते से दो आरटीजीएस से 15 लाख 65 हजार 277 रुपए की रकम अन्य खातों में ट्रांसफर करा ली। आरोपी ने बैंक को कंपनी की डायरेक्टर श्वेता अग्रवाल के नाम से फर्जी ई-मेल भेजकर अधिकृत पत्र व साइन किये गये वाउचर भी भेजे। पुलिस के अनुसार, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सोनागिरी ब्रांच की मैनेजर चन्दना पुष्पा ने बताया कि 18 अगस्त को दोपहर करीब पौने चार बजे मोबाइल नंबर 7256873672 से एक व्यक्ति ने राजीव चौधरी के नाम से बैंक में फोन किया। उसने खुद को सौम्या वेहिकल सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की डायरेक्टर श्वेता अग्रवाल की ओर से सावधि जमा पर दो साल की ब्याज दर की जानकारी मांगी। कुछ देर बाद आरोपी ने दोबारा फोन कर बताया कि कंपनी की चेकबुक खत्म हो गई है, और तत्काल दो आरटीजीएस करने है। बैंक कर्मचारियों ने उसे नेट बैंकिंग से भुगतान करने की सलाह दी, लेकिन आरोपी ने समय लगने की बात कही। इसके बाद उसने बिना चेक आरटीजीएस करने की प्रक्रिया की जानकारी मांगी। बैंक ने उसे ई-मेल के जरिए जानकारी भेजने को कहा। इसके बाद कंपनी की ई मेल आईडी से डायरेक्टर श्वेता अग्रवाल के नाम से बैंक को मेल भेजा गया। शाम करीब साढ़े पांच बजे ईसी ई-मेल आईडी से आरटीजीएस के लिए अधिकृत पत्र और हस्ताक्षर करते हुए वाउचर भेजे गए। बैंक ने दस्तावेज में किए गए हस्ताक्षर का कंपनी के रिकॉर्ड में मौजूद नमूना हस्ताक्षर से मिलान किया, जो सही पाया गया।

20 किलोमीटर में आने वाले टोल नाकों के लिए बनेंगे मासिक पास

भोपाल। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने तय किया है कि जहां डिजिटल फास्टैक लोकल पास सुविधा शुरू की जाए, जिससे टोल प्लाजा के 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले स्थानीय लोग कम शुल्क पर मासिक पास बनवा सकें। यह सुविधा ऑनलाइन देने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि लोगों को जबरन चक्कर ना काटना पड़े। इंदौर में ही बायपास पर इसी तरह का टोल वसूल किया जाता है और आसपास कई कॉलोनियां और व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुल गए हैं, जहां लोगों को रोजाना आना-जाना पड़ता है और आए दिन इसे लेकर विवाद भी होते हैं। अभी नेशनल हाईवे ने इंदौर और उसके आसपास के ऐसे 10 टोल नाके चिन्हित भी किए हैं, जहां पर यह मासिक पास की सुविधा मिलेगी।

नेशनल हाईवे को लेकर पहले यह माना जाता था कि सड़क की गुणवत्ता से लेकर उसकी कार्यप्रणाली बेहतर रही है। मगर पिछले कुछ समय में देश के अलग-अलग हिस्सों से सड़कों के टूटने से लेकर कई तरह के घोटालों की जानकारी तो सामने आ ही रही है, वहीं टोल नाकों के जरिए भी लूटपाट जारी है। लागत से कई गुना अधिक टोल की वसूली वाहन मालिकों से हो चुकी है। अब 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को राजमार्ग यात्रा मोबाइल ऐप के जरिए ऑनलाइन लोकल पास बनाने की सुविधा मिल जाएगी। निजी वाहन मालिक ये पास बनवा सकेंगे। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने देश के 121 टोल प्लाजा पर यह सुविधा शुरू की है, जिसमें मध्यप्रदेश में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, खंडवा, छिंदवाड़ा और हरदा रुट पर मौजूद 10 टोल पहले चरण में शामिल हैं। इनमें छैगांव माधवन टोल प्लाजा, सिखलीकलॉं टोल प्लाजा, केलवद, कर्चनारिया टोल प्लाजा, मंडवाड़ा टोल, कुंडी टोल, गायल टोल प्लाजा आष्टा, सोनकच्छ टोल प्लाजा, शाहपुरा, बिशनखेड़ा टोल प्लाजा ओबेदुल्लागंज पर यह सुविधा मिलेगी, जिसमें लोकल पास बनवाने के लिए किसी कागजी दस्तावेज की जरूरत नहीं है। पात्र वाहन मालिक राजमार्ग यात्रा एप के जरिए ऑनलाइन ही इस लोकल पास के लिए आवेदन कर सकते हैं। 300 से लेकर साढ़े 300 रुपए प्रतिमाह तक का यह मासिक पास रहेगा और एप के जरिए ही पास का नवीनीकरण भी करवाया जा सकेगा।

स्कूल शिक्षा विभाग में ई-अटेंडेंस से दूरी

भोपाल। मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग के दफ्तरों में ई अटेंडेंस नहीं लगाया जा रहा है। कार्यालयों में पदस्थ शिक्षा विभाग के कर्मचारी ई अटेंडेंस नहीं लगा रहे है। समीक्षा रिपोर्ट में यह जानकारी निकलकर सामने आई है। आदिवासी इलाकों के स्कूलों में ई अटेंडेंस को लेकर सबसे ज्यादा लापरवाही बरती जा रही है।

शिक्षा विभाग के कार्यालय में हर छह में से एक कर्मचारी ई अटेंडेंस नहीं लगा रहा है। एजुकेशन डिपार्टमेंट के कार्यालय में 84 फीसदी तक ई अटेंडेंस लग रही है। जबकि स्कूलों में पदस्थ शिक्षक 97 फीसदी तक ई अटेंडेंस लगा रहे है। आदिवासी इलाकों के स्कूलों में ई अटेंडेंस को लेकर सबसे ज्यादा लापरवाही बरती जा रही है। धार जिले में 129 शिक्षक कर्मचारियों में से 73 कर्मचारी गैर हाजिर मिले।

फीस वृद्धि का आदेश तत्काल वापस ले सरकार

- मप्र बोर्ड की नई शुल्क दरों पर जयवर्धन सिंह ने उठाए सवाल

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं परीक्षाओं समेत विभिन्न शुल्कों में बढ़ोतरी को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस विधायक और वरिष्ठ नेता जयवर्धन सिंह ने बोर्ड की नई शुल्क दरों पर सवाल उठाते हुए सरकार से फीस वृद्धि का आदेश तत्काल वापस लेने की मांग की है।

जयवर्धन सिंह ने सोशल मीडिया के जरिए सरकार के फैसले पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि परीक्षा और नामांकन शुल्क बढ़ने से प्रदेश के विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उनका कहना है कि शिक्षा को राजस्व जुटाने या फीस वसूली का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए।

परीक्षा शुल्क में 300 रुपए की बढ़ोतरी

नई दरों के मुताबिक 10वीं और 12वीं की परीक्षा फीस 1,200 रुपए से बढ़ाकर 1,500 रुपए कर दी गई है। यानी विद्यार्थियों को अब परीक्षा शुल्क के रूप में पहले की तुलना में 300 रुपए अधिक देने होंगे। इसी तरह नामांकन शुल्क भी 350 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए कर दिया गया है। इसके अलावा परीक्षा केंद्र परिवर्तन, अंकसूची की प्रतिलिपि और अन्य प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े शुल्कों में भी बढ़ोतरी की गई है।

'गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ेगा असर'

जयवर्धन सिंह ने कहा कि फीस बढ़ाने का सीधा असर उन परिवारों पर पड़ेगा, जिनके लिए बच्चों की शिक्षा का खर्च पहले से ही चुनौती बना हुआ है। उन्होंने सरकार से मांग की कि विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक भार डालने के बजाय परीक्षा और नामांकन शुल्क को न्यूनतम रखा जाए। कांग्रेस नेता के मुताबिक शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को अवसर उपलब्ध कराना होना चाहिए, न कि सरकार या शिक्षा बोर्ड के लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाना। जयवर्धन सिंह ने मध्य प्रदेश सरकार, स्कूल शिक्षा विभाग और माध्यमिक शिक्षा मंडल से फीस वृद्धि के आदेश पर पुनर्विचार करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जनहित को देखते हुए बढ़ी हुई फीस तत्काल वापस ली जानी चाहिए। फीस वृद्धि के मुद्दे पर कांग्रेस के विरोध के बाद अब छात्र संगठनों और अन्य राजनीतिक दलों के रुख पर भी नजर है। यदि सरकार ने शुल्क वृद्धि वापस नहीं ली तो आने वाले दिनों में इस मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज होने की संभावना है।

चुनावी राजनीति से शिक्षा शुल्क तक पहुंचा मुद्दा

मप्र बोर्ड की फीस वृद्धि ऐसे समय में राजनीतिक मुद्दा बनी है, जब प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था, सरकारी स्कूलों की सुविधाओं और विद्यार्थियों से जुड़े खर्च को लेकर विपक्ष लगातार सरकार को घेर रहा है। कांग्रेस का कहना है कि बढ़ती फीस का सबसे ज्यादा असर आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ेगा। अब सरकार और माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से इस शुल्क वृद्धि पर क्या सफाई दी जाती है और क्या दरों में किसी तरह का संशोधन किया जाता है, इस पर सभी की नजर है।

वन विभाग के पदोन्नत शासकीय सेवक मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति व्यक्त करेंगे आभार

भोपाल। वन विभाग में शासकीय सेवकों की पदोन्नति की प्रक्रिया पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए 24 अगस्त को समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह सुबह 11 बजे भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम), नेहरू नगर, भोपाल में आयोजित होगा।

समारोह में पदोन्नति प्राप्त वन विभाग के शासकीय सेवक वर्षों से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को पूर्ण किए जाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और पदोन्नत शासकीय सेवक शामिल होंगे।

इस अवसर पर वन विभाग में मानव संसाधन को और अधिक सशक्त बनाने तथा पदोन्नत शासकीय सेवकों को नई जिम्मेदारियों के साथ बेहतर कार्य निष्पादन के लिए प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया जाएगा। पदोन्नति से अधिकारियों एवं कर्मचारियों में नई जिम्मेदारियों के प्रति उत्साह बढ़ने और विभागीय कार्यों में दक्षता आने की उम्मीद है।

आरएसएस के प्रचारक बनाम सेवादल के विचार

- मध्यप्रदेश में कांग्रेस सेवादल तैयार करेगा 'विचारक टीम'

भोपाल। मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजनीतिक व वैचारिक प्रभाव का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस सेवादल ने एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है। सेवादल अब प्रदेश भर में 'विचारक टीम' तैयार करने जा रहा है, जो जमीनी स्तर पर जाकर नफरत और हिंसा के खिलाफ आवाज बुलंद करेगी। सरकार इस रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए कांग्रेस सेवादल ने भोपाल में एक बड़ी बैठक बुलाई है। इस बैठक में प्रदेश भर के सभी जिलाध्यक्षों और वरिष्ठ पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। संगठन को नया रूप देने और मजबूत करने के लिए पूरे प्रदेश में प्रशिक्षण शिविर (ट्रेनिंग कैंप) आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से संगठन की पहुंच को ब्लॉक, बूथ और गांवों तक ले जाने की तैयारी है।

'प्रचारक' के जवाब में 'विचारक'

कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव ने संगठन की रणनीति को स्पष्ट करते हुए कहा भाजपा और रूस्स् देश में राष्ट्रवाद के नाम पर नफरत फैलाते हैं। इस विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आरएसएस अपने 'प्रचारक' उतारता है। इसके जवाब में कांग्रेस सेवादल अपने 'विचारक' तैयार करेगा, जो जनता के बीच जाकर सच्चाई उजागर करेंगे और आम लोगों के मुद्दों व अधिकारों के लिए आवाज उठाएंगे। यह पूरी मुहिम भाजपा और संघ की नफरत की राजनीति का मुकाबला करने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है। कांग्रेस सेवादल के इस नए अभियान से प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में एक बार फिर वैचारिक जंग तेज होने के आसार हैं।

मप्र में स्वाइन फ्लू का बढ़ा खतरा

- 5 दिन में इंदौर-उज्जैन में 4 केस, एक मरीज की मौत

भोपाल । मध्य प्रदेश में स्वाइन फ्लू के मामले बढ़ने से स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। पिछले पांच दिनों में इंदौर और उज्जैन में स्वाइन फ्लू के चार मामले सामने आए हैं। शनिवार को तीन मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई। इनमें इंदौर की 62 वर्षीय महिला, खाचरौद का 66 वर्षीय बुजुर्ग और उज्जैन का 43 वर्षीय व्यक्ति शामिल हैं। वहीं, उज्जैन में 19 अगस्त को एक महिला की स्वाइन फ्लू से मौत भी हो चुकी है। इंदौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती 62 वर्षीय महिला की जांच रिपोर्ट में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है। महिला को सर्दी-खांसी और बुखार की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई गई है और उपचार जारी है। लगातार नए मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने शहर के अस्पतालों के साथ बैठक करने की तैयारी शुरू कर दी है।

उज्जैन में अब तक तीन मरीजों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है। इनमें ऋषि नगर एक्सटेंशन निवासी एक महिला की 19 अगस्त को मौत हो गई थी। महिला का उपचार इंदौर में चल रहा था। शनिवार को दो अन्य मरीजों की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई। खाचरौद निवासी 66 वर्षीय मरीज को सर्दी-खांसी, बुखार और बदन दर्द की शिकायत के बाद उज्जैन के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्वाइन फ्लू की आशंका में उसका सैंपल जांच के लिए इंदौर भेजा गया था। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद मरीज को चरक अस्पताल की चौथी मंजिल पर बनाए गए 10 बेड के आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट किया गया है। इसी तरह उज्जैन के महालक्ष्मी नगर निवासी 43 वर्षीय व्यक्ति में भी स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है। उसका उपचार भी स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में किया जा रहा है।

अस्पतालों की होगी बैठक

इंदौर में बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग जल्द ही शहर के सभी अस्पतालों के साथ बैठक करेगा। अधिकारियों की नजर संदिग्ध मरीजों की जांच, उपचार और संक्रमण की रोकथाम की व्यवस्थाओं पर रहेगी। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को सतर्क रहने और संदिग्ध मरीजों की समय पर जांच कराने पर जोर दिया है। लगातार सामने आ रहे मामलों और उज्जैन में एक मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। खासकर सर्दी, खांसी और बुखार जैसे लक्षण वाले मरीजों पर नजर रखने के साथ संदिग्ध मामलों में समय पर जांच और आइसोलेशन की व्यवस्था पर जोर दिया जा रहा है।

पदोन्नति का इंतजार खत्म नहीं, भेदभाव का आरोप

- उप वन क्षेत्रपालों ने हाईकोर्ट में दायर की याचिका

भोपाल। वन विभाग में उप वन क्षेत्रपाल से वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति नहीं मिलने का मामला अब उच्च न्यायालय जबलपुर पहुंच गया है। उप वन क्षेत्रपाल संवर्ग के कर्मचारी संगठन की ओर से दायर याचिका क्रमांक 34988/2026 का पंजीयन 21 अगस्त 2026 को हुआ है। याचिका में मांग की गई है कि उप वन क्षेत्रपालों की पदोन्नति प्रक्रिया तत्काल पूरी कर वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति के आदेश जारी किए जाएं। मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच के प्रधान अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सरकार के पदोन्नति नियम 2025 के तहत वन विभाग में विभिन्न संवर्गों की पदोन्नति के आदेश जारी किए, जा चुके हैं। इनमें वन क्षेत्रपाल से सहायक वन संरक्षक, वनपाल से उप वन क्षेत्रपाल, वनरक्षक से वनपाल, लिपिक से मुख्य लिपिक तथा भृत्य से लिपिक के पद पर पदोन्नति शामिल है। इसके बावजूद उप वन क्षेत्रपाल से वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति के आदेश अब तक जारी नहीं किए गए हैं। संगठन का कहना है कि इस प्रक्रिया को लंबित हुए करीब दो माह हो चुके हैं। इस बीच उप वन क्षेत्रपाल संवर्ग के कई कर्मचारी बिना पदोन्नति के ही सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इससे कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ रही है। संगठन ने आरोप लगाया कि एक ही विभाग के अन्य संवर्गों को पदोन्नति का लाभ दिया जा रहा है, जबकि उप वन क्षेत्रपालों को इससे वंचित रखा गया है।

आज मुख्यमंत्री के सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

इधर, वन विभाग द्वारा पदोन्नति देने के लिए सरकार का आभार जताने के उद्देश्य से 24 अगस्त को आईआईएफएम परिसर में मुख्यमंत्री के सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में विभिन्न संवर्गों के वन कर्मचारियों को आमंत्रित किया गया है, लेकिन उप वन क्षेत्रपाल संवर्ग के कर्मचारियों को आमंत्रित नहीं किए जाने से असंतोष और बढ़ गया है। मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच ने चेतावनी दी है कि यदि उप वन क्षेत्रपाल से वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति के आदेश जल्द जारी नहीं किए गए तो संगठन 24 अगस्त को मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांग रखेगा।

शिक्षक भर्ती में पदवृद्धि के लिए आमरण अनशन

भोपाल। भोपाल के नीलम पार्क में रविवार को शिक्षा से जुड़े दो अलग-अलग आंदोलनों ने जोर पकड़ा। एक ओर माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षक भर्ती-2025 में पदवृद्धि की मांग को लेकर प्रदेशभर से आए अभ्यर्थी 21 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। वहीं दूसरी ओर स्कूल बचाओ संघर्ष समिति ने सरकारी स्कूलों को बंद करने के विरोध में राज्य स्तरीय कन्वेंशन आयोजित किया। इसमें प्रदेश के अलग-अलग जिलों से छात्र-छात्राएं, शिक्षक और अभिभावक पहुंचे। एक ही पार्क में चल रहे दोनों आंदोलनों में सरकारी शिक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए गए। शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी, जहां रिक्त पदों के बावजूद कम पद निकालने का आरोप लगाते हुए पदवृद्धि और दूसरी काउंसलिंग की मांग कर रहे हैं, वहीं स्कूल बचाओ संघर्ष समिति सरकारी स्कूलों को बंद करने के बजाय उनकी सुविधाएं और शिक्षक बढ़ाने की मांग कर रही है।

42 घंटे से पानी तक नहीं पिया, भूख हड़ताल पर नरेंद्र

शिक्षक भर्ती में पदवृद्धि की मांग को लेकर ब्यावरा निवासी नरेंद्र राजपूत आमरण अनशन पर बैठे हैं। नरेंद्र के मुताबिक, उन्होंने 21 अगस्त रात 12 बजे से खाना ही नहीं, बल्कि पानी तक छोड़ रखा है और रविवार को करीब 42 घंटे हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने समय नहीं देखा, लेकिन लगातार अनशन जारी है और मांग पूरी होने तक पीछे हटने का इरादा नहीं है। धरना स्थल पर मौजूद तहसीलदार प्रीति चौरसिया ने बताया कि अभ्यर्थी अनशन पर बैठे हैं और उनकी मांगों को शासन स्तर तक भेजा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल अनशन पर बैठे अभ्यर्थी की स्थिति ठीक है। नरेंद्र का कहना है कि वह अकेले के लिए नहीं, बल्कि उन तमाम अभ्यर्थियों के लिए बैठे हैं, जो वर्षों से शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे हैं। उनका कहना है कि आंदोलन को उग्र नहीं करना चाहते, क्योंकि वे शिक्षक बनने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं।

बच्चों को लेकर धरने में पहुंचीं महिलाएं

आंदोलन में महिला अभ्यर्थियों का संघर्ष भी नजर आ रहा है। इंदौर की दीप्ति सिंह ठाकुर अपनी 5 और 8 साल की दो बेटियों को लेकर नीलम पार्क में रह रही हैं। उनका कहना है कि यह पदवृद्धि के लिए उनका 13वां आंदोलन है। बच्चों के साथ पार्क में रात गुजारने में मच्छरों, पानी और वॉशरूम की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन पदवृद्धि होने तक वह धरना छोड़ने को तैयार नहीं हैं। इसी तरह सरोज कुशवाहा अपने छोटे बेटे माधव को लेकर पहुंचीं हैं। एक बड़े बच्चे को रिश्तेदार के यहां छोड़कर आईं हैं। उन्होंने बताया कि छोटे बच्चे के साथ भीड़, तेज आवाज, मच्छरों और छोटे तालाब के किनारे जहरीले जीव-जंतुओं का डर बना रहता है। इसके बावजूद उनका कहना है कि वर्षों की पढ़ाई और अच्छे अंक के बाद भी चयन नहीं हुआ, इसलिए पदवृद्धि की मांग पूरी होने तक वह आंदोलन में रहेंगी।

वर्ग-2 में हर विषय में 3 हजार, वर्ग-3 में 25 हजार पद बढ़ाने की मांग

शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों की मांग है कि वर्ग-2 में प्रत्येक विषय में 3 हजार पद बढ़ाए जाएं, जबकि वर्ग-3 में कुल 25 हजार पद किए जाएं। इसके साथ बढ़े हुए पदों पर दूसरी काउंसलिंग कराने की मांग भी की जा रही है। अभ्यर्थियों का कहना है कि विभागों में पद रिक्त होने के बावजूद भर्ती में पर्याप्त पद नहीं निकाले गए। उनका दावा है कि पात्रता और चयन परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करने वाले अभ्यर्थी भी नियुक्ति से वंचित हैं।

इथेनॉल नीति की भेंट चढ़ी गरीबों की मिठास!

भोपाल। मध्य प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का दावा उस वक्त सवालों के घेरे में आ गया, जब प्रदेश के अति-गरीब परिवारों के राशन से मिठास गायब हो गई। शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से अति गरीबी रेखा में आने वाले लगभग 12 लाख अंत्योदय कार्ड धारकों को मिलने वाली 20 रुपये प्रति किलो की रियायती शक्कर अप्रैल माह से पूरी तरह बंद है। एक तरफ खुले बाजार में शक्कर की कीमतें आसमान छू रही हैं, वहीं दूसरी तरफ अति-गरीब परिवारों को मिलने वाला कोटा ठप होना प्रशासनिक दावों और सरकारी नीतियों पर सवाल खड़े करता है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के एईपीडीएस पोर्टल पर हमारी पड़ताल में चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई है। पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार जनवरी में 12,51,418 किलो शक्कर का आवंटन, फरवरी में 12,35,167 किलो शक्कर का आवंटन, मार्च 12,58,320 किलो शक्कर का आवंटन और अप्रैल से अगस्त तक आवंटन पूरी तरह शून्य रहा है। इस संबंध में जब मैदानी अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने साफ शब्दों में पल्ला झाड़ते हुए कहा कि शक्कर का आवंटन ऊपर (शासन/केंद्र स्तर) से ही नहीं आ रहा है, जिसके कारण वितरण संभव नहीं है।

इथेनॉल नीति पर बिफरा विपक्ष

शक्कर की किल्लत और बढ़ती कीमतों को लेकर राजनीतिक गलियारों में जुबानी जंग तेज हो गई है। इंडियन नेशनल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया से लेकर जमीनी स्तर पर सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। विपक्ष का सीधा आरोप है कि सरकार गन्ने का उपयोग बड़े पैमाने पर इथेनॉल बनाने के लिए कर रही है। इथेनॉल उत्पादन की वजह से चीनी मिलों में शक्कर का उत्पादन गिरा है। उत्पादन कम होने से बाजार में शक्कर के दाम बेतहाशा बढ़े हैं और इस नीतिगत संकट का सीधा खामियाजा गरीबों को भुगतना पड़ रहा है। राजनीतिकसमाचार और विश्लेषण पढ़ना

महंगाई की दोहरी मार- 70 रुपये किलो शक्कर, चाय भी हुई महंगी

रियायती शक्कर बंद होने से गरीब परिवारों का बजट पूरी तरह गड़बड़ा गया है। जमीनी हालात (जैसे मऊगंज जिले का उदाहरण) बताते हैं कि जो 50 किलो की बोरी पहले 2,000 रुपये में मिलती थी, वह अब 3,225 रुपये की हो चुकी है। बाजार में शक्कर 65 से 70 रुपये प्रति किलो बिक रही है। शक्कर महंगी होने से आम दुकानों पर 10 रुपये में मिलने वाली चाय अब 15 रुपये में मिल रही है। एक तरफ गन्ने से इथेनॉल बनाने की नीति पर उठते सवाल और दूसरी तरफ पीडीएस दुकानों से अप्रैल से शक्कर गायब होना- इस पूरे प्रकरण ने विपक्ष को और हमलावर कर दिया है।

भोपाल के 40 हजार गैस उपभोक्ताओं का कट सकता है कनेक्शन...

भोपाल। राजधानी में रसोई गैस की ई-केवाईसी न कराने वाले करीब 40 हजार उपभोक्ताओं पर कनेक्शन कटने की तलवार लटक गई है। भोपाल के कुल 4.5 लाख गैस उपभोक्ताओं में से लगभग 85 प्रतिशत ने ही अब तक प्रक्रिया पूरी की है, जबकि 40 हजार परिवार अब भी ई-केवाईसी से वंचित हैं। गैस कंपनियों इंडेन, एचपी और भारत गैस ने पहले ई-केवाईसी की अंतिम तिथि 16 अगस्त तय की थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 23 अगस्त किया गया था। रविवार को अंतिम तिथि समाप्त होने के बावजूद कंपनियों की ओर से समय सीमा आगे बढ़ाने को लेकर गैस एजेंसियों को कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। यदि तारीख आगे नहीं बढ़ती है, तो इन उपभोक्ताओं की गैस सप्लाई बंद हो सकती है, जिससे घरों में बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा।

भारत ने श्रीलंका के खिलाफ पहले दिन पांच विकेट पर 300 रन बनाये

कोलंबो। बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल के शानदार शतक 117 रनों की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां मेजबान श्रीलंकाई टीम के खिलाफ शुरु हुए दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन अपनी पहली पारी में 5 विकेट पर 300 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय ध्रुव जुरेल 7 और सारांश जैन 4 रन बनाकर खेल रहे थे। आज भारतीय टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए अच्छी शुरुआत की सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 45 रन बनाये। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने भी अर्धशतक लगाकर टेस्ट क्रिकेट में अपने 3000 रन पूरे किये। आज के खेल का आकर्षण पडिक्कल की पारी रही। इस बल्लेबाज ने 193 गेंदों का सामना करते हुए 12 चौकों की मदद से 117 रन की शानदार और संयमित पारी खेली। वहीं शुभमन ने 50 रन बनाये। इस दौरान उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के एक चक्र में 1000 रन पूरे करने वाले भारत के पहले कप्तान बनने का अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

भारत को दिन के दौरान दो झटके भी लगे, जिससे टीम की चिंताएं थोड़ी बढ़ीं। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत हाथ पर चोट लगने के बाद रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर गये। इसके कुछ समय बाद रवींद्र जडेजा को भी बाएं हाथ में परेशानी हुई और उन्हें मैदान पर फिजियो से उपचार लेना पड़ा। जडेजा ने इसके बाद भी 83 गेंदों पर 43 रन की उपयोगी पारी खेली। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने दिन के अंतिम चरण में लगातार दबाव बनाए रखा और कुछ अहम विकेट हासिल किए। असिता फर्नांडो और केशारा नुवांथा ने अपनी टीम के लिए कुछ अहम विकेट निकालकर भारत की रन गति को नियंत्रित करने की कोशिश की। हालांकि, दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 300/5 का एक मजबूत स्कोर बना लिया। अब ध्रुव जुरेल और इस मैच से डेब्यू करने वाले सारांश जैन पर दूसरे दिन पारी को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी रहेगी।

सारांश को जडेजा ने सौंपी टेस्ट कैप, सबसे अधिक उम्र में डेब्यू करने वाले भारतीय बने

33 साल की उम्र में मध्यप्रदेश के ऑफ स्पिनर सारांश जैन ने भारतीय टीम की ओर से टेस्ट डेब्यू किया है। सारांस को ऑलराउंडर रविन्द्र जडेज ने डेब्यू कैप सौंपी। सारांश 33 साल और 145 दिन की उम्र में भारतीय टीम की ओर से टेस्ट डेब्यू करने वले सबसे उम्रदराज टेस्ट खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले साल 2000 में विकेटकीपर सबा करीम ने 32 साल 362 दिन की उम्र में ढाका में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था।

सारांश को घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के कारण टीम में जगह मिली है। सारांश को अंतिम ग्यारह में चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव की जगह शामिल किया गया है। कुलदीप का प्रदर्शन पहले मैच में अच्छा नहीं रहा था। पिछले रणजी ट्रॉफी सत्र में उन्होंने मध्य प्रदेश के लिए गेंद और बल्ले दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया था। उन्होंने गत सात्र में 518 रन बनाने के साथ-साथ 30 विकेट भी अपने नाम किए थे।

गौरतलब है कि सारांश का फर्स्ट क्लास करियर बेहद प्रभावशाली रहा है। उन्होंने साल 2014 में मध्य प्रदेश की ओर से अपना पहला फर्स्ट क्लास मैच खेला था। अब तक खेले गए कुल 54 फर्स्ट क्लास मैचों में, सारांश ने 31.75 की औसत से कुल 2223 रन बनाए हैं, जिसमें 14 अर्धशतक और 2 शतक शामिल हैं।

शोरिफुल इस्लाम ने सात विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को 210 रनों पर समेटा

मकाय। यहां ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच जारी दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच बेहद रोमांचक हो गया है।जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले ही दिन बांग्लादेश को 64 रनों पर समेट दिया। वहीं इसके बाद बांग्लादेश ने भी शोरिफुल इस्लाम की घातक गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 210 रनों पर ही आउट कर दिया। शोरिफुल ने सात विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने कुल 15 ओवर में 48 रन देकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी क्रम को ढ़हा दिया। केवल कैमरुन ग्रीन ही अर्धशतक लगा पाये। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 146 रन की बढ़त मिल ली। शोरिफुल की गेंदबाजी के बाद भी बांग्लादेश पर इस मैच में हार का खतरा मंडरा रह है।

बांग्लादेश की टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे चल रही है। ऐसे में ये मैच मेजबान टीम टीम के लिए बेहद अहम है। उसे सीरीज बचाने के लिए इसे जीतना ही होगा। पहली पारी में सस्ते में सिमटने के बाद, बांग्लादेश पर अब हार का खतरा मंडरा रहा है। दूसरी पारी में भी बांग्लादेश ने तीन विकेट 33 रनों पर ही खो दिये हैं। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मैच पर शिकंज कस दिया है। ऐसे में बांग्लादेश को अब इस स्थिति से उबरने के लिए असाधारण प्रदर्शन की जरुरत है। अगर वह ऐसा नहीं करती है तो उसकी हार तय है।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

मैकाय। मिचेल स्टार्क , पैट कमिंस और नेथन लायन की घातक गेंदबाजी से बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे ही दिन बांग्लादेश को एक पारी और 51 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-। से बाराबरी कर ली। सीरीज का पहला टेस्ट बांग्लादेश ने 9 विकेट से जीता था। दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जबरदस्त पलटवार करते हुए बांग्लादेश के पहली पारी में 64 और दूसरी में केवल 95 रन पर ही समेट दिया। वहीं मेजबान टीम ने पहली पारी में 210 रन बनाये थे। इस मैच में कुल 10 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को प्लेयर ऑफ द मैच तथा सीरीज में कुल 12 विकेट लेने पर प्लेयर ऑफ द सीरीज के पुरस्कार से नवाजा गया।

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के सामने टिक सकी और उसकी पूरी टीम 38.3 ओवरों में 95 रन पर सिमट गई। स्टार्क ने चार जबकि कमिंस और लायन ने तीन-तीन विके लिए। इससे बांग्लादेश शुरु से ही दबाव में आ गयी। तंजिद हसन 9, शादमान इस्लाम 1 और मोमिनुल को 0 पर आउट हो गये। इसके बाद कप्तान नजमुल शांतो 31 और मुशफिकुर रहीम 29 नाबाद ने पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन 21वें ओवर में नेथन लायन ने शांतो को आउट कर इस साझेदारी का अंत कर दिया। शांतो ने अपनी पारी में छह चौके लगाए। इसके बाद लायन ने तसकीन अहमद (8) और शोरिफुल इस्लाम को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज कर ऑस्ट्रेलिया को बड़ी जीत दिलाई। मुशफिकुर रहीम ही 29 रन पर नाबाद रहे।

इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट पर 165 रनों से आगे खेलना शुरु किया था। सुबह के सत्र में शोरिफुल इस्लाम और तैजुल इस्लाम ने कैमरन ग्रीन 67और जॉश हेजलवुड 6 को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 210 रन के स्कोर पर रोक दिया। शोरिफुल इस्लाम ने बांग्लादेश की ओर से सात विकेट लिए, जबकि तस्कीन अहमद, तैजुल इस्लाम और मेहदी हसन मिराज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 146 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की थी।

मेसी पर विरोधी खिलाड़ी की गर्दन पर हाथ मारने के लिए जुर्माना लगा

मियामी। मेजर लीग सॉकर (एलएलएस) ने अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी पर मैदान हुए एक झड़प को लेकर भारी जुर्माना लगाया है। मेसी की यहां हुए मैच मैच के दौरन फिलाडेल्फिया यूनियन के मिडफील्डर क्रिन सुलिवन से झड़प हो गयी थी। ये मामला इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच 2-2 से बराबरी पर रहे मैच का है। इस मामले में मेसी को दोषी पाया गया है पर उनपर किसी प्रकार क प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। इससे वह अगले मुकाबले में भी खेल सकेंगे। फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में मेसी और सुलिवन के बीच पहले बहस हुई। इसके बाद मेसी पर सुलिवन की गर्दन के पीछे हाथ मारने का आरोप लगा हालांकि मैच के दौरान रेफरी ने दोनों में से किसी भी खिलाड़ी को कोई कार्ड नहीं दिखाया था पर एमएलएस ने बाद में घटना की वीडियो फुटेज देखने के बाद मेसी को अनुशासनात्मक नीति का उल्लंघन करे पाया।

जडेजा डब्लयूटीसी में 50 वां मैच खेलने वाले पहले एशियाई क्रिकेटर बने

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) में 50 मैच खेलने वाले पहले एशियाई क्रिकेटर बन गये हैं। जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में उतरते ही ये उपलब्धि अपने नाम की है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में उत्साह जगाने के लिए डब्लयूटीसी साल 2019 में शुरु की गयी थी। तभी से जडेजा लगातार भारतीय टीम में शामिल रहे हैं। इसमें खेले 49 मुकाबलों में, जडेजा ने 2632 रन बनाने के साथ ही 160 विकेट भी लिए हैं। इससे अंदाजा होता है कि वह कितने अच्छे ऑलराउंडर भी हैं। वह एक बाएं हाथ के स्पिनर होने के साथ ही निचले क्रम के एक बेहतरीन बल्लेबाज भी हैं।

इस श्रीलंकाई दौरे पर भी जडेजा ने गाले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में उन्होंने चार विकेट लिए थे, जिसमें पहली पारी में तीन विकेट लिए थे। उनकी सटीक गेंदबाजी और दबाव में रन बनाने की क्षमता उन्हें हर प्रारूप में एक बेहतर खिलाड़ी बनाती है पर टेस्ट क्रिकेट में उनका प्रदर्शन विशेष रूप से अच्छा रहा है।

डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में भी जडेजा अब नंबर एक स्थान पर हैं। उनके बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने अब तक 46-46 मैच खेले हैं। जडेजा का 50 मैच खेलना केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह टेस्ट क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, निरंतरता और भारतीय टीम के लिए उनके निस्वार्थ खेल का प्रमाण भी है। उनकी फिटनेस, मैदान पर उनकी ऊर्जा और महत्वपूर्ण क्षणों में प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता उन्हें टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक बनाती है। कोलंबो में चल रहा यह दूसरा टेस्ट न केवल सीरीज जीत के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी के करियर में एक ऐतिहासिक अध्याय भी जोड़ रहा है। वहीं सबसे अधिक डब्ल्यूटीसी मैच खेलने की उपलब्धि इंग्लैंड के कप्तान जो रुट के नाम है। रूट ने अब तक 78 डब्यलूटीसी मुकाबलों में भाग लिया है। वहीं दूसरे नंबर पर उनके ही हमवन और पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स हैं। उनके नाम 64 मैच हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ 61 मैच खेलकर तीसरे नंबर पर हैं।

जायसवाल-फर्नांडो भिड़ंत से गरमाया माहौल

कोलंबो। यहां भारत और श्रीलंका के बीच शुरु हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में उस समय अप्रिय स्थिति बन गयी जब भारत और श्रीलंका के दो खिलाड़ियों सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच झड़प हो गयी। शुरुआत में दोनो के बीच बहस हुई जो बढ़ते बढ़ते टकराव में बदल गई। ये मामला भारतीय पारी के 17वें ओवर का है। उस समय फर्नांडो की गेंद पर यशस्वी 45 रनों पर आउट होने के बाद पेवेलियन लौट रहे थे। तभी फर्नांडो उनको लेकर अपने आक्रामक हाव-भाव दिखाने लगे। इस पर यशस्वी भी भड़क गये और दोनो के दूसरे के बेहद करीब आ गये। इससे स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि दोनों के सिर आपस में टकराए और धक्का-मुक्की भी हुई। हालांकि, अन्य श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और दोनों को अलग करके मामले को शांत किया, जिससे खेल फिर से शुरू हुआ। यशस्वी ने अपनी 53 गेंदों की पारी के दौरान 9 चौके लगाए और श्रीलंकाई गेंदबाजों की खराब लाइन और लेंथ का पूरी लाभ उठाया।

एफआईएच हॉकी विश्वकप के दूसरे दौर में नीदरलैंड्स ने भारतीय टीम को 3-1 से हराया

एम्सटलवीन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी विश्वकप के दूसरे दौर में नीदरलैंड्स ने 3-1 से हरा दिया। ओलंपिक विजेता के खिलाफ हुए मैच में भारतीय टीम ने काफी प्रयास किया पर वह जीत हासिल करने में विफल रही। इस हार के साथ भारतीय टीम के लिए टूर्नामेंट में आगे जान बेहद कठिन हो गया है। भारतीय टीम ने इस मैच में अच्छी शुरुआत की पर वह डच टीम के सामने टिक नहीं पायी। मैच के पहले और दूसरे क्वार्टर में भारतीय रक्षापंक्त ने डच आक्रमक को विफल करने में सफलता हासिल की पर इसके बाद वह इसे बरकरार नहीं रख पायी। मध्यांतर तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर था पर इसके बादा नीदरलैंड्स के खिलाड़ी गोल करने में सफल रहे।

हाफटाइम के बाद, नीदरलैंड्स ने अपनी गति और बढ़ा दी। भारतीय टीम ने भी शुरुआत में कुछ हमले किये पर वह उन्हें गोल में नहीं बदल पायी। मैच के 41वें मिनट में डच टीम ने एक गोल कर स्कोर 1-0 से आगे कर दिया। नीदरलैंड्स के खिलाड़ी डुको टेलजेनकम्प ने भारतीय रक्षापंक्ति की कमी का लाभ उठाते हुए एक शानदार फील्ड गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बड़ी बढ़त दिलाई। इस मैच का अंतिम और चौथा क्वार्टर बेहद रोमांचक और नाटकीय रहा। 1-0 से पिछड़ने के बाद, भारतीय टीम ने बराबरी के प्रयास शुरु कर दिये। डच टीम ने इसी बीच एक गोल दाग दिया। इससे स्कोर 2-0 हो गया और भारत की मुश्किलें बढ़ गईं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 52वें मिनट में एक गोल कर स्कोर 2-1 पर पहुंच दिया। इसके तीन मिनट बाद ही 55वें मिनट डच खिलाड़ियों ने एक गोल कर स्कोर 3-1 पहुंचा दिया। इसके बाद टीम के लिए वापसी असंभव हो गयी।

शून्य पर आउट हुए बिना बल्लेबाजों का अनोखा रिकॉर्ड, केप्लर वेसेल्स शीर्ष पर

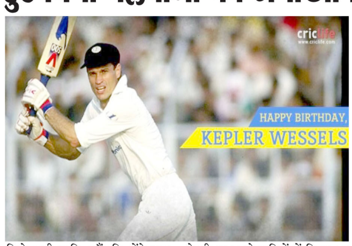

नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट में बिना खाता खोले पवेलियन लौटना किसी भी बल्लेबाज के लिए बेहद निराशाजनक होता है, लेकिन क्रिकेट इतिहास में कुछ ऐसे धुरंधर भी हुए हैं जिन्होंने अपने पूरे वनडे करियर में कभी डक का सामना नहीं किया। यह उपलब्धि न केवल उनकी बल्लेबाजी तकनीक बल्कि मानसिक दृढ़ता और निरंतरता को भी दर्शाती है। इस दुर्लभ सूची में ऑस्ट्रेलियाई और दक्षिण अफ्रीकी टीमों का प्रतिनिधित्व करने वाले केप्लर वेसेल्स सबसे ऊपर हैं, जिन्होंने अपने करियर की 105 पारियों में कभी शून्य पर आउट हुए बिना 3367 रन बनाए। वेसेल्स का यह रिकॉर्ड लंबे समय तक अटूट रहने की संभावना है, जो उन्हें इस विशिष्ट क्लब का निर्विवाद सरताज बनाता है। इस विशिष्ट क्लब में न्यूजीलैंड के अनुभवी ऑलराउंडर डेरिल मिचेल भी शामिल हैं, जिन्होंने अब तक 57 वनडे पारियों में बल्लेबाजी की है और उनके खाते में 2811 रन दर्ज हैं। मिचेल भी अभी तक किसी वनडे पारी में शून्य पर आउट नहीं हुए हैं, जो उनकी प्रभावशाली निरंतरता को दर्शाता है और एक सक्रिय खिलाड़ी के तौर पर उनके रिकॉर्ड को और भी खास बनाता है। पाकिस्तान के सलमान अली आगा ने भी 45 वनडे पारियों में बिना डक के 1566 रन बनाए हैं, जो एक युवा खिलाड़ी के तौर पर उनकी स्थिरता को दिखाता है।

भारत की ओर से इस सूची में पूर्व क्रिकेटर यशपाल शर्मा का नाम सबसे ऊपर है। 1978 से 1985 के बीच वनडे क्रिकेट खेलने वाले यशपाल शर्मा ने अपने करियर में 40 पारियां खेलीं और किसी भी पारी में शून्य पर आउट नहीं हुए। उन्होंने इन 40 पारियों में कुल 883 रन बनाए, जो भारतीय बल्लेबाजों में बिना डक के सबसे ज्यादा वनडे पारियां खेलने का रिकॉर्ड है। उनके बाद भारत के वाशिंगटन सुंदर का नंबर आता है, जो अब तक 23 वनडे पारियों में बल्लेबाजी कर चुके हैं और एक बार भी शून्य पर आउट नहीं हुए हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह अपने इस रिकॉर्ड को कब तक कायम रख पाते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के पीटर कर्स्टन ने भी 40 वनडे पारियों में बिना डक के बल्लेबाजी की और इस दौरान 1293 रन बनाए। उनके हमवतन जैक्स रूडोल्फ ने 39 पारियों में 1174 रन बनाए और कभी शून्य पर आउट नहीं हुए। आयरलैंड के कर्टिस कैंफर ने भी 39 वनडे पारियों में बल्लेबाजी करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है, जो उनके छोटे करियर में एक बड़ी उपलब्धि है। इस अनोखे रिकॉर्ड क्लब में शामिल होने वाले अन्य खिलाड़ियों में ऑस्ट्रेलिया के नैथन हौरिट्ज (32 पारियां, 336 रन), अमेरिका के गजानंद सिंह (32 पारियां, 986 रन), इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर जैक रसेल (31 पारियां) और नीदरलैंड्स के टॉम कूपर (31 पारियां) का नाम भी शुमार है। इन सभी खिलाड़ियों ने लंबे समय तक क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में शून्य के खतरे से बचते हुए अपनी बल्लेबाजी कौशल और मानसिक शक्ति का प्रदर्शन किया है। यह एक ऐसा आंकड़ा है जो अक्सर सुर्खियों में नहीं आता, लेकिन यह खिलाड़ियों की एकाग्रता और दबाव में स्थिर प्रदर्शन करने की क्षमता का स्पष्ट प्रमाण है।

मयंक भारतीय टीम के अनुभव साझा कर जूनियर खिलाड़ियों को करते हैं प्रेरित - सिमरजीत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स को सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी धमाकेदार वापसी दर्ज की है। इस महत्वपूर्ण मुकाबले में पहले गेंदबाजों ने विपक्षी टीम को छोटे स्कोर पर समेटने में कामयाबी पाई, जिसके बाद बल्लेबाजों ने संयम और सूझबूझ का परिचय देते हुए लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। जीत के बाद टीम के कप्तान सिमरजीत सिंह ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स की रणनीति और बदली हुई मानसिकता पर विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट की धीमी शुरुआत के बावजूद, टीम ने अब मजबूत मानसिकता के साथ वापसी का फैसला किया है। खिलाड़ियों ने हर मुकाबले को अनावश्यक दबाव में लेने के बजाय अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया है। सिमरजीत के अनुसार, टीम का मुख्य उद्देश्य कोचिंग स्टाफ, प्रबंधन और प्रशंसकों को अपनी वास्तविक क्षमता दिखाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम अन्य टीमों की प्लेऑफ संभावनाओं के बारे में नहीं सोच रही, बल्कि उनका पूरा ध्यान अपने प्रदर्शन में सुधार करने और आगामी घरेलू व राज्य स्तरीय क्रिकेट के लिए बेहतर तैयारी करने पर है। खिलाड़ियों का प्रयास है कि पहले हुई गलतियों से सबक सीखकर उन्हें भविष्य में न दोहराया जाए और टूर्नामेंट का समापन बेहतरीन प्रदर्शन के साथ किया जाए।

कप्तान सिमरजीत ने तेज गेंदबाज मयंक यादव की भी जमकर सराहना की, जिन्होंने मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह टीम के लिए अमूल्य योगदान दिया। सिमरजीत ने बताया कि मयंक भारतीय टीम के साथ अपने अनुभव और दिलचस्प किस्से साथी खिलाड़ियों, खासकर युवा और जूनियर खिलाड़ियों के साथ साझा करते हैं, जिससे उन्हें बहुत प्रेरणा मिलती है। उनके अनुसार, मयंक दिल्ली क्रिकेट से गहराई से जुड़े हुए हैं और टीम के साथ एक सहज और सकारात्मक माहौल बनाए रखते हैं, जो खिलाड़ियों को खुलकर प्रदर्शन करने में मदद करता है। सिमरजीत ने अपनी और मयंक की गेंदबाजी साझेदारी के बारे में बताते हुए कहा कि दबाव वाले मुकाबलों में वे दोनों लगातार आपस में बातचीत करते हैं। वे मैच की स्थिति के अनुसार अपनी गेंदबाजी रणनीति तय करते हैं, इस बात पर चर्चा करते हैं कि किस समय किस गेंदबाज को आक्रमण करना चाहिए और टीम के लिए कौन सा विकल्प सबसे प्रभावी रहेगा। इस बेहतरीन तालमेल से विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखने में मदद मिलती है।

द्रविड़ को बड़ी उम्मीद वैभव की टेस्ट टीम में हो सकती है एंट्री

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी को लेकर पूर्व दिग्गज बल्लेबाज और कोच राहुल द्रविड़ ने बड़ी उम्मीद जताई है। द्रविड़ का मानना है कि 15 वर्षीय वैभव में भविष्य में भारतीय टेस्ट टीम तक पहुंचने की क्षमता है, लेकिन इसके लिए उनके करियर में व्हाइट-बॉल और रेड-बॉल क्रिकेट के बीच सही संतुलन बनाना बेहद जरूरी होगा। आईपीएल और टी20 क्रिकेट में अपनी प्रतिभा से प्रभावित करने वाले वैभव अब दलीप ट्रॉफी के जरिए रेड-बॉल क्रिकेट में खुद को साबित करने की चुनौती का सामना करेंगे। राहुल द्रविड़ ने कहा कि वैभव को व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अनुभव हासिल करने के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए, लेकिन साथ ही उनके रेड-बॉल करियर को भी लगातार आगे बढ़ाना जरूरी है। द्रविड़ आईपीएल 2025 के दौरान राजस्थान रॉयल्स के साथ काम करते हुए वैभव को करीब से देख चुके हैं और उनका मानना है कि इस युवा बल्लेबाज को लगातार रेड-बॉल मैच खेलने का मौका मिलने से काफी फायदा होगा।

द्रविड़ के अनुसार, वैभव ने अभी तक टेस्ट प्रारूप जैसी परिस्थितियों में पर्याप्त क्रिकेट नहीं खेली है। ऐसे में दलीप ट्रॉफी उनके विकास के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित हो सकती है। यदि ईस्ट जोन की टीम टूर्नामेंट में आगे बढ़ती है और फाइनल तक पहुंचती है तो वैभव को लगातार कई रेड-बॉल मुकाबले खेलने का अवसर मिल सकता है। इससे उनकी तकनीक, धैर्य और लंबी पारी खेलने की क्षमता की असली परीक्षा होगी। पूर्व भारतीय कप्तान ने यह भी कहा कि वैभव अभी केवल 15 साल के हैं, इसलिए उनके प्रदर्शन को लेकर जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में सफलता मिलने के बाद भी किसी खिलाड़ी के करियर में अच्छे और बुरे दोनों दौर आते हैं। इसलिए वैभव को समय देने और उनके साथ धैर्य बनाए रखने की जरूरत है। वैभव सूर्यवंशी अब तक आठ फर्स्ट क्लास मैच खेल चुके हैं, जिसमें उनका औसत 17.25 रहा है। हालांकि उन्हें इस प्रारूप में लगातार खेलने का पर्याप्त मौका नहीं मिला है। दलीप ट्रॉफी के बाद सितंबर में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की ओर से होने वाले दो अनौपचारिक टेस्ट मैच भी उनके लिए रेड-बॉल क्रिकेट में अपनी क्षमता साबित करने का बड़ा अवसर बन सकते हैं। राहुल द्रविड़ का मानना है कि अगर वैभव दुनिया भर की टी20 लीगों में खेलने के बजाय भारतीय घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में भी समय देते हैं, तो यह उनके लंबे करियर के लिए बेहद सकारात्मक होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि वैभव ने व्हाइट-बॉल क्रिकेट की तरह रेड-बॉल क्रिकेट में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन किया, तो भविष्य में भारतीय टेस्ट टीम में उनकी एंट्री संभव है। द्रविड़ के मुताबिक, वैभव का तीनों प्रारूपों में सफल होना भारतीय क्रिकेट के साथ-साथ पूरे क्रिकेट जगत के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।

ब्राजील के खिलाफ मैच पर बाइचुंग भूटिया ने उठाए सवाल

- बोले- 90 मिनट के मुकाबले पर करोड़ों खर्च करना गलत

नई दिल्ली । भारत और पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील के बीच 3 अक्टूबर को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में होने वाले हाई-प्रोफाइल फ्रेंडली मैच को लेकर फुटबॉल प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। ब्राजील जैसी दिग्गज टीम के खिलाड़ियों को भारत में खेलते देखने का मौका निश्चित रूप से देश के युवा फुटबॉल प्रेमियों के लिए खास होगा। हालांकि, भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया ने इस मुकाबले के आयोजन पर गंभीर सवाल उठाते हुए प्रशंसकों से मैच के बहिष्कार की अपील की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्राजील के भारत दौरे और मुकाबले के आयोजन पर करीब 60 से 70 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। भूटिया का कहना है कि भारतीय फुटबॉल को इस समय बड़े प्रदर्शनात्मक मुकाबले की बजाय जमीनी स्तर और क्लब फुटबॉल में निवेश की जरूरत है। उनके अनुसार 90 मिनट के मैच पर इतनी बड़ी राशि खर्च करना संसाधनों का सही इस्तेमाल नहीं है। उन्होंने प्रशंसकों से मुकाबले का बहिष्कार कर आयोजकों और फुटबॉल महासंघ को संदेश देने की अपील की। भूटिया ने कहा कि अगर प्रशंसक मैच का बहिष्कार करते हैं तो यह बड़ा संदेश होगा और भविष्य में आयोजकों तथा महासंघों को ऐसे फैसले लेने से पहले दो बार सोचना पड़ेगा। ब्राजील के मैच को प्राथमिकता देने के लिए भारत के पहले प्रस्तावित फीफा आसियान कप से हटने के फैसले पर भी भूटिया पहले आलोचना कर चुके हैं।

35 किलोमीटर पैदल कांवड़ यात्रा, गुप्तेश्वर महादेव के जलाभिषेक को निकले शिवभक्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सावन के अंतिम सोमवार से एक दिन पहले रविवार को बालाघाट शहर से भगवान गुप्तेश्वर महादेव के जलाभिषेक के लिए सैकड़ों शिवभक्तों की कांवड़ यात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ रवाना हुई। बब्बर सेना की अगुवाई में निकली इस पैदल कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालु कंधों पर कांवड़ लेकर वैनगंगा नदी का पवित्र जल अपने साथ ले गए। जैसे ही शिवभक्त शहर से आगे बढ़े, हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से वातावरण शिवमय हो गया। बब्बर सेना के प्रतिनिधि मुकेश माहुले ने बताया कि भगवान गुप्तेश्वर महादेव के जलाभिषेक के लिए यह कांवड़ यात्रा कई वर्षों से लगातार सावन माह में निकाली जा रही है। यात्रा में बालाघाट के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के शिवभक्त भी बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि यात्रा पूरी तरह पैदल होती है और श्रद्धालु वैनगंगा

नदी का जल लेकर गुप्तेश्वर महादेव मंदिर पहुंचते हैं, जहां सावन के अंतिम सोमवार को भगवान गुप्तेश्वर शिवलिंग का जलाभिषेक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बालाघाट से गुप्तेश्वर महादेव मंदिर तक लगभग 35 किलोमीटर की यह यात्रा है। रविवार को यात्रा का पहला पड़ाव बालाघाट मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर दूर हट्टा में रहेगा। यहां रात्रि विश्राम के बाद सोमवार को कांवड़िए आगे की यात्रा शुरू करेंगे और करीब 20 किलोमीटर का सफर तय कर गुप्तेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेंगे। इसके बाद श्रद्धालु अपने साथ लेकर गए वैनगंगा नदी के पवित्र जल से भगवान शिव का अभिषेक करेंगे। कांवड़ यात्रा की इस परंपरा को लेकर मुकेश माहुले ने बताया कि देवी भक्त मामा स्वर्गीय डाली दमाहे ने इस यात्रा की शुरुआत की थी। उनके द्वारा शुरू की गई यह धार्मिक परंपरा वर्षों बाद भी निरंतर जारी है और हर सावन में शिवभक्त इसमें शामिल होकर भगवान गुप्तेश्वर महादेव का जलाभिषेक करते हैं। समय के साथ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ती जा रही है। रविवार शाम करीब 5 बजे कांवड़ यात्रा लिंगा स्थित लिंगेश्वर मंदिर पहुंची। यहां पहुंचने पर कांवड़ियों ने लिंगेश्वर भगवान की पूजा-अर्चना की और आगे की यात्रा के लिए प्रस्थान किया। इस दौरान लिंगा युवा समिति और ग्रामीणों ने कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों का स्वागत किया। ग्रामीणों की ओर से कांवड़ियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई, जिससे यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को राहत मिली। कांवड़ यात्रा के दौरान रास्तेभर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। कंधों पर कांवड़ उठाए शिवभक्तों के साथ हर-हर महादेव के जयघोष और भक्ति गीतों से पूरा मार्ग भक्तिमय नजर आया। सावन के अंतिम सोमवार को भगवान गुप्तेश्वर महादेव का जलाभिषेक करने की आस्था लेकर निकले श्रद्धालुओं के चेहरे पर थकान के बजाय उत्साह नजर आया।

दस साल में केंद्र सरकार के खाली पदों की संख्या दोगुनी

- 2015 में 4.21 लाख पद के मुकाबले 2024 में 8.24 लाख

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के विभागों में स्वीकृत पदों के मुकाबले रिक्त पदों की संख्या पिछले एक दशक में तेजी से बढ़कर 2 गुना हो गई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2015 में करीब 4.21 लाख पद खाली थे। जो 2024 में बढ़कर 8.24 लाख हो गए हैं । दस वर्षों में रिक्तियों में 4.03 लाख की वृद्धि हुई है। यह संख्या लगभग दोगुनी हो गई है।

आंकड़ों के मुताबिक रिक्त पदों का हिस्सा बढ़ा है। 2015 के आसपास स्वीकृत पदों में रिक्तियों की हिस्सेदारी करीब 11.5 प्रतिशत थी, जबकि 2024 में यह बढ़कर 21 प्रतिशत हो गई है। इस दौरान केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में स्वीकृत पदों की संख्या बढ़ी, लेकिन कार्यरत कर्मचारियों की संख्या में अपेक्षित भर्ती नहीं हुई। जिसके कारण रिक्त पदों की संख्या बढ़ती ही जा रही है।

रिक्तियों में रेलवे और स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति सबसे बड़ी चिंता का विषय है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2024 में रेलवे में करीब 2.40 लाख पद, यानी लगभग 16.2 प्रतिशत पद रिक्त थे।

केंद्र सरकार का कहना है, रिक्त पदों को भरना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। भर्ती अभियान मिशन मोड में चलाए जा रहे हैं। सरकार ने 2022 से मिशन रिक्रूटमेंट और रोजगार मेलों के माध्यम से नियुक्तियों में तेजी लाने की बात कही है।

बढ़ती रिक्तियां ऐसे समय में महत्वपूर्ण हैं, जब सरकारी नौकरियों की मांग को लेकर अब आंदोलन भी हो रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार समयबद्ध भर्ती से सरकारी सेवाओं पर बढ़ते कार्यभार को कम करने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ाए जा सकते हैं। जिस तरह से अब आंदोलन बड़ी तेजी के साथ हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार को रिक्त पदों की भर्ती के लिए सुंयोजित प्रयास करने होंगे।

एक देश एक चुनाव की कवायद तेज, इसी आम चुनाव में होगा लागू ?

नई दिल्ली। देशभर में लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ कराने को लेकर कवायद तेज हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक देश, एक चुनाव को लेकर बनाई गई संसद की संयुक्त समिति ने भी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इस बारे में सलाह लेनी शुरू कर दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार एक देश एक चुनाव के लिए 2034 की डेडलाइन को घटाकर 2029 ही करना चाहती है। यानी अगला लोकसभा चुनाव बिल्कुल अलग अंदाज में हो सकता है। इसके साथ ही विधानसभा के चुनाव भी करवाए जा सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो एक साथ ही सभी राज्य की विधानसभाओं को भंग कर दिया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य देश के चुनाव चक्र को सुव्यवस्थित करना, चुनावी खर्च को कम करना और बार-बार होने वाली आदर्श आचार संहिता के कारण विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं को दूर करना है।

इस समय देश के 22 राज्यों में एनडीए की सरकार है। इनमें से 11 राज्यों में अगले दो सालों में विधानसभा का चुनाव होना है। चार ऐसे राज्य हैं जिनमें लोकसभा चुनाव के साथ ही चुनाव हो सकते हैं। इनमें आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और ओडिशा का नाम शामिल है। 2024 में एक देश एक चुनाव को लेकर जो कमेटी बनाई गई थी उसका टारगेट यही था कि 2034 में साथ में चुनाव कराने को लेकर रणनीति तैयार की जाए। अब सरकार इस प्रयास में है कि इसके लिए ज्यादा इंतजार ना किया जाए और इसे जल्द से जल्द लागू किया जाए। इसका मतलब यह है कि देश की चुनावी प्रणाली में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है, जिससे राजनीतिक परिदृश्य भी प्रभावित होगा।

संयुक्त संसदीय समिति पिछले दो साल से अपने काम में लगी है और इस शीत सत्र में संसद में रिपोर्ट जमा कर सकती है। संविधान का अनुच्छेद 174 2, बी राज्यपाल को विधानसभा भंग करने का अधिकार देता है। ऐसे में अगर एक साथ चुनाव करवाने होंगे तो जनवरी में ही राज्यों की विधानसभा भंग कर दी जाएगी। जिन राज्यों में एनडीए की सरकार है वहां यह आसान होगा, क्योंकि मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही राज्यपाल विधानसभा भंग कर सकते हैं। यह प्रक्रिया कई राज्यों में संवैधानिक और राजनीतिक चुनौतियां भी पैदा कर सकती है, खासकर उन राज्यों में जहां सरकार का कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ है।

संसद का शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होता है और क्रिसमस से पहले संपन्न हो जाता है। यह 41 सदस्यीय समिति एक देश, एक चुनाव व्यवस्था को लागू करने के लिए संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 पर विचार-विमर्श कर रही है। समिति 2029 तक, लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव पर देश भर में परामर्श कर रही है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए कई संवैधानिक संशोधनों और व्यापक राजनीतिक सहमति की आवश्यकता होगी। बीजेपी के कुछ मुख्यमंत्रियों ने पहले ही लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा के चुनाव कराने की इच्छा जाहिर की है। गोवा, हरियाणा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों ने इसका समर्थन किया है।

एमबीबीएस सीट एलॉटमेंट जारी, आरक्षण के अनुसार मिलेगा प्रवेश

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 की काउंसलिंग के तहत एमबीबीएस सीट एलॉटमेंट की प्रक्रिया हो गई है। मेडिकल काउंसलिंग कमेटी(एमसीसी) ने राउंड-1 का संशोधित प्रोविजनल सीट एलॉटमेंट परिणाम जारी कर दिया है। इसके साथ एमबीबीएस, बीडीएस और बीएससी नर्सिंग की सीट मैट्रिक्स उपलब्ध कराई गई है।

सीटों का आवंटन अभ्यर्थियों की नीट रैंक, पसंद और आरक्षण व्यवस्था के आधार पर किया गया है। अखिल भारतीय कोटे में सामान्य वर्ग के अलावा ओबीसी-एनसीएल, ईडब्ल्यूएस, एससी और एसटी वर्ग के लिए निर्धारित आरक्षण लागू है। सामान्यत: ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत, एससी के लिए 15 प्रतिशत, एसटी के लिए 7.5 प्रतिशत और ईडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण निर्धारित है।

पाठ्यक्रम सीट मैट्रिक्स

एमबीबीएस एमसीसी राउंड-1 में शामिल

बीडीएस एमसीसी राउंड-1 में शामिल

बीएससी नर्सिंग एमसीसी राउंड-1 में शामिल

वर्ग जनरल, को एमबीबीएस 996653 ओबीसी, 1194233, इडब्लूएस, 983455, एससी, 1194131 एसटी, 1177113 सिम आरक्षित की गई हैं।

मध्य प्रदेश में राज्य कोटे की राउंड-1 सीट एलॉटमेंट प्रक्रिया 24 अगस्त को निर्धारित है।

नोट- ऊपर की तालिका में आधिकारिक एमसीसी सीट मैट्रिक्स की कुल संख्या उपलब्ध स्त्रोत में प्रदर्शित नहीं हुई है, इसलिए अनुमानित आंकड़े नहीं दिए गए हैं।

नितिन नबीन की संगठन के साथ तीन घंटे बैठक, राज्यों के अध्यक्ष और प्रभारी भी हुए शामिल

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में संगठन के साथ करीब तीन घंटे तक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में भाजपा के सभी प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री और प्रदेश प्रभारी शामिल हुए। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब पार्टी ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम के गठन के बाद संगठन को आगामी चुनावों के लिए तैयार करने की कवायद तेज कर दी है।

बैठक में संगठन को मजबूत करने, राज्यों में पार्टी की गतिविधियों को बढ़ाने और कार्यकर्ताओं को जनता से सीधे जोड़ने की रणनीति पर चर्चा हुई। भाजपा की नई टीम का मुख्य जोर जमीनी स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाने और केंद्र सरकार की योजनाओं तथा उपलब्धियों को आम लोगों तक पहुंचाने पर है। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। पार्टी इन कार्यक्रमों के जरिए प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल और सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने की तैयारी कर रही है। इससे एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम के पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। करीब साढ़े चार घंटे चली उस बैठक में प्रधानमंत्री ने नए पदाधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और संगठन में अपने पुराने अनुभव साझा किए। युवाओं से जुड़ाव बढ़ाने और संगठन को और मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। नितिन नबीन की अध्यक्षता में हुई ताजा बैठक को आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा अब संगठनात्मक स्तर पर राज्यों की स्थिति की समीक्षा करते हुए चुनावी रणनीति को और धार देने में जुटी है।

आतंकवादी साजिश से जुड़े मामले में एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में मारा छापा

जम्मू। एनआईए ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर में 10 ठिकानों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई सीमा पार आतंकवादी साजिश से जुड़े एक मामले में की गई, जिसमें पाकिस्तान स्थित आकाओं और स्थानीय मददगारों का एक नेटवर्क कथित रूप से शामिल है। यह नेटवर्क कथित तौर पर भारत में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को सहायता प्रदान कर रहा था।

एनआईए के मुताबिक श्रीनगर, कुपवाड़ा, अनंतनाग, पुलवामा और बडगाम में की गई इस तलाशी अभियान का उद्देश्य साजिश से जुड़े दस्तावेजी, डिजिटल और अन्य भौतिक सबूत जुटाना और कथित तौर पर स्थानीय सहायता नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका का पता लगाना था। यह मामला 31 मार्च 2026 की देर रात एक जांच चौकी पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक मददगार की गिरफ्तारी के बाद शुरू किया गया था। उसके कब्जे से एक हथगोला और कारतूस बरामद किए गए थे।

जांच एजेंसी ने कहा कि जांच में साजिश से कथित रूप से जुड़े पाकिस्तानी आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही स्थानीय मददगार नेटवर्क के सदस्यों की पहचान और उनकी कथित भूमिकाओं का भी पता लगाया गया। बयान के मुताबिक जांच में वित्तीय लेन-देन, संचार माध्यमों, आरोपियों की आवाजाही और हथियारों और विस्फोटकों के स्त्रोत की भी पड़ताल की जा रही है, ताकि पूरे नेटवर्क और उसकी गतिविधियों के दायरे का पता लगाया जा सके। इसके मुताबिक एनआईए साजिश में शामिल सभी लोगों की पहचान करने और उनकी भूमिका का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

महंगाई की मार...प्याज, तेल, चीनी, दूध और दालों ने बिगड़ा रसोई का बजट, इथेनॉल नीति की भेंट चढ़ी गरीबों की मिठास !

नई दिल्ली/भोपाल। देशवासियों पर एक बार फिर महंगाई की मार पड़ी है। पिछले एक हफ्ते के दौरान देशभर में खाने-पीने की चीजें महंगी हुई हैं। चीनी के दाम के साथ-साथ प्याज, टमाटर, दूध और तेल की कीमतें भी बढ़ी हैं। इसके अलावा, दाल की कीमतों में भी उछाल आया है और आगे भी तेजी का अनुमान लगाया गया है। रसोई के इन चीजों की कीमतों को थामने के लिए सरकार एक्टिव तो हो गई है, लेकिन महंगाई को लेकर चिंता बनी हुई है। पिछले एक सप्ताह में चीनी की कीमतें 7 रुपये तक चढ़ गई हैं और एक महीने के दौरान इसमें 17 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है, जिस कारण चीनी अब 70 रुपये प्रति किलो बिक रही है। वहीं मध्य प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का दावा उस वक्त सवालों के घेरे में आ गया, जब प्रदेश के अति-गरीब परिवारों के राशन से मिठास गायब हो गई। शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से अति गरीबी रेखा में आने वाले लगभग 12 लाख अंत्योदय कार्ड धारकों को मिलने वाली 20 रुपये प्रति किलो की

मप्र में गरीबों की शक्कर बंद!

रियायती शक्कर अप्रैल माह से पूरी तरह बंद है। एक तरफ खुले बाजार में शक्कर की कीमतें आसमान छू रही हैं, वहीं दूसरी तरफ अति-गरीब परिवारों को मिलने वाला कोटा ठप होना प्रशासनिक दावों और सरकारी नीतियों पर सवाल खड़े करता है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के एईपीडीएस पोर्टल पर हमारी पड़ताल में चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई है। पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार जनवरी में 12,51,418 किलो शक्कर का आवंटन, फरवरी में 12,35,167 किलो शक्कर का आवंटन, मार्च 12,58,320 किलो शक्कर का आवंटन और अप्रैल से अगस्त तक आवंटन पूरी तरह शून्य रहा है। इस संबंध में जब मैदानी अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने साफ शब्दों में पल्ला झाड़ते हुए कहा कि शक्कर का आवंटन ऊपर (शासन/केंद्र स्तर) से ही नहीं आ रहा है, जिसके कारण वितरण संभव नहीं है।

इथेनॉल नीति पर बिफरा विपक्ष

शक्कर की किल्लत और बढ़ती कीमतों को लेकर राजनीतिक गलियारों में जुबानी जंग तेज हो गई है। इंडियन नेशनल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया से लेकर जमीनी स्तर पर सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। विपक्ष का सीधा आरोप है कि सरकार गन्ने का उपयोग बड़े पैमाने पर इथेनॉल बनाने के लिए कर रही है। इथेनॉल उत्पादन की वजह से चीनी मिलों में शक्कर का उत्पादन गिरा है। उत्पादन कम होने से बाजार में शक्कर के दाम बेतहाशा बढ़े हैं और इस नीतिगत संकट का सीधा खामियाजा गरीबों को भुगतना पड़ रहा है। राजनीतिकसमाचार और विश्लेषण पढना

महंगाई की दोहरी मार

रियायती शक्कर बंद होने से गरीब परिवारों का बजट पूरी तरह गड़बड़ा गया है। जमीनी हालात बताते हैं कि जो 50 किलो की बोरी पहले 2,000 रुपये में मिलती थी, वह अब 3,225 रुपये की हो चुकी है। बाजार में शक्कर 65 से 70 रुपये प्रति किलो बिक रही है। शक्कर महंगी होने से आम दुकानों पर 10 रुपये में मिलने वाली चाय अब 15 रुपये में मिल रही है। एक तरफ गन्ने से इथेनॉल बनाने की नीति पर उठते सवाल और दूसरी तरफ पीडीएस दुकानों से अप्रैल से शक्कर गायब होना-इस पूरे प्रकरण ने विपक्ष को और हमलावर कर दिया है। सवाल यह है कि बाजार में लगभग दोगुनी कीमत पर बिक रही शक्कर के बीच 12 लाख अंत्योदय कार्ड धारकों को उनका हक कब मिलेगा? चीनी की कीमतों को कंट्रोल करने के लिए सरकार तीन स्तरों पर काम कर रही है। बाजार में आपूर्ति बढ़ाने के लिए 31 अक्टूबर तक ड्यूटी फ्री 10 लाख टन आयात की मंजूरी दी है। इसके साथ ही जमाखोरी को रोकने के लिए स्टाक सीमा तय कर दी गई है। तीसरा- घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए चीनी मिलों से इस बार जल्द यानी 15 अक्टूबर से पेराई शुरू करने को कहा है।

जापानी फाइनेंशियल सर्विस कंपनी नोमुरा की रिपोर्ट में दावा...

एआई भारत में नौकरियां छीनने से ज्यादा दे रहा

नई दिल्ली। एआईभारत में नौकरियों पर खतरा है। जापानी फाइनेंशियल सर्विस कंपनी नोमुरा की रिपोर्ट इस बात को झुठला रही है। नोमुरा की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में एआई नौकरियां खत्म करने की तुलना में नए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा कर रहा है। हालांकि, तकनीकी बदलाव की वजह से टीआई सेक्टर में जूनियर्स और फ्रेशर्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत, चीन और फिलीपींस उन देशों में शामिल हैं, जहां एआई से नौकरियों का ग्राफ ऊपर गया है।

नोमुरा ने बाजार में आ रहे बदलाव को के-शेप्ड स्प्लिट का नाम दिया है। यानी रोजगार के लिए बाजार दो हिस्सों में बंट गया है। एक तरफ फ्रेशर्स की मांग लगातार गिर रही है, तो दूसरी तरफ अनुभवी सीनियर लोगों की पूछ बढ़ गई है। कंपनियों को अब मैनेजमेंट और बिजनेस की गहरी समझ रखने वाले लोग चाहिए। दक्षिण कोरिया में जिन सेक्टर में सबसे ज्यादा एआईका इस्तेमाल हुआ वहां ऐसा ही ट्रेंड दिखने को मिला है।

कर्मचारियों को बल्क में निकालने की जगह नई भर्तियां कम हुई

कंपनियां पुराने कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के बजाय नए लोगों को नौकरी पर रखना ही बंद कर रही हैं। इसे साइलेंट फायरिंग कहा जा रहा है। इसके अलावा, कंपनियों ने कॉलेज कैंपस में जाकर होने वाले प्लेसमेंट को लगभग कम कर दिया है।

टेक सेक्टर में 90 प्रतिशत नई नौकरियां

एआईकी वजह से जो भी नए रोजगार पैदा हो रहे हैं, उनमें से 90 प्रतिशत से ज्यादा नौकरियां अकेले टेक्नोलॉजी सेक्टर में आ रही हैं। बाकी सभी सेक्टर्स में हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से भी कम है। भारत में सबसे ज्यादा डेटा एनोटेशन (डेटा को एआई के लिए तैयार करना), भाषा विज्ञान और एआई से जुड़ी टीआई सर्विसेज में नई भर्तियां हो रही हैं। भारत में जहां सपोर्ट और सर्विस वाली नौकरियां आ रही हैं, वहीं चीन में नया एआईमॉडल बनाने और डेवलप करने के लिए हाई-स्किल्ड ग्रेजुएट्स काम पर रख रहे हैं। टेक्नोलॉजी से अलग अन्य सेक्टर्स में गिने-चुने पद ही आ रहे हैं, जैसे बैंकों में एआई रिस्क एनालिस्ट या बिना ड्राइवर वाली गाडियों के एक्सपर्ट्स।

भारत के लिए आगे की राह और बड़ी परीक्षा

भारत पूरी दुनिया का बैक-ऑफिस (टीआई और सर्विस हब) है। जिन आसान और रूटीन कामों के दम पर भारत का आईटी सेक्टर खड़ा है, उन्हें अब एआई बहुत आसानी से कर रहा है। इससे हमारे यहां की पारंपरिक नौकरियों पर बड़ा खतरा है। खतरा जरूर है, लेकिन भारत के पास लाखों इंजीनियर्स और टेक टैलेंट का बड़ा पूल भी है। अगर हम खुद को अपग्रेड कर लें, तो एआईके दौर में आने वाले नए और बड़े अवसरों का सबसे ज्यादा फायदा उठा सकते हैं।

स्कूल निरीक्षण विवाद पर आशुतोष समेत 60 पर एफआईआर

जयपुर। जयपुर ग्रामीण के रामपुरा कंवरपुरा गांव के सरकारी स्कूल के निरीक्षण को लेकर हुआ विवाद अब कानूनी मोड़ ले चुका है। स्कूल निरीक्षण में गांव वालों और कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं के बीच हुए विवाद के मामले में दोनों पक्षों की ओर से क्रॉस एफआईआर दर्ज हुई है। एक मामले में सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका समेत 50 से 60 अन्य लोगों के खिलाफ मारपीट, जानलेवा हमले, गाली-गलौज और जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल के आरोप में एससी-एसटी एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज किया गया है।

वहीं सीजेपी नेता रेखा शर्मा की शिकायत पर गांव के लोगों के खिलाफ मारपीट, पथराव और वाहनों के शीशे तोड़ने समेत कई आरोपों में एफआईआर दर्ज की गई है। बता दें रामपुरा कंवरपुरा गांव के सरकारी स्कूल के निरीक्षण के लिए 21 अगस्त को सीजेपी की टीम पहुंची थी। इसी दौरान गांव वालों के साथ विवाद और मारपीट का आरोप सामने आया। मामले में गांव के दलित युवक भगवान सहाय धानका की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर जयपुर के शिवदासपुरा थाने में सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका और 50 से 60 अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया कि आशुतोष रांका और सीजेपी लोग गांव में आए और वहां हंगामा किया। आरोप है कि इस दौरान महिलाओं और पुरुषों के साथ गाली-गलौज की गई और उनके साथ मारपीट की गई। शिकायत में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया गया है।

दूसरी तरफ सीजेपी नेता रेखा शर्मा की तहरीर पर भी रामपुरा कंवरपुरा गांव के लोगों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज किया गया है। रेखा की शिकायत में कहा गया है कि सीजेपी की टीम स्कूल ठीक करो मुहिम के तहत रामपुरा कंवरपुरा गांव में भैंसों के तबेले में चलने वाले सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने जा रही थी। टीम के स्कूल तक पहुंचने से पहले ही कुछ अराजक तत्वों ने उन्हें घेर लिया। उनके साथ जमकर मारपीट की गई। इस दौरान पथराव करने और गाड़ियों के शीशे तोड़े गए हैं।

अमेरिका-इंडिया ट्रेड डील लगभग फाइनल

नई दिल्ली। अमेरिका और भारत के बीच लंबे समय से चल रही ट्रेड डील अब लगभग फाइनल स्टेज में पहुंच गई है। भारत में अमेरिका के एंबेसडर सर्जियो गोर ने कहा कि डील के ज्यादातर हिस्सों पर सैद्धांतिक तौर पर सहमति बन चुकी है। अब सिर्फ लीगल और टेक्निकल भाषा से जुड़े कुछ पॉइंट्स को फाइनल किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो अक्टूबर में एक बार फिर भारत आएंगे। गोर ने कहा कि ट्रेड डील में 'सैद्धांतिक रूप से लगभग सब कुछ' पूरा हो चुका है। अमेरिका फिलहाल डील के कुछ टेक्स्ट को दोबारा सेट कर रहा है। उन्होंने कहा कि डील को फाइनल होने में समय इसलिए लग रहा है क्योंकि लीगल और टेक्निकल भाषा को ठीक करना बाकी है।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

24 मासूमों की मौत के समय जश्न मनाने का आरोप गलत, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. पारितोष शुक्ला ने किया खंडन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 22 अगस्त को सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक फोटो और उसके साथ प्रसारित किए गए संदेश को जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. पारितोष शुक्ला ने पूर्ण रूप से गलत और भ्रामक बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर वायरल फोटो का बीमारी से प्रभावित बच्चों की मौत के समय जश्न मनाने से कोई संबंध नहीं है।

डॉ. पारितोष शुक्ला ने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा फोटो जून माह का है। उस समय उनका चयन मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से चिकित्सा अधिकारी के पद पर हुआ था। चयन होने पर उन्हें मिठाई खिलाई गई थी और इसी अवसर का फोटो सोशल मीडिया पर अब गलत संदर्भ के साथ प्रसारित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिला टीकाकरण अधिकारी का दायित्व मिलने पर उन्हें बधाई दी गई थी, जिसे भी सोशल मीडिया पर वायरल पुराने फोटो के साथ जोड़कर गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। डॉ. शुक्ला ने कहा कि बीमारी से प्रभावित बच्चों की मौत के समय जश्न मनाने का आरोप पूरी तरह निराधार है।

बच्चों की मौत पर जताई संवेदना

डॉ. पारितोष शुक्ला ने बीमारी से प्रभावित बच्चों की मृत्यु पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों को खोने का दुख सभी को है। उन्होंने कहा कि अब उनका पूरा प्रयास प्रभावित बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा जिले के सभी बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने पर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि जिले का कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ पूरी मेहनत और जिम्मेदारी से कार्य किया जाएगा। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली भ्रामक एवं गलत जानकारी पर विश्वास न करने तथा किसी भी सूचना की पुष्टि अधिकृत स्त्रोत से करने की अपील की है।

मंडई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कमरों में भरा पानी, केंद्र की बदहाली ने खोली स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल

बारिश में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कमरों में जमा हो रहा पानी, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बिरसा क्षेत्र में बच्चों की लगातार हो रही मौतों के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर उठ रहे सवालों के बीच अब मंडई स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाली ने स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं पर एक और गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है। बारिश के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का पूरा भवन पानी से घिर गया और देखते ही देखते अस्पताल के अलग-अलग कमरों में भी पानी भर गया। अस्पताल परिसर और कक्षों में भरे पानी के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों और सरकारी स्वास्थ्य भवनों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

बताया जा रहा है कि मंडई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भवन के भीतर तक पानी पहुंचने के कारण मरीजों को भर्ती कर उपचार देने में भी परेशानी की स्थिति बन गई है। जिस भवन में ग्रामीणों को बीमारी के समय सुरक्षित उपचार मिलना चाहिए, वहां बारिश के दौरान पानी भरने से मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों दोनों के सामने मुश्किल खड़ी हो गई है। वीडियो में अस्पताल के विभिन्न कक्षों में पानी भरा दिखाई दे रहा है और स्वास्थ्यकर्मी भी इस स्थिति के बीच काम करते नजर आ रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि अचानक किसी गंभीर मरीज को अस्पताल में भर्ती करना पड़े तो उसे सुरक्षित और बेहतर स्वास्थ्य सुविधा किस तरह उपलब्ध कराई जाएगी। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब बिरसा क्षेत्र के कई बैगा आदिवासी गांवों में बच्चों के बीमार होने और मौतों को लेकर स्वास्थ्य व्यवस्था पहले से ही सवालों के घेरे में है। प्रभावित गांवों में मलेरिया, खसरा सहित अन्य बीमारियों की चर्चा के बीच स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने की चुनौती बनी हुई है। ऐसे में मंडई जैसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की हालत सामने आना विभाग के लिए चिंता का विषय है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ही बीमारी की स्थिति में लोगों के लिए सबसे पहली उम्मीद होते हैं, लेकिन यदि उन्हीं स्वास्थ्य केंद्रों के भवन बारिश में पानी से भर जाएं तो दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों की परेशानी और बढ़ना तय है। मामले का दूसरा गंभीर पहलू स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार यहां स्वास्थ्य कर्मचारियों की कमी की बात भी सामने आ रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में भवन की स्थिति, कर्मचारियों की उपलब्धता और मरीजों के उपचार की व्यवस्था को लेकर विभागीय स्तर पर व्यापक जांच की जरूरत महसूस की जा रही है। इस पूरे मामले को लेकर मंडई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ निमेश गौतम से शनिवार और रविवार को दूरभाष के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होनें दोनों ही दिन कॉल रिसीव नही किया । ऐसे में अस्पताल की वास्तविक स्थिति, पानी भरने के कारण और मरीजों के उपचार पर पड़े प्रभाव को लेकर विभागीय पक्ष स्पष्ट नहीं हो पाया। वहीं सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो ने इस मामले को लोगों के बीच चर्चा का विषय बना दिया है। बिरसा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को लेकर लगातार सामने आ रही शिकायतों के बीच मंडई पीएचसी की तस्वीरें व्यवस्था के लिए चेतावनी से कम नहीं हैं। एक तरफ शासन दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के दावे कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ सरकारी अस्पताल के उपचार कक्ष ही बारिश के पानी में डूबे नजर आ रहे हैं। ऐसे में सवाल सिर्फ पानी भरने का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की जवाबदेही का है जो ग्रामीणों को बीमारी के समय भरोसेमंद इलाज उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार है।

बिरसा में पहले से स्वास्थ्य संकट, अब पीएचसी भवन की हालत खराब

मंडई पीएचसी की यह स्थिति ऐसे समय सामने आई है जब बिरसा विकासखंड के कई आदिवासी गांवों में बच्चों के बीमार होने और मौतों को लेकर स्वास्थ्य विभाग पहले से ही सवालों के घेरे में है। प्रभावित क्षेत्रों में मलेरिया, खसरा सहित अन्य बीमारियों की चर्चा के बीच स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने की चुनौती लगातार बनी हुई है। ऐसे हालात में ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि किसी गांव में अचानक बीमारी फैलती है या किसी मरीज की हालत गंभीर होती है तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ही तत्काल उपचार का प्रमुख माध्यम होता है। लेकिन यदि बारिश के मौसम में उसी स्वास्थ्य केंद्र के अंदर पानी भर जाए तो आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की क्षमता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

इस विषय पर जल्द ही इस पर संज्ञान लिया जाएगा-परेश

इधर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने दूरभाष पर बताया कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान बिरसा क्षेत्र के अन्य प्रभावित गांवों में चल रही स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर है। उन्होंने कहा कि मंडई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पानी भरने के मामले की जानकारी लेकर जल्द ही इस पर संज्ञान लिया जाएगा। अब देखना यह होगा कि विभाग केवल पानी निकलवाने तक कार्रवाई सीमित रखता है या फिर भवन में पानी भरने के मूल कारणों की भी जांच कराकर स्थायी समाधान सुनिश्चित करता है।

आपसी रंजिश के चलते एक ही परिवार के तीन लोगों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोथवा में आपसी रंजिश के चलते एक ही परिवार के चार लोगों ने एक व्यक्ति, उसकी पत्नी और बेटी के साथ लाठी-डंडे और हाथ-मुक्कों से बेरहमी से मारपीट कर घायल कर दिया। तिरोड़ी पुलिस ने इस मामले में चार लोगों के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बोथवा निवासी विजय परिहार मजदूरी करते हैं। उनकी गांव के ही संजय परिहार से पुरानी रंजिश चली आ रही है। 22 अगस्त की रात विजय परिहार अपनी पत्नी मनीषा परिहार और बेटी सलोनी परिहार के साथ मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे अपने घर के सामने पहुंचे वहां मौजूद संजय परिहार और सुनील परिहार उन्हें अश्लील गालियां देने लगे ।विजय ने जब गालियां देने से मना किया तो दोनों आवेश में आ गए और डंडे व हाथ-मुक्कों से विजय के साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आई पत्नी मनीषा और बेटी सलोनी के साथ भी समीर परिहार और साहिल परिहार ने हाथ-मुक्कों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी ।घटना के बाद घायल अवस्था में विजय, मनीषा और सलोनी तिरोड़ी थाने पहुंचे और मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। तिरोड़ी पुलिस ने तीनों घायलों का इलाज और मेडिकल मुलाहिजा स्थानीय अस्पताल में करवाया। तिरोड़ी पुलिस ने विजय परिहार की शिकायत पर आरोपी साहिल परिहार, समीर परिहार, संजय परिहार और सुनील परिहार के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 115(2), 351(3) और 3(5) के तहत अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट